E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 324 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 23 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

असम में 102 विस सीटें असमिया बहुल होना गर्व का विषय : पीयूष पेज 3

भारत ने समुद्री पड़ोसी केन्या से द्विपक्षीय रक्षा संबंध मजबूत करने पर जोर दिया पेज 4

प्राथमिकता के आधार पर सरकारी योजनाओं से गांव का विकास हो : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5

मुख्यमंत्री ने 11 बच्चों को सरकारी विभागों में नौकरी के सौंपे नियुक्ति पत्र पेज 8

अंबुवासी मेला शुरू

पर्यटन मंत्री ने किया उद्घाटन, भक्तों ने की माता की जय-जयकार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की राजधानी गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर स्थित शक्ति पीठ कामाख्या धाम में विश्व विख्यात अंबुवासी मेले का आज उद्घाटन गुरुवार की शाम को राज्य के पर्यटन मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने किया। इस अवसर पर कामाख्या स्टेशन परिसर में पर्यटन विभाग एवं कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन के तत्वावधान में एक बैठक का आयोजन किया गया। अंबुवासी मेले में हिस्सा लेने के लिए लाखों की संख्या में देशी-विदेशी श्रद्धालु एवं साधु-संत कामाख्या धाम में पहुंच गए हैं। बैठक में विधायक रूपज्योति कुर्मी, दलै कवींद्र प्रसाद शर्मा के साथ अनेक गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय हैं कि गुरुवार देर रात 02:30:42 बजे अंबुवासी योग की प्रवृत्ति शुरू होकर 26 जून की सुबह निवृत्ति के बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। 23, 24, 25 जून तीन दिनों तक मंदिर का कपाट बंद रहेगा। मंदिर प्रबंधन के मुताबिक इस साल अंबुवासी मेले के लिए मंदिर का दरवाजा 22 जून को बंद हो जाएगा। साथ ही रात में 9 बजकर 27 मिनट और 54 सेकेंड पर प्रवृत्ति शुरू होगी और 26 जून की सुबह 7 बजकर 51 मिनट और 58 सेकेंड पर निवृति होगी। इस दौरान अंबुवासी मेले का आयोजन किया जाएगा। 26 जून को ही देवी के पूजा स्नान के बाद मंदिर के द्वार खोले जाएंगे। भक्तों को प्रसाद के रूप में कपड़ा दिया जाता है। इसे अंबुवासी कहते हैं। इसी कारण इस मेले का नाम अंबुवासी मेला कहा जाता है। मान्यता के मुताबिक मां (देवी) के रजस्वला होने के दौरान प्रतिमा के आस-पास सफेद कपड़ा बिछा दिया जाता है। तीन दिन बाद जब मंदिर के दरवाजे खोले जाते हैं, तब वह वस्त्र माता के रज से लाल होता है। कहा जाता है कि जिस भी भक्त को यह वस्त्र मिलता है, उसके सारे कष्ट दूर हो जाता हैं। हर साल जून के महीने में यह मेला लगता है। आज से किसान खेतों में कोई काम नहीं करेंगे। चार दिन तक हल नहीं चलेंगे, खेत जोते नहीं जाएंगे। बगीचे में किसी भी तरह के फल या सब्जी तोड़ी नहीं जाएंगे। बाजार में वही सब्जी आएगी, जो पहले तोड़ी गई है। इस दौरान घरों और मंदिरों में पूजा नहीं की जाती। कोई भी धार्मिक कार्य नहीं होंगे, केवल तपस्या की जा सकती है। रात नौ बजे से नीलाचल की पहाड़ियों में किसी भी प्रकार के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी जाएगी। देवी के मंदिर के पास ही ब्रह्मपुत्र नदी के बीचो-बीच उमानंद भैरव का भव्य मंदिर है। मान्यता है कि इनके दर्शन के बिना कामाख्या देवी की यात्रा अधूरी मानी जाती है। इस मंदिर की प्रसिद्ध इसकी

-शेष पृष्ठ दो पर

वेलकम टू द व्हाइट हाउस मिस्टर प्राइम मिनिस्टर

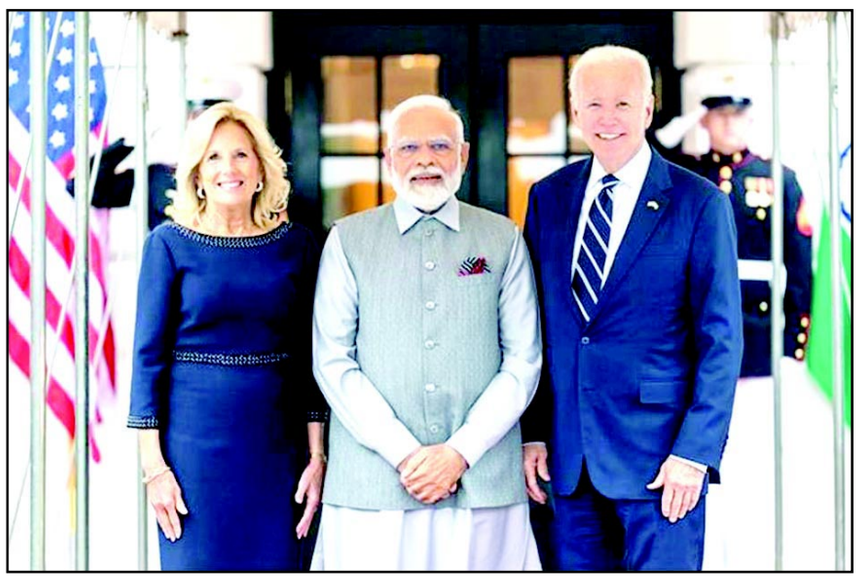

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब साढ़े सात बजे व्हाइट हाउस पहुंचे। राष्ट्रपति जो बाइडेन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन ने पीएम मोदी का स्वागत किया। व्हाइट हाउस में पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और 21 तोपों की सलामी दी गई। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पीएम मोदी के स्वागत में एक ट्वीट किया। जो बाइडेन ने ट्वीट में कहा कि मिस्टर प्राइम मिनिस्टर. व्हाइट हाउस में आपका स्वागत है। बाइडेन ने अपनी पत्नी के साथ पीएम मोदी की तस्वीर भी पोस्ट की है। बता दें कि व्हाइट हाउस में पीएम मोदी और जो बाइडेन वन टू वन मीटिंग करेंगे। व्हाइट हाउस के बाहर बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री मोदी का इंतजार कर रहे हैं और मोदी-मोदी के नारे लगा रहे हैं। राष्ट्रपति बाइडेन के ट्वीट पर रीट्वीट करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन के साथ आज की बातचीत का इंतजार कर रहा हूं। मुझे विश्वास है कि हमारी चर्चा से भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे। पीएम मोदी तीन दिवसीय अमेरिकी की राजकीय यात्रा पर हैं। पीएम मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन बृहस्पतिवार को भारत द्वारा जनरल एटमिक्स एमक्यू-9 *रीपर* सशस्त्र ड्रोन की खरीद को लेकर एक बड़े समझौते की घोषणा करने वाले हैं। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। इस कदम से न सिर्फ हिंद महासागर में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और निगरानी की क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि चीन से लगती सीमा पर भी यह कारगर साबित होगा। जनरल एटमिक्स एमक्यू-9 रीपर 500 प्रतिशत अधिक पेलोड का वहन कर सकता है और यह पूर्व के एमक्यू-1 प्रेडेटर की तुलना में नौ गुना हॉर्सपावर की क्षमता वाला है। यही नहीं,

-शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर पर सर्वदलीय बैठक कल

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंसा प्रभावित मणिपुर के हालात पर चर्चा के लिए 24 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। यह बैठक दिल्ली में शनिवार को दोपहर बाद तीन बजे होगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार शाम गृह मंत्री शाह से मुलाकात की, इसके बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने की घोषणा की गई। शर्मा एनडीए के नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) के संयोजक भी हैं। उन्होंने एक पखवाड़े पहले इंफाल का दौरा किया था और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह

-शेष पृष्ठ दो पर

22 जिलों में बाढ़ का कहर, 4.95 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर होती जा रही है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के 22 जिलों के 4.95 लाख से अधिक नागरिक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में पांच नदियां छह स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसमें बेकी (रोड ब्रिज), मानस (एनएच रोड क्रॉसिंग), पगलादिया (एनटी रोड क्रॉसिंग), पुठिमारी (एनएच रोड क्रॉसिंग) और ब्रह्मपुत्र (धुबड़ी; निमातीघाट) शामिल हैं। कई नदियों के तटबंध टूट गए और सड़कों को भी नुकसान हुआ है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित

-शेष पृष्ठ दो पर

चिंता की आवश्यकता नहीं : पीयूष

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि बाढ़ को लेकर अधिक चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। गुरुवार को जनता भवन स्थित अपने कार्यालय में एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि इस वर्ष की बाढ़ में अब तक तीन तटबंध चार स्थानों पर टूटे हैं। इनमें बर्मा, नाउबेचा तथा भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।

-शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : आईईडी विस्फोट में दो की मौत, दो स्थानों पर गोलीबारी

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में चार दिन की शांति के बाद बुधवार शाम को एक बार फिर से हिंसा भड़क उठी। मणिपुर के कांगपोकी जिले तथा इंफाल पूर्व जिले के मध्य स्थित उरंगपत गांव और वाईकेपीआई में गोलीबारी हुई। बिष्णुपुर जिले में आईईडी विस्फोटों होने से दो लोगों की मौत हुई है, जबकि चार अन्य लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार बिष्णुपुर जिले के क्वातकर इलाके के दक्षिणी छोर पर स्थित वार्ड नंबर 9 के पास एक पुल पर बुधवार की शाम करीब साढ़े सात बजे एक आईईडी विस्फोट हुआ। उस वक्त पुल पर एक स्कॉर्पियो कार खड़ी थी। विस्फोट से कारसवार दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। घायलों में से तीन नाबालिग हैं। घायल नाबालिगों को मैरंग के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने घटना के दौरान कुछ लोगों को कार से बाहर निकलते देखा। विस्फोट से पुल और आसपास की

-शेष पृष्ठ दो पर

विस सीमा पुनर्निर्धारण पर अमित शाह से मिले सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा बुधवार की रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले। मुख्यमंत्री ने असम विधानसभा के सीमा पुनर्निर्धारण संबंधी चुनाव आयोग द्वारा की गई। घोषणा के बाद राज्य की ताजा स्थितियों से केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री को इस मुद्दे को लेकर उत्पन्न आज के ताजा हालातों से अवगत कराये। उन्होंने बताया कि किस प्रकार असमिया लोग पुनर्निर्धारण को लेकर उत्साहित हैं।

मुख्यमंत्री ने किया आदर्श विद्यालय का उद्घाटन

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा विधानसभा क्षेत्र के आदाबाड़ी चाय बगान में निर्मित आदर्श विद्यालय का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने किया। इस अवसर पर रंगापाड़ा के विधायक कृष्ण कमल तांती, तेजपुर लोक सभा क्षेत्र के सांसद पल्लव लोचन दास, ढेकियाजुली के विधायक तथा मंत्री अशोक सिंघल, शोणितपुर जिला परिषद अध्यक्ष डोली सुरीन और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने उपस्थित लोगों से आह्वान कर कहा कि राज्य में अब तक सैकड़ों आदर्श विद्यालयों का निर्माण हो चुका है। आने वाले दिनों

-शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बिजली बिल पर उपभोक्ता से मुख्यमंत्री ने मांगी माफी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को ट्विटर पर एक व्यक्ति द्वारा बढ़े हुए बिजली बिल की शिकायत करने पर उससे माफी मांगी। एक ट्विटर उपयोगकर्ता ने मुख्यमंत्री को टैग किया और पोस्ट किया कि हमें जून में 1 किलोवाट लोड के बावजूद @apdclsocial से 44,000 रुपए का चौंका देने वाला बिल मिला है। उपभोक्ता का नाम गोलाप बोरा है, जो राज्य के गोहपुर इलाके का निवासी है। शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने ट्वीट किया कि हमने मामले की जांच की है। यह पाया गया कि मीटर रीडिंग सही

-शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व सीएम बुद्धदेव की बेटी बनेंगी पुरुष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की बेटी सुचेतना भट्टाचार्य सेक्स चेंज कराएंगी। इसके लिए वे सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी कराएंगी। पिछले दिनों एक भाषण के दौरान सुचेतना ने खुद को ट्रांस मैन घोषित किया और कहा कि सर्जरी के बाद वो सुचेतन के तौर पर जानी जाएंगी। एलजीबीटीक्यू कार्यकर्ता सुपर्वा रॉय ने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड कर बताया कि सुचेतना एक ट्रांसवूमन हैं। सुचेतना ने भी इन खबरों को सही बताया और कहा कि लड़की से ट्रांसमैन बनने का उनका फैसला निजी है। उन्होंने कहा कि यह बड़े

-शेष पृष्ठ दो पर

बिखरे विपक्ष की बैठक पटना में आज

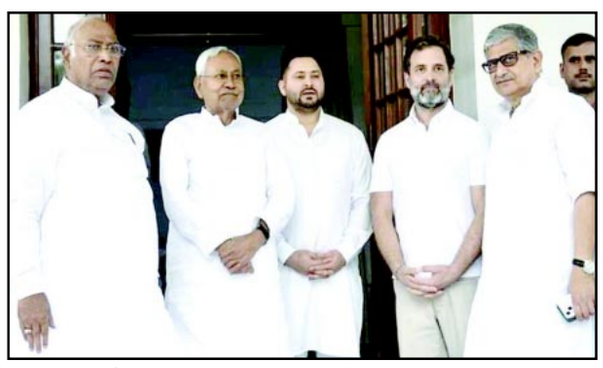

पटना। लोकसभा चुनाव से पहले कल यानी 23 जून को पटना में विपक्ष की महाबैठक होने वाली है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह बैठक बुलाई है। बैठक में कांग्रेस समेत विपक्ष के कई लोग शामिल होंगे। लेकिन इस महाबैठक से पहले ही विपक्ष का कुनबा बिखरता नजर आ रहा है। बैठक के बीएसपी प्रमुख मायावती, आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने दूरी बना रही है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने कहा कि अगर कांग्रेस अध्यादेश का विरोध नहीं करेगी तो वह इस बैठक में शामिल नहीं होगी। पिछले साल भाजपा से रिश्ता तोड़ आरजेडी के साथ सरकार बनाने के साथ ही नीतीश कुमार ने विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास शुरू किया था। जनवरी से लेकर अप्रैल-मई तक नीतीश कुमार ने कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शामिल हैं। इतना ही नहीं नीतीश उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एमके स्टालिन और उत्तर प्रदेश में समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव से मिले। नीतीश ने बारी-बारी सभी नेताओं से मुलाकात की और विपक्षी एकता के बारे में मशविरा किया। कई दौर की बैठकों के बाद नीतीश ने बिहार में विपक्षी दलों की बैठक बुलाई। हालांकि, यह बैठक

-शेष पृष्ठ दो पर

चीन के रेस्टोरेंट में ब्लास्ट, 31 की मौत

यिनचुआन। चीन के यिनचुआन शहर में बुधवार देर रात एक रेस्टोरेंट में धमाका हो गया। हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई। चीनी मीडिया शिन्हुआ के मुताबिक, गैस के रिसाव के कारण धमाका हुआ। 7 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हादसे के दौरान इलाके में काफी भीड़ थी। यहां ड्रैगन बोट फेस्टिवल की तैयारियां चल रही थीं। यिनचुआन शहर निंगिजया नाम के स्वशासित प्रांत की राजधानी है। इस प्रांत कि आबादी 68 लाख है। इनमें से 36 फीसदी लोग मुस्लिम हैं। चीनी मीडिया शिन्हुआ ने

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

मणिपुर के 11,785 आदिवासियों ने मिजोरम में पनाह ली

एजल/इंफाल, । मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने बुधवार को कहा कि हिंसा प्रभावित मणिपुर से विस्थापित हुए जातीय-जनजातियों के करीब 11,785 लोगों ने मिजोरम में पनाह ली है। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा के एक ट्वीट के अनुसार, आदिवासियों ने सभी 11 जिलों में पनाह ली है। दक्षिणी असम से सटे कोलासिब जिले में सबसे अधिक 4,296 लोगों ने पनाह ली है। इसके बाद एजल में 3,837 और सैतुअल जिलों में 2,855 लोगों ने पनाह ली है। सीएम ने एक और ट्वीट करते हुए लिखा, एक जिम्मेदार सरकार के रूप में मानवीय सहायता, हमारे पास ज्यादा नहीं है। लेकिन, हम मदद करने के लिए तैयार हैं। 2388.50 क्विंटल चावल, अन्य राहत आपूर्ति समेत मिजोरम सरकार द्वारा मणिपुर के संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाली जो जातीय जनजातियों और मिजोरम में रहने वाले आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों को दिया गया है। जातीय संघर्ष के भड़कने के बाद से मणिपुर के कुल 11,785 आईडीपी ने मिजोरम में शरण ली है। मिजोरम वर्तमान में पड़ोसी मणिपुर, म्यांमार और बांग्लादेश के 50,000 से अधिक लोगों को पनाह दे रहा है। एजल में अधिकारियों ने कहा कि मणिपुर से विस्थापित हुए 11,785 लोगों में से

2,883 लोग 11 जिलों के 35 राहत शिविरों में रह रहे हैं, जबकि शेष 8902 लोग अपने रिश्तेदारों के घरों, चचरें और विभिन्न अन्य स्थानों पर रह रहे हैं। मिजोरम सरकार ने मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित होने के बाद राज्य में शरण लिए लोगों को राहत देने के लिए केंद्र से 10 करोड़ रुपए मांगे हैं। मिजोरम के सीएम जोरमथांगा ने 16 मई और 23 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वित्तीय सहायता के लिए दो पत्र लिखे, लेकिन केंद्र ने अभी तक अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं दी है। सीएम जोरमथांगा ने रविवार को मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह को मिजोरम में रहने वाले मैइती समुदाय के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया। मैइती समुदाय के कई लोग कई वर्षों से मिजोरम में रह रहे हैं और विभिन्न व्यवसायों में काम करते हैं। मिजोरम और मणिपुर के मुख्यमंत्रियों ने रविवार को मिजोरम में रह रहे मैइती लोगों की सुरक्षा पर चर्चा की थी।

बैठक से पहले ममता ने लालू से की मुलाकात

पटना। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने विपक्ष की मेगा बैठक से एक दिन पहले पटना में राजद सुप्रीमो लालू यादव और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। राजद नेताओं से मुलाकात के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी दल एक परिवार की तरह मिलकर लड़ेंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि लालू जी पूरी तरह स्वस्थ हैं। मैं उसे देखकर बहुत खुश हूं। मुझे यकीन है कि सभी लोग मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे। लगभग 20 दलों के विपक्षी नेता पटना में बैठक में भाग लेने के लिए तैयार हैं, जहां वे 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त रणनीति बनाने की कोशिश करेंगे। यह बैठक बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) नेता नीतीश कुमार ने बुलाई थी। बैठक में हिस्सा लेने के लिए ममता बनर्जी अपने भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ पटना पहूंची। पटना रवाना होने से पहले कोलकाता में बोलते हुए, ममता ने कहा कि देश को आपदा से बचाने के लिए अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना होगा।

तलाक : फैसले से नाखुश पति ने तोड़ी जज की कार

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवल्ला में गुस्साए शख्स ने जज की कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। दरअसर, एक शख्स अपनी पत्नी के साथ वैवाहिक विवाद को लेकर फैमिली कोर्ट के एक जज के पास पहुंचे थे, जब ने जब अपना फैसला सुनाया तो शख्स नाराज हो गया और उसने जज की कार को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने बताया कि एक 55 वर्षीय व्यक्ति को कार्यवाही के दौरान गुस्सा आ गया और अदालत से बाहर आने के बाद, उसने तिरुवल्ला अदालत परिसर के अंदर खड़ी न्यायाधीश की कार पर अपना गुस्सा निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक, शख्स ने कार के सभी शीशे तोड़ दिए और पूरी बॉडी पर खरोंच के निशान छोड़ दिए। तिरुवल्ला पुलिस ने कहा कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ अदालती कार्य में बाधा डालने, डराने-धमकाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि आरोपी अपनी पत्नी के साथ अपने पक्ष में बहस कर रहा था। वह दावा कर रहा था कि उसे अदालत से उचित न्याय नहीं मिल रहा है। मालूम हो कि उसकी पत्नी ने अदालत में तलाक की याचिका दायर की है। अधिकारी ने कहा कि वह व्यक्ति आरोप लगा रहा है कि उसकी पत्नी के वकील और जज उसके खिलाफ मिलकर काम कर रहे हैं और उसका पक्ष ठीक से नहीं सुना जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि पहले ये मामला पठानमथिट्टा की एक अदालत में चल रहा था, जहां से उस व्यक्ति ने इसे स्थानांतरित करने के लिए केरल उच्च न्यायालय का रुख किया और दावा किया कि उसे उस अदालत में कोई विश्वास नहीं है। इसके बाद, इस मामले को यहां पारिवारिक अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के लोवर सियांग जिले के लिकाबाली से गारू के बीच सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। लिकाबाली पुलिस स्टेशन के अधिकारी सूत्रों ने आज बताया कि मिकजार गुलोम लेंडो नामक व्यक्ति से बीते कल एक लिखित शिकायत मिली जिसमें बाताया गया कि एक बोलेरो वाहन (एआर-22-2121) लिकाबाली और गारू के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस मामले में लिकाबली पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया है कि वाहन लिकाबाली से जाते समय गहरी खाई में पलट गया। दुर्घटना मे गेंसी सर्कल के रहने वाले तुमी डोके नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई और चालक इगे नाडा को गंभीर चोट आई। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए असम के डिब्रूगढ़ रेफर किया गया है। मृतक के शव को सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आज अंतिम संस्कार के लिए परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया। सूत्रों ने बताया है कि एक अन्य स्कॉर्पियो वाहन भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन दुर्घटना पहाड़ी की ओर होने के कारण केवल वाहन क्षतिग्रस्त हुआ, किसी को चोट नहीं आई।

पूसीरे ने स्टेशनों पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाया अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) द्वारा अपने स्टेशन परिसरों को अवैध गतिविधियों से मुक्त करने के अपने प्रयास में नियमित रूप से अवैध एवं अनधिकृत हॉकरों तथा विक्रेताओं, धूम्रपान करने और कचरा फैलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है। पिछले दो महीनों के दौरान पूसीरे के पांच मंडलों में श्रृंखलाबद्ध अभियान चलाए गए, जिससे बतौर जुर्माना 10.54 लाख रुपए की राशि संग्रह की गयी। इस संबंध में 4661 व्यक्तियों पर रेल अधिनियम, 1989 की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा चलाया गया। चालू वर्ष के अप्रैल और मई के दौरान पूसीरे के पांच मंडलों में अवैध एवं अनधिकृत हॉकरों तथा विक्रेताओं से जुर्माने के रूप में 3.20 लाख रुपए संग्रह किए गए तथा 1077 व्यक्तियों पर कार्रवाई हुई। इसके अलावा स्टेशन परिसर में धूम्रपान करने वाले

और गंदगी फैलाने वालों से क्रमश: 1.74 लाख और 5.59 लाख रुपए बतौर जुर्माना लिया गया। इस सिलसिले में धूम्रपान करने वाले 926 और गंदगी फैलाने वाले 2658 लोगों पर कार्रवाई हुई। कुल 75 प्रमुख रेलवे स्टेशनों को अवैध हॉकर मुक्त घोषित किया गया है। कटिहार मंडल के अंतर्गत कटिहार, सिलीगुड़ी, न्यू जलपाईगुड़ी सहित 14 स्टेशनों, लमडिंग मंडल के अधीन गुवाहाटी, कामाख्या, लमडिंग सहित 14 स्टेशनों, अलीपुरद्वार मंडल के अंतर्गत कोकराझार, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार सहित 18 स्टेशनों, तिनसुकिया मंडल के अधीन डिब्रूगढ़, न्यू तिनसुकिया, मोरियानी सहित 13 स्टेशनों और रंगिया मंडल के अधीन रंगिया, ग्वालपारा टाउन, न्यू बंगाईगांव सहित 16 स्टेशनों को अवैध एवं अनधिकृत हॉकरों तथा विक्रेताओं से मुक्त किया गया है।

रेड एफएम विश्व संगीत दिवस 2023 के मौके पर फिर से लाया रेड इंडीज रेडियो फेस्टिवल

नई दिल्ली, 22 जून, 2023: भारत के प्रमुख प्राइवेट रेडियो एवं एंटरटेनमेन्ट नेटवर्क 93.5 रेड एफएम ने रेडियो पर इंडी म्युजिक के सबसे बड़े जश्न- रेड इंडीज रेडियो फेस्टिवल 2023 के तीसरे सीजन की घोषणा की। साउंड्स ऑफ इंडिया की थीम पर आधारित यह अनूठा जश्न देश भर से स्वतंत्र प्रतिभाशाली कलाकारों को एक ही मंच पर लाकर उन्हें अपने बेहतरीन म्युजिक को प्रदर्शित करने का मौका देगा। श्रोता 19 जून से 24 जून के बीच संगीत के इस शानदार कार्यक्रम का लुत्फ उठा सकेंगे। रेड एफएम ने प्रतिभाशाली स्वतंत्र भारतीय कलाकारों की एक श्रृंखला तैयार की है, जो भारत के विभिन्न राज्यों एवं शैलियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह आयोजन लोक संगीत से लेकर इलेक्ट्रोनिक इंडी रॉक और हिप-हॉप तक रेड इंडीज रेडियो फेस्टिवल हर संगीत प्रेमी को विविध अनुभव प्रदान करेगा। इसके अलावा एक सप्ताह तक चलने

वाले जश्न के दौरान स्टार सेलेब्रिटीज जैसे कि एमी विर्क, जुबिन नौटियाल, रघु दीक्षित, रफ्तार, किंग, लंगा मांगन्यार और तबाचक अपने अनुभव को साझा करेंगे। इस अवसर पर निशा नारायणन, डायरेक्टर एवं सीओओ, रेड एफएम एण्ड मैजिक एफएम ने कहा, रेड एफएम पिछले तीन सालों से रेडियो फेस्टिवल का आयोजन कर रहा है। स्वतंत्र कलाकारों को प्रोत्साहित करने, संगीत के साथ श्रोताओं को लुभाने, उन्हें नए एवं अनूठे संगीत का अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से फेस्टिवल मनाया जाता है। यह फेस्टिवल स्वतंत्र कलाकारों में छिपी अभूतपूर्व प्रतिभा और विविधता को उजागर करता है, इस मंच के माध्यम से हम संगीत प्रतिभा को विकसित होने का मौका प्रदान करते हैं। इस विश्व संगीत दिवस के अवसर पर रेड एफएम सभी संगीत प्रेमियों को संगीत का रोमांचक एवं विविध अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है।

पृष्ठ एक का शेष

अंबुवासी मेला ...

वास्तुशिल्प के कारण भी है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर को किसी इंसान ने नहीं बनाया, बल्कि यह गर्भ से निकला है। उल्लेखनीय है कि पूरे देश से श्रद्धालु इस समय कामाख्या धाम में पहुंच रहे हैं। पर्यटन मंत्री बरुवा ने बताया है कि प्रतिदिन हजारों की संख्या श्रद्धालु कामाख्या धाम में पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं के रहने और खाने के लिए तीन अस्थाई शिविर बनाए गए हैं। जहां 24 घंटे पीने के पानी की व्यवस्था, रोशनी, स्वास्थ्य सेवा, शौचालय, अस्थाई विश्राम स्थल की व्यवस्था किया गया है। लगातार पड़ोसी राज्यों से श्रद्धालु कामाख्या स्टेशन पहुंच रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि यहां पर्यटन की बहुत संभावनाएं मां कामाख्या के साथ जुड़ी हुई हैं। मां कामाख्या का दर्शन सभी को आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत से भी काफी संख्या में भक्तों का आगमन हो रहा है। कामाख्या में बनाये जाने वाले कॉरिडोर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को ध्यान में रखते हुए सभी काम किए जाएंगे।

वेलकम टू द व्हाइट...

एमक्यू-9 यूएवी (ड्रोन) लंबे समय तक टिके रहने, लगातार निगरानी और हमला करने की क्षमता प्रदान करता है। जनरल एटमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम (जीए-एएसआई) के अनुसार, जनरल एटमिक्स एमक्यू-9 रीपर 27 घंटे तक 240 केटीएएस (टू एयरस्पीड इन नॉट) की गति से 50,000 फुट की ऊंचाई पर भी कार्य कर सकता है और इसकी 1,746 किलोग्राम पेलोड क्षमता है, जिसमें 1,361 किलोग्राम बाह्य भंडार क्षमता शामिल है। दोनों नेताओं के बीच बैठक से पहले एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने के अनुरोध पर कहा कि समुद्री सुरक्षा के संबंध में, हां यह बहुत बड़ी घोषणा होने वाली है। भारत एमक्यू-9 रीपर सशस्त्र यूएवी खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है।

मणिपुर पर सर्वदलीय...

और कई राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की थी। डेढ़ माह से अधिक समय से जारी हिंसा में अब तक सौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। बता दें कि मणिपुर में हालात सुधर नहीं रहे हैं। सीमावर्ती राज्य में लगातार हिंसा की घटनाएं देखने को मिल रही है। मणिपुर के हालात पर विपक्षी दलों ने चिंता जताई है। बुधवार को ही पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश में मणिपुर में हिंसा पर दुख जताया था और शांति की अपील की थी। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों के जीवन को तबाह करने वाली अभूतपूर्व हिंसा ने देश की अंतरात्मा पर गहरा घाव छोड़ दिया है। लोगों को अपने घर से भागने के लिए मजबूर किया गया।

22 जिलों में बाढ़ ...

लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से आज बाढ़ प्रभावित जिलों के आंकड़े जारी किए गए हैं। बाढ़ प्रभावित 22 जिलों में 20 ग्रामीण और दो ऐसे जिले हैं, जिनका शहरी इलाका बाढ़ प्रभावित है। तीन जिले ऐसे हैं, जिनके शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बाढ़ आई है। बाढ़ प्रभावित ग्रामीण जिलों में बजाली, बाक्सा, बरपेटा, विश्वनाथ, बंगाईगांव, चिरांग, दरंग, धेमाजी, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, होजाई, कामरूप (ग्रामीण), कोकराझाड़, लखीमपुर, माजुली, नगांव, नलबाड़ी, शोणितपुर और तामुलपुर शामिल हैं। तीन जिलों के शहरी क्षेत्र बजाली, दरंग, जोरहाट, कामरूप (मेट्रो) और कोकराझाड़ में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बजाली, दरंग और कोकराझाड़ के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बाढ़ आई है। बाढ़ से 58 राजस्व सर्किल अंतर्गत 1366 गांवों के 4 लाख 95 हजार 799 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 14091.90 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 83 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं जबकि 79 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। राहत शिविरों में कुल 14035 लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ से आज तामुलपुर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बाढ़ से राज्य के कुल 3 लाख 46 हजार 639 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 1 लाख 68 हजार 382 और छोटे पशुओं की 1 लाख 37 हजार 459 है जबकि 40 हजार 798 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के पानी में कुल 90 पशु बह गए। इनमें 10 छोटे पशु एवं 80 कुक्कुट शामिल हैं। आज नलबाड़ी जिले में एक मकान पूरी तरह से तबाह हो गया। बाक्सा जिले में एक घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया जबकि कोकराझाड़ में एक झोपड़ी बाढ़ के पानी में बह गई। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग, एसएसबी के साथ जिला प्रशासन की टीमें तथा मेडिकल टीमें भी तैनात की गई हैं। अब तक विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों से 561 नागरिकों तथा 43 पशुओं को नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राहत एवं बचाव कार्यों में 19 नावों को तैनात किया गया है जबकि 58 मेडिकल टीमें अपनी सेवाएं बाढ़ प्रभावित इलाकों में दे रही हैं। बाढ़ प्रभावितों के बीच खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमें 1019.97 क्विंटल चावल, 189.10 क्विंटल दाल, 55.93 क्विंटल नमक, 5269.80 लीटर सरसों का तेल, पशुओं के लिए गेहूं का चोकर 4774.87 क्विंटल और चावल की भूसी 15.00 क्विंटल शामिल हैं। राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उधर एएसडीएमए बुलेटिन के अनुसार, वर्तमान में करीब 780 गांव डूब गए है। पूरे असम में 10,591.85 हेक्टेयर खेत क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसके अलावा बाक्सा, बरपेटा, शोणितपुर, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, कामरूप, कोकराझाड़, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव, नगांव, दक्षिण शालमारा और उदालगुड़ी में व्यापक भू-कटाव देखा गया है। वहीं, डीमा-हसाओ और कामरूप मेट्रोपोलिटन में कई स्थानों से भूस्खलन और भारी बारिश की सूचना है। इतना ही नहीं, कई गांवों की हालत बहुत ही बुरी हो गई है। बाक्सा, नलबाड़ी, बरपेटा, शोणितपुर, बोंगाईगांव, दरंग, चिरांग, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, कामरूप, कोकराझाड़, लखीमपुर, नगांव, उदालगुड़ी, धेमाजी और माजुली में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बरपेटा, दरंग, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, कोकराझाड़ और नलबाड़ी जिलों में कई स्थानों पर शहरी इलाके जलमग्न हो गए। एएसडीएमए की रिपोर्ट में बताया गया है कि ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी बेकी तीन स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

चिंता की आवश्यकता ...

उन्होंने कहा कि नवनिर्मित तटबंध कहीं भी नहीं टूटा है। बल्कि, इस नवनिर्मित तटबंधों के बनने की वजह से ही हमेशा से धेमाजी, मोरीगांव, माजुली, सदिया आदि जिलों में आने वाली भयंकर बाढ़ से इसबार अब तक बचा जा सका है। उन्होंने कहा कि 60 से 70 वर्ष पुराने तटबंध कहीं-कहीं टूटे हैं। विभाग के अधिकारी दिन रात तत्पर हैं कि तटबंधों को टूटने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष राज्य के 26 तटबंध 41 स्थानों पर टूटे थे, जिनका पूरी तरह से मरम्मत किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 45 वर्षों के इतिहास में इस बार सबसे कम बाढ़ देखा गया है।

मणिपुर : आईईडी विस्फोट...

सड़कों पर बड़े गड्ढे होने के साथ ही व्यापक नुकसान हुआ। सूत्रों ने बताया कि बम एक एसयूवी से लाया गया था। इतना ही नहीं उपद्रवियों ने फुगाचाओ अवांग लीकाई नामक स्थान पर नुकसान पहुंचाने के लिए और सेना और अन्य सुरक्षा बलों की आवाजाही रोकने के लिए पुलिया के पास सड़क पर पेड़ गिरा दिए थे। एक अन्य घटना में अज्ञात बदमाशों के एक समूह ने बुधवार रात मणिपुर के कांगपोकी जिले तथा इंफाल पूर्व जिले के मध्य स्थित उरंगपत गांव और वाईकेपीआई में अंधाधुंध गोलीबारी की। इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दूसरी ओर, मीरा पायबिस, इम्फाल पश्चिम में कई स्थानों पर सावनबंग-वाईकेपीआई सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया...

में स्कूल से हाईस्कूल और इसके बाद कॉलेज स्थापित किया जाएगा। उन्होंने पिछली राज्य सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज बने विद्यालयों को आज से 30 वर्ष पहले ही हो जाना था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षा पर अधिक जोर दिया है और आने वाले दिनों में प्रत्येक तीन चाय बागान के नजदीक आदर्श विद्यालय स्थापित किए जाएंगे, ताकि चाय बागान क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं का भविष्य उज्जवल हो। साथ ही छात्र-छात्राओं के अभिभावकों से आह्वान किया कि बच्चों को स्कूल जरुर भेजें। इसके अलावे उन्होंने रंगापाड़ा विधानसभा क्षेत्र में एक और महाविद्यालय के स्थापित करने की बात कही। जानकारी के मुताबिक आज रंगापाड़ा विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत आदाबाड़ी, सोनाबिल आदि चाय बागानों में आदर्श विद्यालय का उद्घाटन किया। आज विद्यालय उद्घाटन के पश्चात स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ मुख्यमंत्री ने मध्याह्न भोजन भी किया।

पूर्व सीएम बुद्धदेव ...

आश्चर्य की बात है कि परिवार अपनी पहचान छुपाता है। उन्होंने कहा कि ट्रांसमैन बनने की दिशा में जो भी जरूरी कानूनी औपचारिकता होगी, उसे वो सर्जरी से पहले पूरा कर लेंगी। सुचेतना ने कहा कि स्कूलिंग के दिनों से मैंने खुद को एक पुरुष के रूप में पहचाना। यह एहसास समय के साथ और अधिक विकसित हुआ। अब मैं शारीरिक रूप से भी एक पुरुष बनना चाहती हूं। मानसिक रूप से भी मैं एक पुरुष ही हूं। सुचेतना एक एनवायरन्मेंटल साइंटिस्ट रही हैं। साथ ही ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट और सोशल वर्कर भी हैं। 2015 से वे कोलकाता रेनबो प्राइड फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मेंबर हैं। सुचेतना ने कहा कि सेक्स चेंज सर्जरी के बारे में उन्होंने अपने माता-पिता से भी बात की थी। उन्होंने कहा कि मेरी पैतृक पहचान कोई बड़ी बात नहीं है। मैं 41 साल की हूं इसलिए मैं अपने जीवन के फैसले खुद लूंगी। मैंने इसके लिए कानूनी और मेडिकल कार्रवाई पहले ही शुरू कर दी है। सुचेतना ने कहा कि उनके दो अनुरोध हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी राजनीतिक दलों से एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय का समर्थन करने का अनुरोध करना चाहती हूं, तभी समाज इस बात को बेहतर ढंग से समझ पाएगा और उन्हें परेशान करना बंद कर देगा। दूसरे, मीडिया को एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय का समर्थन करने के लिए आगे आना चाहिए।

बिखरे विपक्ष की...

पहले 12 जून को होने वाली थी लेकिन कांग्रेस नेताओं की व्यस्ताओं के चलते बैठक को 23 जून तक टाल दिया गया। तब बताया गया था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं और मल्लिकार्जुन खरगे भी 12 जून की बैठक में शामिल नहीं हो सकते हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन का बैठक में शामिल होने पर संशय था। विपक्षी दलों की बैठक से एक दिन पहले बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने इस महाबैठक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने गुरूवार की सुबह सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि दिल मिले न मिले, हाथ मिलाते रहिए। मायावती को पिछड़े और दलितों की नेता के रूप में देखा जाता रहा है। मायावती ने कहा कि नीतीश कुमार द्वारा कल 23 जून की विपक्षी नेताओं की पटना बैठक *दिल मिले न मिले हांथ मिलाते रहिए* की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करता है। मायावती ने ट्वीट में कहा कि यूपी में लोकसभा की 80 सीट चुनावी सफलता की कुंजी कहलाती है, किन्तु विपक्षी पार्टियों के रवैये से ऐसा नहीं लगता है कि वे यहां अपने उद्देश्य के प्रति गंभीर व सही मायने में चिन्तित हैं। बिना सही प्राथमिकताओं के साथ यहां लोकसभा चुनाव की तैयारी क्या वाकई जरूरी बदलाव ला पाएगी? उन्होंने ट्वीट में कहा कि वैसे अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी को ध्यान में रखकर इस प्रकार के प्रयास से पहले अगर ये पार्टियां, जनता में उनके प्रति आम विश्वास जगाने की गुजर से, अपने गिरेबान में झांककर अपनी नीयत को थोड़ा पाक-साफ कर लेतीं तो बेहतर होता। मुंह में राम बगल में छुरी आखिर कब तक चलेगा? मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि बल्कि अब लोकसभा आम चुनाव के पूर्व विपक्षी पार्टियां जिन मुद्दों को मिलकर उठा रही हैं और ऐसे में नीतीश कुमार द्वारा कल 23 जून की विपक्षी नेताओं की पटना बैठक दिल मिले न मिले हांथ मिलाते रहिए की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करता है। एक अन्य ट्वीट में कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, अशिक्षा, जातीय द्वेष, धार्मिक उन्माद/हिंसा आदि से ग्रस्त देश में बहुजन के त्रस्त हालात से स्पष्ट है कि परमपूज्य बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी समतामूलक संविधान को सही से लागू करने की क्षमता कांग्रेस, बीजेपी जैसी पार्टियों के पास नही। पिछले 10 सालों में बसपा को खासा नुकसान हुआ है। साल 2012 में सत्ता गंवाने के बाद मायावती की पार्टी का जनाधार लगातार कम होता गया और 2014 के लोकसभा चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। 2014 के चुनाव में बसपा की लोकसभा में एक भी सीट नहीं आई, जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में 10 सीटें ही मिली। साल 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने वाली पार्टी राष्ट्रील लोकदल के नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी भी महाबैठक से नदारद रहेंगे। बैठक से दूरी बनाने में उन्होंने निजी कार्यक्रमों का हवाला दिया है। लेकिन सूत्रों की मानें तो यूपी में सपा और आरएलडी गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पश्चिमी यूपी में आरएलडी का बड़ा वोट बैंक है। विपक्षी दलों की बैठक में बीजू जनता दल, तेलंगाना की बीआरएस, आंध्र प्रदेश की वाईएसआरसीपी और टीडीपी समेत कई विपक्षी दल इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। वहीं, आम आदमी पार्टी ने बैठक से पहले कांग्रेस के सामने शर्त रख दी है। आप ने कहा कि अगर कांग्रेस अध्यादेश पर समर्थन नहीं करेगी तो वह कल होने वाली विपक्ष की बैठक में शामिल नहीं होगी।

चीन के रेस्टोरेंट...

हादसे के बाद की कुछ तस्वीरें जारी की हैं। इसमें आग बुझने के बाद मौके पर मौजूद दमकल विभाग की गाड़ियां नजर आ रही हैं। दमकलकर्मी घायल लोगों को एंबुलेंस तक ले जाते हुए भी दिख रहे हैं। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रेस्टोरेंट में पहले तो एक धमाका हुआ। इसके बाद वहां आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि तेजी से फैल गई। हालांकि, दमकल की गाड़ियां फौरन मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पा लिया गया। रेस्टोरेंट में हुए धमाके के बाद लोगों की सेफ्टी को लेकर सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। लोग सरकार से घनी आबादी वाले इलाके को सुरक्षित बनाने के लिए योजनाएं बनाने की मांग कर रहे हैं।

बिजली बिल पर ...

है और एसुविधा में की गई है। हालाँकि, यह संचित रीडिंग का मामला है, क्योंकि उपभोक्ता को दिलीप राजखोवा नाम के मीटर रीडर द्वारा कम बिल दिया गया था। उन्होंने कहा कि मामला सामने आया कि मीटर रीडर ने वास्तविक खपत पर बिल नहीं बनाया. परिणामस्वरूप, आपको बढ़ा हुआ बिल प्राप्त हुआ। असुविधा के लिए मुझे खेद है। असम में बिजली विभाग ने ज्यादातर शहरी इलाकों में स्मार्ट प्री-पेड मीटर लगाए हैं। हालांकि, उपभोक्ता प्री-पेड मीटर लगने के बाद बढ़े हुए बिजली बिल आने की शिकायत करते रहे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

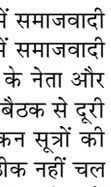

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(स्तुति-प्रार्थना)

काम क्रोध मद लोभ में, मोह विषय रत लीन।
नर दुर्लभ जीवन गया, तब ताकि शरण अधीन॥ 11॥

शब्दार्थ : (लीन) अनुरक्त (अधीन) अनुकूल।

भाष्य : काम, क्रोध, मद, मोह एवं विषय-भोग में अनुरक्त, लीन होने से दुर्लभ मनुष्य-जीवन व्यर्थ चला गया। इसलिए सद्गुरु-शरण को प्राप्त कर उनके आदेशानुकूल अपने जीवन को सफल करें।

दुख भंजन जनपाल प्रभु, कृपा सेन्धु भगवान।
भक्त गाव आरत हरण, शरण सुखद शुभ आन॥ 12॥

शब्दार्थ : (दुख भंजन) दुख का नाश करने वाले (जन पाल) जीव के रक्षक (कृपा-सेन्धु) कृपासागर (आरत हरण) दु:खियों के दु:ख को हरने वाले (सुखद) सुख देने वाले (आन) अन्य।

भाष्य : हे दु:खनाशक, जनरक्षक, कृपासागर, परमप्रभो! आप भक्तों के भाव को पूर्ण करने वाले, दु:खियों के दु:ख को हरने वाले हैं। हे भगवन्! आपके सिवा मंगलप्रद-सुखदायक दूसरा आधार नहीं है।

असम में 102 विस सीटें असमिया बहुल होना गर्व का विषय : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के प्रवक्ता तथा राज्य के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि राज्य के विधानसभा सीमाओं का हुआ पुनर्निधारण भारतीय तथा असमिया लोगों के लिए गर्व का विषय है। गुरुवार को यहां एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि लंबे समय से स्थानीय भारतीय और असमिया लोग अनिश्चितताओं में जी रहे थे, अब जो समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि सीमाओं का पुनर्निधारण करके चुनाव आयोग ने इस अनिश्चितता का समाधान कर दिया है। एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री हजारिका ने कहा कि

एआईयूडीएफ का असंतुष्ट होना तो स्वाभाविक ही है। क्योंकि, कुछ तत्व असम को निगल जाना चाहते थे, जिस पर चुनाव आयोग ने पानी फेर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले तक असम की 42 से 43 सीटों पर असमिया लोग चाहकर भी किसी को चुनाव नहीं जिता सकते थे। लेकिन, आज पुनर्निधारण के कारण स्थितियां ऐसी बनी है कि 102 सीटों पर असमिया लोग अपने मनचाहे उम्मीदवारों को जिता सकेंगे। एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा एक संप्रदाय मात्र के तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। बोरा को पूरे असम और भारत का स्वार्थ देखना चाहिए। वहीं, उन्होंने आंदोलन के लिए मशहूर विधायक अखिल गोगोई से कहा कि वे जाति जनजातियों को गुमराह कर झगड़ा लगाने की कोशिश नहीं करें। वे पूरे असम के नेता बनें। असम के वृहत्तर स्वार्थ में उन्हें सोचना चाहिए। विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे उन बयानों का मंत्री पीयूष ने खंडन किया, जिसमें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर सीमा निर्धारण करने का आरोप लगाया गया है। मंत्री ने कहा कि यह चुनाव आयोग का कार्य है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि तकनीकी तौर पर जहां भी जो त्रुटियां हैं, उसको सुधारने के लिए सरकार चुनाव आयोग से अपील करेगी। पत्रकार सम्मेलन के दौरान मंत्री हजारिका ने पत्रकारों के कई सवालों के सीधे-सीधे उत्तर दिए।

रंगिया : विष्णु प्रसाद राभा दिवस पर कई कार्यक्रमों का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया के मोहखोली स्थित अग्रणी दक्षिण पश्चिम रंगिया क्रिस्टी विकास समिति के तत्वावधान में मंगलवार को व्यापक कार्यक्रमों के साथ कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त अध्यापक तथा समाजसेवी पविन कलिता द्वारा श्रद्धा तर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ सुबह 9.30 बजे किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर सेनावाहिनी के रेड होर्न्स डिवीजन की ओर से आयोजित अस्त्र-शस्त्र की प्रदर्शनी के द्वार का उद्घाटन सेनावाहिनी 14 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग अधिकारी कर्नल जयदीप चौधरी ने किया। ततपश्चात सुबह 10 बजे से बच्चों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जीतू पाठक को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने आज उत्तरी गुवाहाटी के अभयपुर निवासी अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग के अस्थायी कर्मचारी जीतू पाठक को सम्मानित किया। जिन्होंने साहस और मानवता का प्रदर्शन कर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि बीते 19 जून को जीतू पाठक ने साहस और मानवता का एक दुर्लभ उदाहरण दिखाते हुए मध्यमखंड घाट पर ब्रह्मपुत्र की बाढ़ से एक महिला को जीवित बचाया। इसलिए उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने आज उनके इस मानवीय कार्य की सराहना की और जिला प्रशासन की ओर से उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर जिला उपायुक्त ने कहा कि जीतू पाठक का साहस और मानवीय कार्य हजारों लोगों को संकटग्रस्त और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने जीतू पाठक के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की और उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी समाज और लोगों के हित में काम करते रहेंगे। कामरूप जिले की अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई, प्राणजीत कुमार देब, कामरूप जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिला परियोजना अधिकारी राजीव दत्त चौधरी, कामरूप जिले के वरिष्ठ पत्रकार दिगंत बरदलै, रूपक डेका, द्विपेन बायन और उत्पल तामुली भी उपस्थित थे।

रंगिया : ढाबे के शौचागार से शव बरामद

रंगिया (विभास)। रंगिया के बालागांव स्थित एक ढाबे के शौचागर से एक युवक का शव बरामद होने की घटना से रंगिया में सनसनी व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढाबे के शौचागर से करीब 27 वर्षीय पंजाबी सम्प्रदाय के एक युवक का शव बरामद हुआ है। इस खबर की सूचना मिलने के साथ ही रंगिया पुलिस घटनास्थल पर पहुँचकर शव को बरामद किया तथा इसे मरणोपरांत परीक्षण के लिए भेज दिया गया। मृतक करीब 27 बर्षीय इस युवक का नाम गुरवज सिंह, पुत्र- निर्मल सिंह, ग्राम- सेरोन तेह तारन के रूप में पुलिस सूत्रों द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है। वहीं रंगिया पुलिस द्वारा मामले की छानवीन की जा रही है।

बिलासीपाड़ा मारवाड़ी युवा मंच ने मनाया *विश्व योग दिवस*

कोकराझाड़ (विभास)। आज बिलासीपाड़ा मारवाड़ी युवा मंच द्वारा शाखा ने योग दिवस के उपलक्ष में योगाभ्यास एवं योग के प्रति सभी को जागरुक करने के लिए *आनंदम* कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बिलासीपाड़ा शाखा की सदस्या संगीता जैन (जो कि एक ट्रेंड योगा टीचर है)ने प्रशिक्षिका की भूमिका निभाते हुए सरकार द्वारा दिए गए प्रोटोकॉल के अनुसार सभी को योग करवाया। शाखा अध्यक्ष ने सभी को कहा कि हमें योग को अपनी दिनचर्या में रखना चाहिए। योग करने से मन की शांति ही नहीं बल्कि हमारे शरीर की मांसपेशियों को ऊर्जा मिलती है। साथ ही मन-मस्तिष्क को शांत रखने में मदद मिलता है।

भाजपा जीरो मंडल ने आयोजित किया *व्यापारी सम्मेलन*

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीरो मंडल ने मोदी सरकार के नौ साल और पेमा खांडू के सात साल पूरे होने के उपलक्ष्य में *महा जनसंपर्क अभियान* के तहत लोकसभा स्तर पर एक *व्यापारी सम्मेलन* आयोजित किया। प्रदेश भाजपा मुख्यालय की ओर से आज जारी एक बयान में बताया है कि बीते कल आयोजित सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, राज्य सरकार के मंत्री तागे ताकी मंत्री, विधायक सह प्रदेश भाजपा महासचिव जगिनु नामचूम और व्यापारियों के विभिन्न समुदाय ने कार्यक्रम में भाग लिया। जीरो के व्यापारियों के साथ बातचीत करते हुए रिजिजू ने व्यापारियों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर प्रतिक्रिया देने के बाद, विभिन्न क्षेत्रों पर उनके सुझाव और विचारों के लिए व्यापारियों की सराहना की। उन्होंने उनके मुद्दों को राज्य सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर

देते हुए कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे अंतिम उत्पाद बाजार की मांग के अनुसार हों, कीमत प्रतिस्पर्धी हो और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयात के लिए संबंधित मंत्रालयों या विभागों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करें। इससे न केवल हमारी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि हमारे स्थानीय उत्पादकों को भी फायदा होगा, जो इस समय अपने उत्पादों को बेचने के लिए बाजार की कमी के कारण परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जीरो भविष्य में राज्य के सबसे बड़े पर्यटन केंद्रों में से एक केंद्र बनेगा। राज्य सरकार की विकासात्मक परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में पेमा खांडू के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से राज्य में सर्वांगीण विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी विकासात्मक परियोजना क्रियान्वित करने वाले संतुष्ट हैं। मेरी जिम्मेदारी भारत सरकार की ओर से विभिन्न परियोजनाओं को शुरू करने की हैं और मैं हमेशा अरुणाचल प्रदेश के लोगों के व्यापक हित के लिए काम करूंगा। तागे ताकी ने कहा कि पर्यटन, बागवानी, मत्स्य पालन और पशुधन संभावित प्रमुख उद्योग हैं जो जीरो घाटी के आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे निवासियों का सर्वांगीण विकास और समृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि जीरो घाटी के व्यापारियों को ईश्वर प्रदत्त इन प्राकृतिक उपहारों का लाभ उठाना चाहिए, जो पूरी तरह से अनुकूल हैं और अगर सही तरीके से दोहन किया जाए तो व्यापारियों की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता है।

मायुमं, समृद्धि शाखा का योग शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष पर मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी समृद्धि शाखा ने कुमारपाडा स्थित अर्बन बीट्स योगा सेंटर में एक योग शिविर का आयोजन किया। इस शिविर कि योग गुरु श्रीमती रूप ज्योति ने स्वस्थ रहने के लिए योगासन बताये जिनको अपनाकर एक स्वस्थ जीवन शैली एंव निरोगी काया हासिल कर सकते है। योग गुरु ने सभी को फेसियल योग भी सिखाया और इसके महत्व को भी समझाया। शिविर में अध्यक्षा बबीता मित्तल समेत 15 सदस्याएं मोजूद थीं। संस्थापक अध्यक्षा सुमिता बरडिया ने योग गुरु का फूलाम गामोछा से सम्मान किया एंव अध्यक्षा बबीता मित्तल ने एक इको फ्रेंडलि फूलदान भेंट कर योग गुरु को धन्यवाद दिया। संयोजिका रूबी जैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मोजूद सभी का आभार व्यक्त किया और योग गुरु को सभी की और से धन्यवाद दिया। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क सचिव अंजू शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में दी।

कामरूप साहित्य सभा का रंगिया अधिवेशन स्थगित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के उत्तरांचल विशेष रूप से वृहत्तर रंगिया अंचल में बाढ़ की स्थिति हो जाने के कारण कामरूप जिला साहित्य सभा के रंगिया अधिवेशन की स्वागत समिति द्वारा लिए गए फैसले के अनुसार कामरूप जिला साहित्य सभा का 36वां रंगिया सम्मेलन जोकि आगामी 25/6/2023 को रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त- बिरदत्त भवन, रंगिया में आयोजित होने वाला था, जिसकी तैयारियां पूरी होने के बावजूद, बाढ़ की स्थिति के कारण इसे अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी क्रमशः जिला सभा के अध्यक्ष और सचिव नृपेंद्र कुमार भगवती और राजेन महंतो द्वारा हस्ताक्षरित एक एक विज्ञप्ति के माध्यम से दी गयी है। साथ ही बताया गया है कि बाढ़ की स्थिति में सुधार होने पर यह अधिवेशन उसी कार्यक्रम के साथ उसी स्थान पर आयोजित किया जाएगा। और इसके तारीख की घोषणा अगले समय में की जाएगी। विज्ञप्ति में बताया गया है कि कार्यक्रम स्थगित होने के कारण आगामी 30/6/2023 को निर्धारित कार्यभार हस्तांतरण और स्वीकृति भी स्थगित रहेगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव के परामर्श से सभा के अपने कार्यालय में यह कार्यभार सौंपा जाएगा और ग्रहण किया जाएगा इसकी जानकारी दी गई है।

मायुमं, समृद्धि शाखा ने द्वितीय शाखा स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी समृद्धि शाखा ने अपना द्वितीय स्थापना दिवस कुमारपाडा पांचाली स्थित किरणश्री में मनाया। समारोह में संस्थापक अध्यक्षा सुमिता बरड़िया मौजूद रहीं। उन्होंने शाखा द्वारा पिछले दो वर्षों में किए गए कार्यों की सराहना की और एक जुट होके आगे कार्य करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष बबीता मित्तल ने कहा कि शाखा 21 सदस्योंओ के साथ खोली गई थी और केवल 2 वर्षों मे 60 सदस्या हो गई हैं। शाखा ने इन 2 वर्षों में अनेक सामाजिक कार्य संपन्न किए हैं जिसमें स्थाई प्रकल्प अमृतधारा प्रमुख रहा। सभी सदस्योंओ ने जोश और उत्साह के साथ केक काटकर इस दिन की शुरुआत की और साथ मिलकर जलपान किया। निवर्तमान अध्यक्षा लता झंवर ने सभी को स्थापना दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

बीएसएनल भवन में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गुवाहाटी (विभास)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में पान बाजार स्थित बीएसएनल भवन में योग प्रशिक्षिका जागृति रॉय के संचालन में योग दिवस मनाया गया। जिसमें डीओटी, बीएसएनएल, कोर नेटवर्क टेलीकॉम वूमेन वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन, सीसीए और डब्ल्यूपीसी के लगभग 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे विपुल अग्रवाल सीजीएम, बीएसएनएल असम सर्किल, मिथिलेश कुमार एडीजी (डीओटी), अवनिंदा शर्मा सीजीएम कोर नेटवर्क बीएसएनएल, ज्योति शर्मा अध्यक्ष टीडब्ल्यूडब्ल्यूओ और एसके चौरसिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम का संचालन देव शंकर, निदेशक (डीओटी) ने किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों में

जेबी सिंह, जीएम (ए एंड एचआर), बीएसएनएल, पंकज दास, डीडीजी, डीओटी, जी सुतार, डीडीजी, डीओटी जनसंपर्क सचिव सौरव बोरगोंहाई उपस्थित थे।

महिलाओं के लिए *धन प्रबंधन की कला* पर नि:शुल्क सत्र का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं के उत्थान और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए *धन प्रबंधन की कला* विषय पर नि:शुल्क सत्र का आयोजन किया गया। क्रिसेंट-फाइनेंशियल सॉल्यूशंस के तत्वाधान में वोमानियाज के सहयोग से विशेष रूप से महिलाओं के लिए *धन प्रबंधन की कला* जैसे महत्वपूर्ण विषय पर नि:शुल्क सत्र का आयोजन किया गया। क्रिसेंट-फाइनेंशियल सॉल्यूशंस की प्रमुख प्रीति अग्रवाल ने कहा की घरेलू महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से उनके लिए यह नि:शुल्क सत्र का आयोजन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित वित्तीय बाजार प्रशिक्षक भुवनेश्वर से डॉ. धनंजय बांठिया मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। मुख्य वक्ता ने महिलाओं को सही तरीके से निवेश

कैसे करें जैसे विषय पर एक निवेशक शिक्षा शिविर को संबोधित करते हुए उन्हें कई अहम जानकारियां उपलब्ध कराएं। डॉ. बांठिया ने अपने जबरदस्त ज्ञान और कौशल से वोमानियाज की सदस्याओ को धन प्रबंधन की कला और सही तरीके से निवेश करने के बारे में बताया। सत्र में 100 से अधिक महिलाओ ने हिस्सा लेकर नि:शुल्क सत्र का भरपूर लाभ उठाया। महिलाओं ने निवेश से संबंधित अपनी शंकाओं के संबंध में कई प्रश्न पूछे और डॉ. बांठिया और प्रीति अग्रवाल ने उनका उत्तर दिया। सत्र में शामिल सभी महिलाएं काफी संतुष्ट नजर आई और भविष्य में भी ऐसे सेमिनार आयोजित करने की बात कही। इससे पूर्व प्रीति अग्रवाल ने वहां उपस्थित सभी महिलाओं का स्वागत किया और अपनी सेवाओं और विभिन्न निवेश विकल्पों के बारे में जानकारी दी। श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि उचित धन सृजन के लिए हमें परिसंपत्ति आवंटन रणनीति के माध्यम से सभी क्षेत्रों में निवेश करना चाहिए। उन्होंने बैंकिंग उद्योग में अपने सात साल के अनुभव के बारे में भी बताया और सभी को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया।

श्री बगला सेवा समिति का 22वां अंबुबासी भंडारा का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। अंबुबासी मेले के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से श्रीश्री बगला सेवा समिति लगातार 21 वर्ष से अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन करती आ रही है। इस बर्ष 22 वां भंडारे का कालीपुर शिव मंदिर में शुभारंभ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रमोद हरलालका लाला, समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, सचिव रमेश शर्मा के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे। इससे पहले समिति के सदस्य और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में कन्या पूजन का आयोजन किया गया। भंडारा परिसर में समिति द्वारा प्राथमिक उपचार केंद्र की व्यवस्था भी की गई है। समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल ने बताया कि 26 जून तक चलने वाले इस भंडारे में लाखों श्रद्धालुओं के भोजन ग्रहण करने का लक्ष्य रखा गया है। हर वर्ष आयोजित इस भंडारे में श्रद्धालुओं की संख्या लाखों से पार कर जाती है। इस अवसर पर सुभाष गर्ग, विनोद जालान, पवन अग्रवाल, पवन शर्मा, परमानंद गोयल, दिलीप सराफ, विनोद अग्रवाल, अशोक अग्रवाल और जनसंपर्क सचिव योगेश शर्मा उपस्थित थे।

हज के नाम पर ठगी, तैयार होकर बैठे रह गए 80 हाजी, किस्मत में नहीं था मदीना!

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां हज पर जाने वाले लोगों के साथ ठगी का मामला सामने आया हैं। पीड़ित ठगी होने के कारण हज पर नहीं जा पाए, जिससे वो गुस्से में हैं। हाजियों को ठगी का शिकार बनाने वाली प्राइवेट एजेंसी ने रकम लेकर भी लोगों को हज नहीं करवाया, जिसमे उनमें आक्रोश नजर आ रहा है। पीड़ितों से जब जी सलाम ने खास बातचीत की तो तो इस दौरान कई बड़ी बातें सामने आईं। दरअसल, इस बार पूरे असम से हज पर जाने वाले 80 लोगों को ठगी का शिकार बनाया गया। एक प्राइवेट टूर एंड ट्रेवल्स एजेंसी ने पैसे लेकर भी आखिरी वक्त तक हाजियों को वीजा नहीं दिलवाया,

जिसकी वजह से उन्हें हज पर जाने का मौका नहीं मिला। जानकारी के मुताबिक एक-एक शख्स से 4 से 7 लाख रुपए लेकर भी एजेंसी ने इन लोगों को वीजा नहीं दिलवाया। इस पूरे मामले पर हाजियों का कहना है कि यह एक ऐसी एजेंसी ने उन्हें ठगा है, जिसका कोई रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। पहले तो लोगों ने इसे रजिस्टर एजेंसी समझा था परंतु अभी जब एजेंसी के ऑफिस पहुंचकर पूछताछ करने और हंगामा करने के बाद पुलिस ने बताया कि इस एजेंसी का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। एजेंसी की वजह से असम से तकरीबन 80 हाजियों को मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है ठगी की वजह से उन्हें इस साल हज की सआदत से महरूम होना पड़ा। लोगों ने बताया कि हज पर जाने के लिए उन्होंने अपनी रिटायरमेंट तक की पूंजी को लगा दिया था, लेकिन फिर भी वो हज पर नहीं जा सके। एजेंसी के शिकार हुए लोगों ने बताया कि 80 लोगों से एजेंसी ने हज पर भेजने के लिए बड़ी रकम ली थी। उन्होंने बताया कि फरवरी महीने में ही हमने उन्हें पैसा दे दिया था, परंतु आखिरी वक्त तक हमें वीजा नहीं मिला। लोगों के हंगामे के बाद एजेंसी के मालिक ने पैसा वापस करने का वादा किया है। साथ ही पीड़ितों ने एजेंसी के मालिक को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

मेयर शरणीया ने विहंगम योग व अमृत भंडारा सेवा का किया अवलोकन

गुवाहाटी। मेयर शरणीया ने किया विहंगम योग व अमृत भोग की भंडारा सेवा का अवलोकन अमृत भोग भंडारा और विहंगम योग संस्थान द्वारा अंबुबासी के अवसर कामाख्या रेलवे स्टेशन के पास चलाए जा रहे भंडारे का अवलोकन करने के लिए आज गुवाहाटी पौर निगम के मेयर मृगेन शरणिया कई स्थानीय पार्षदों के साथ पहुंचे। मेयर ने भंडारा व्यवस्था की भूरि भूरि प्रशंसा की। मेयर ने कहा कि अंबुबासी मेले को सफल बनाने के लिए सरकार और प्रशासन ने बहुत काम किया है, किंतु जन सहयोग ऐसे कामों को पूर्ण करने के लिए बहुत जरुरी होता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक क्षेत्र में विहंगम योग एक बड़ा नाम है। अमृत भोग के साथ मिलकर अंबुबासी में संस्थान द्वारा लगाया गया भंडारा और यहां की सेवा अतुलनीय है। मौके पर हिंदीभाषी डेवलपमेंट काउंसिल के चेयरमैन जुगल किशोर पांडे भी मौजूद थे।

भारत ने समुद्री पड़ोसी केन्या से द्विपक्षीय रक्षा संबंध मजबूत करने पर जोर दिया

- केन्या दौरे पर गए नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू रक्षा अधिकारियों से मिले
- दोनों समुद्री पड़ोसियों ने क्षेत्र में समन्वित संचालन बढ़ाने के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की

नई दिल्ली, (हि.स.)। नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू इस समय केन्या की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने केन्याई रक्षा मंत्रालय के कैबिनेट सचिव और केन्याई रक्षा बलों के प्रमुख से मुलाकात की। सैन्य अधिकारियों ने दोनों समुद्री पड़ोसियों के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। बातचीत के दौरान समुद्री क्षेत्र में समन्वित संचालन बढ़ाने के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई। भारत सरकार की 'योग' पहल के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 'ओशन रिंग ऑफ' के हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना का जहाज सुनयना मोम्बासा में बंदरगाह पर पहुंचा है। नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू 21 से 23 जून तक केन्या की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए हैं। उन्होंने केन्याई रक्षा मंत्रालय के कैबिनेट सचिव अदन बेयर डुएले से मुलाकात की। बातचीत के दौरान दोनों सैन्य अधिकारियों ने समुद्री पड़ोसियों के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू ने केन्याई रक्षा बल के प्रमुख जनरल फ्रांसिस ओ ओगोला से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान समुद्री क्षेत्र में समन्वित संचालन को बढ़ाने और भारतीय नौसेना और केन्या नौसेना के बीच अंतर संचालन बढ़ाने के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई।

संयुक्त और समन्वित अभियानों के माध्यम से क्षेत्र में शांति, स्थिरता और अच्छी व्यवस्था बनाए रखने के महत्व की पुष्टि करते हुए आगे सहयोग करने और आम समुद्री चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने नैरोबी में ग्लोबल सेंटर फॉर पॉलिसी एंड स्ट्रेटेजी के सदस्यों के साथ भी बातचीत की।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार-2022 और 2023 प्रदान किए

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में नर्सिंग प्रोफेशनलों को वर्ष 2022 और 2023 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए। वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्राप्त करने वालों में दिल्ली की अनीता नाकरा और मेजर जनरल स्मिता देवरानी के अलावा नमिता कलिता (असम), सुजाता पीटर टस्कानो (महाराष्ट्र), डिमखानमन हंगशिंग (मणिपुर), तेजावथ सुशीला (तेलंगाना), रीटा मंडल (पश्चिम बंगाल), रिलायंस पिरंगप (मेघालय), एथोडो लिंग्गी (अरुणाचल प्रदेश), डॉ. पोरेड्डी विजयलक्ष्मी (कर्नाटक), हिंडुम्बी के. (लक्षद्वीप), सेबती साहू (ओडिशा), नीरज तम्बोलिया (राजस्थान), गणपति संथी (तमिलनाडु) और मंजू केरा (उत्तराखंड) का नाम शामिल है। अनीता नाकरा दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, जीटीबी अस्पताल में सहायक निदेशक नर्सिंग के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने कोविड-19 के दौरान भी कैंसर देखभाल केंद्र को चालू रखा। वहीं मेजर जनरल स्मिता देवरानी, वीएसएम वर्तमान में सेना मुख्यालय दिल्ली में सैन्य नर्सिंग सेवा की अतिरिक्त महानिदेशक हैं।

उन्होंने कोविड-19 के दौरान नर्सिंग सेवाओं को व्यवस्थित करने के लिए विभिन्न नवाचारों को पेश करने की पहल की और सभी एएफएमएस अस्पतालों में टीकाकरण अभियान को सुव्यवस्थित किया। वर्ष 2023 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्राप्त करने वालों में सुचित्रा मिस्त्री (अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह), गायत्री कुमारी (बिहार), नागरत्ना टी (कर्नाटक), मंजूलता महराणा (ओडिशा), सुगंधी के (तमिलनाडु), अंबिका प्रधान (सिक्किम), फिरदौसा जान (जम्मू-कश्मीर), गीता ए आर (केरल), ब्रिगेडियर अमिता देवरानी (महाराष्ट्र), पुष्पा श्रवण पोडी (महाराष्ट्र), इरोम चंद्रबाला देवी (मणिपुर), सी जोपारी (मिजोरम), साथियाकानी थंगराज (पुडुचेरी), माधवी राणे चिखाले (पंजाब) और अबिष्मिता घोष (पश्चिम बंगाल) का नाम शामिल है। राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों और नर्सिंग प्रोफेशनलों द्वारा समाज को प्रदान की गई सराहनीय सेवाओं के सम्मानस्वरूप की गई थी।

यौन शोषण मामले में बृजभूषण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर 27 जून को विचार करेगा कोर्ट

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली का राऊज एवेन्यू कोर्ट महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह समेत दो आरोपितों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट पर 27 जून को विचार करेगा। गुरुवार चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट महिमा राय सिंह ने चार्जशीट संबंधित एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के पास ट्रांसफर कर दिया। सुनवाई के दौरान आज चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट महिमा राय सिंह ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि क्या पॉक्सो एक्ट के मामले में कैंसिलेशन अर्जी दाखिल की गई है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से पूछा कि एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के पास पहले से एफआईआर का मामला सुनवाई के लिए लिस्टेड है। तब दिल्ली पुलिस की ओर से एसएचओ उपेंद्र सिंह ने कोर्ट को बताया कि पटियाला हाउस कोर्ट में पॉक्सो मामले में कैंसिलेशन अर्जी दाखिल की गई है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरपाल सिंह जसपाल ने पहले इस मामले में दाखिल एक अर्जी पर दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। इस मामले पर सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख तय है। इसके बाद चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट महिमा राय सिंह ने मामले को एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल को ट्रांसफर कर दिया। उल्लेखनीय है कि 15 जून को दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में नाबालिग पहलवान की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में बृजभूषण सिंह को क्लीन चिट देते हुए आरोप निरस्त करने की मांग की है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि पॉक्सो के मामले में बृजभूषण सिंह के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं। पटियाला हाउस कोर्ट इस अर्जी पर 4 जुलाई को सुनवाई करेगा। दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया है जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में बृजभूषण सिंह के खिलाफ छह बालिग महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन शोषण के मामले में चार्जशीट दाखिल की। चार्जशीट में दो लोगों को आरोपित किया गया है। बृजभूषण सिंह के अलावा दूसरे आरोपित भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर हैं।

मणिपुर हिंसा पर प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ें : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुप्पी तोड़नी चाहिए। उन्हें इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट कर कहा कि पिछले 54 दिनों से मणिपुर जल रहा है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे पर एक शब्द तक नहीं बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को मणिपुर के लिए समय निकालना चाहिए। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी ट्वीट कर मणिपुर हिंसा मुद्दे पर केन्द्र सरकार की आलोचना की है। राहुल ने कहा कि मणिपुर जल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौन हैं। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक तब बुलाई गई जब प्रधानमंत्री मोदी देश में नहीं है। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता में यह बैठक नहीं है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर हिंसा पर चर्चा करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 24 जून को दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

बुजुर्ग महिला की हत्या पर भड़की डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष, कहा रेप कैपिटल के साथ मर्डर कैपिटल भी बन गई दिल्ली

अजय त्यागी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में दिनदहाड़े स्कूटी सवार एक बुजुर्ग महिला की सुए से वार करके हत्या कर दी गई। इस घटना का संज्ञान लेते हुए दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने केंद्र सरकार से दिल्ली पुलिस के संसाधनों और जवाबदेही को सुनिश्चित करने की मांग की है। स्वाति ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि 72 साल की महिला को 3 लड़कों ने 50 बार नुकीले हथियार से गोदकर दिनदहाड़े हत्या कर दिया। परिवार ने बताया कि जान के खतरे के बारे में कई बार पुलिस को शिकायत दी थी, किंतु पुलिस ने कुछ नहीं किया। दिल्ली में हर दिन ऐसे खौफनाक मर्डर हो रहे हैं। हम रेप कैपिटल के साथ मर्डर कैपिटल भी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है और पुलिस के ऊपर किसी को विश्वास नहीं है। दिल्ली में महिलाओं के साथ होने वाले हादसों के रोज नए केस आ रहे हैं। स्वाति ने केंद्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिला सुरक्षा पर केंद्र सरकार अपनी चुप्पी कब तोड़ेगी? दिल्ली पुलिस सीधे केंद्र सरकार को रिपोर्ट करती है, लेकिन केंद्र सरकर की ओर से कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। स्वाति ने केंद्र से मांग की है कि दिल्ली पुलिस के संसाधनों और जवाबदेही को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मंडावली इलाके में मंगलवार को हुई महिला की हत्या की पहचान सुधा गुप्ता (72) के रूप में हुई थी। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। हमले के बाद महिला को प्रीत विहार स्थित मेट्रो अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टरों ने सुधा को मृत घोषित कर दिया। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि वारदात के समय सुधा अपने मकान का किराया लेकर मंडावली से लक्ष्मी नगर स्थित घर लौट रही थीं। परिजनों ने मंडावली में दुकान के बाहर रेहड़ी लगाने वाली एक महिला पर बुजुर्ग की हत्या करवाने का आरोप लगाया है।

मैंने खुद ही छोड़ा अकाल तख्त जत्थेदार का पद : हरप्रीत सिंह

चंडीगढ़, (हि.स.)। अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने बुधवार को पद छोड़ते ही अकाली दल व एसजीपीसी को घेरते हुए कहा कि उन्होंने जत्थेदार का पद खुद ही छोड़ा है। वह ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले दोनों तख्तों का पदभार छोड़ने की बात कह कर गए थे। बुधवार को अकाल तख्त के निवनियुक्त जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह को कार्यभार सौंपने के बाद मीडिया से बातचीत में ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि चाहें तो उनसे दमदमा साहिब का कार्यभार भी वापस ले लें। वह दमदमा साहिब का तख्त छोड़ने के लिए भी तैयार थे और दोनों तख्तों पर योग्य गुरसिख को बैठाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि वे अब भी तख्त श्री दमदमा साहिब का पदभार छोड़ने को तैयार हैं। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने स्पष्ट किया कि राघव चड्ढा की इंगेजमेंट में जाने से कोई दूरियां नहीं बढ़ी हैं। राघव चड्ढा व परिणीति चोपड़ा की सगाई में जाना कोई बड़ी बात नहीं थी। अकाली नेता विरसा सिंह वल्टोहा द्वारा जत्थेदार के बारे में की गई टिप्पणी से आहत ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें वल्टोहा के बयान की जानकारी मिली थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा था कि श्री अकाल तख्त साहिब का जत्थेदार बनने के लिए कथावाचक, ग्रंथी या विद्वान होना जरूरी नहीं है। जत्थेदार को सिर्फ दिलेर होना चाहिए। उन्होंने एसजीपीसी से मांग की कि विरसा सिंह वल्टोहा को ही श्री अकाल तख्त साहिब का जत्थेदार बना दें। वह बहुत दिलेर व्यक्ति हैं।

जम्मू विश्वविद्यालय का स्थानीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा देना खुशी की बातः उपराष्ट्रपति

- जम्मू विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए जगदीप धनखड़
- वर्ष 2016 से वर्ष 2019 के 211 विद्यार्थियों को दिए गए गोल्ड मेडल

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में वर्ष 2016 से वर्ष 2019 के 211 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिए गए और वर्ष 2017 से 2019 के 265 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई। गुरुवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मौजूद। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने हुए कहा कि उन्हें इस बात की बहुत खुशी है कि जम्मू विश्वविद्यालय स्थानीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। विभिन्न संस्थानों के साथ 46 एमोयू साइन करना गर्व की बात है।उन्होंने डोगरी भाषा में भारतीय संविधान का अनुवाद करने के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने डुग्गर दरपन कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए लैंड टू लैब और लैब टू लैंड कांसेप्ट की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि विद्यार्थियों को चाहिए कि उन्होंने जो विश्वविद्यालय से सीखा है, उसे वे समाज को वापस करें। समाज और देश की प्रगति में अपना योगदान दें। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू विश्वविद्यालय ने कुछ ही सालों में बेहतर मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं के हाथों में स्मार्ट फोन है। हर चीज से जुड़े ज्ञान को अर्जित करने में आसानी हो गई है। प्रौद्योगिकी के दौर का युवा बेहतरीन लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को निर्णय लेना होगा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का समाज और मानव हित में कैसे प्रयोग करना है। आने वाले समय में वही शिक्षा मायने रखेगी, जो जीवन मूल्यों से संबंध रखेगी। उपराज्यपाल ने डिग्रीधारकों और मेडल धारकों के बेहतर भविष्य के लिए माता वैष्णो देवी से प्रार्थना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वीसी उमेश राय ने कहा कि केंद्रीय हिंदी निदेशालय को पूर्ण विकसित करने की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जम्मू विवि पहली बार कॉलेज ऑन व्हील्स विशेष ट्रेन यात्रा शुरू करने जा रहा है। अक्टूबर या नवंबर में इसे शुरू किया जाएगा। इसके लिए राशि मिल चुकी है। इस बार दीक्षांत समारोह में पीएचडी की 265 डिग्रियां और 211 गोल्ड मेडल वितरित किए गए। इससे पहले गुरुवार सुबह जम्मू एयरपोर्ट पर उपराज्यपाल सिन्हा ने उपराष्ट्रपति धनखड़ का स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में शुरू हो चुकी है भूपेश सरकार की उल्टी गिनती : अमित शाह

दुर्ग, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भूपेश सरकार के घोटालों का जिक्र कर कहा कि इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। अमित शाह ने दुर्ग जिले के रविशंकर स्टेडियम में आयोजित आमसभा में कहा कि भूपेश सरकार घोटाले पर घोटाले कर रही है। यहां तक कि जनता से किया एक भी वादा पूरा नहीं किया। शराब बंदी नहीं की, युवाओं को रोजगार, बेरोजगारी भत्ता, विधवा पेंशन नहीं दिया। छत्तीसगढ़ की जनता चुनाव की राह देख रही है। फिर सरकार पलटते देर नहीं लगेगी। भूपेश सरकार हर मोर्चे पर फेल है। उन्होंने कहा कि राज्य में एक हजार किसानों ने आत्महत्या की। बेरोजगारी लगातार बढ़ी है। केंद्र सरकार ने 74 हजार करोड़ रुपये किसानों के बैंक अकाउंट में भेजे। भूपेश सरकार ने मात्र 12,100 करोड़ रुपये ही बांटे। शाह ने कहा कि नौ साल के अंदर मोदी जी ने ढेर सारा परिवर्तन किया है। सोनिया-मनमोहन की सरकार 10 साल चली। इन 10 वर्षों में घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार ही हुए। कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया था। मोदी जी ने 9 वर्ष के शासन के दौरान इतनी पारदर्शी सरकार चलाई कि विपक्ष भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। उन्होंने जनता से राज्य में भाजपा की और केंद्र में 2024 में मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। गृहमंत्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। मैं भगवान राम को प्रणाम करता हूं। भगवान राम का मंदिर अयोध्या में बनना चाहिए या नहीं। ये कांग्रेस सरकार 70 साल से इसे अटका रही थी। एक दिन मोदी जी ने जाकर मंदिर का भूमिपूजन कर दिया और प्रभु श्रीराम को सम्मान के साथ उनके जन्मस्थान पर विराजमान करने का काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया, कांग्रेस कह रही थी, मत हटाओ, कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। अनुच्छेद 370 हट गया लेकिन कश्मीर में किसी की कंकर फेंकने तक की हिम्मत भी नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने नौ साल में हर गरीब को बिजली, शौचालय, गैस 5 किलो अनाज मुफ्त दिया और कोरोना के टीके मुफ्त में लगाए। जनसभा से पहले अमित शाह भिलाई में पद्मश्री अलंकृत गायिका उषा बारले के घर पहुंचे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और सांसद विजय बघेल भी मौजूद रहे।

हरियाणा भवन में 'आपातकाल और प्रेस' पर 24 जून को परिचर्चा का आयोजन

नई दिल्ली, (हि.स.)। एनयूजेआई स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन व दिल्ली पत्रकार संघ की ओर से 24 जून को नई दिल्ली के हरियाणा भवन में आपातकाल और प्रेस विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी एनयूजे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन की ओर से गुरुवार को दी गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के अध्यक्ष रास बिहारी करेंगे। एनयूजे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन के अध्यक्ष अनिल पांडेय और सचिव के पी मलिक ने बताया कि संगोष्ठी को दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के संयोजक राकेश थपलियाल, एनयूजेआई के सचिव अमलेश राजू, पूर्व उपाध्यक्ष सीमा किरण, संसद टीवी के वरिष्ठ एंकर मनोज वर्मा, यूनीवार्ता ब्यूरो प्रमुख मनोहर सिंह, विशेष संवाददाता सचिन बुधौलिया, एनयूजे के मीडिया प्रभारी और पब्लिक एशिया के प्रधान संपादक मुकेश वत्स और वरिष्ठ पत्रकार संबोधित करेंगे।

अब भारत में ही बनेंगे अमेरिकी फाइटर जेट इंजन, प्रधानमंत्री के दौरे में डील फाइनल

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिका दौरे के बीच लड़ाकू जेट इंजन बनाने के लिए भारत में प्लांट लगाने की डील फाइनल हो गई है। अब अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस के सहयोग से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भारत में ही लड़ाकू विमानों के लिए जीई-एफ 414 इंजन बनाएगा, जिससे भारत के फाइटर जेट्स को आधुनिक इंजन मिल जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ बैठक के दौरान भारत को जेट इंजन निर्माण तकनीक हस्तांतरित करने के इस ऐतिहासिक रक्षा सौदे की घोषणा होने की संभावना है। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने आज घोषणा की कि उसने भारतीय वायु सेना के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक यात्रा के बीच दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने में बड़ा मील का पत्थर है। आज का समझौता लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट मार्क-2 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में भारतीय वायु सेना के लिए 99 इंजन बनाने की जीई एयरोस्पेस की पिछली प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। दरअसल, अभी तक दुनिया के सिर्फ चार देश अमेरिका, रूस, इंग्लैंड और फ्रांस फाइटर जेट के इंजन बनाते हैं, यानी दुनिया भर में उड़ रहे फाइटर जेट्स में इन्हीं देशों में बने इंजन लगे हैं। अब प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौरे के बीच अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक ने अपना प्लांट भारत में लगाने की डील पर मुहर लगा दी है, जिससे भारत भी फाइटर जेट के इंजन बनाने वाले देशों में शामिल हो जाएगा।

फेस ऑथेंटिकेशन फीचर वाला पीएम किसान मोबाइल ऐप हुआ लांच

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत फेस ऑथेंटिकेशन फीचर का पीएम-किसान मोबाइल ऐप लांच किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, भारत सरकार की बहुत ही व्यापक और महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके क्रियान्वयन में राज्य सरकारों ने काफी परिश्रमपूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन किया है, इसी का परिणाम है कि लगभग साढ़े 8 करोड़ किसानों को केवाईसी के बाद हम योजना की किस्त देने की स्थिति में आ गए हैं। यह प्लेटफार्म जितना परिमार्जित होगा, वह पीएम-किसान के काम तो आएगा ही, और किसानों को कभी भी-कोई लाभ देना हो, तब भी केंद्र व राज्य सरकारों के पास पूरा डेटा उपलब्ध होगा, जिससे कोई परेशानी खड़ी नहीं हो सकेगी। तोमर ने कहा कि आधुनिक टेक्नालॉजी के बेहतरीन उदाहरण इस ऐप से फेस ऑथेंटिकेशन फीचर का उपयोग कर किसान दूरदराज, घर बैठे भी आसानी से बिना ओटीपी या फिंगरप्रिंट के ही फेस स्कैन कर ई-केवाईसी पूरा कर सकता है और 100 अन्य किसानों को भी उनके घर पर ई-केवाईसी करने में मदद कर सकता हैं।

भारत सरकार ने ई-केवाईसी को अनिवार्य रूप से पूरा करने की आवश्यकता समझते हुए, किसानों का ई-केवाईसी करने की क्षमता को राज्य सरकारों के अधिकारियों तक भी बढ़ाया है, जिससे हरेक अधिकारी 500 किसानों के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकता है। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि टेक्नालॉजी से कृषि क्षेत्र को लाभ हो रहा है और इस ऐप की नई सुविधा से भी किसानों को काफी सहूलियत होगी। उल्लेखनीय है कि पीएम किसान दुनिया की सबसे बड़ी डीबीटी योजनाओं में से एक है, जिसमें किसानों को आधार कार्ड से जुड़े बैंक खातों में 06 हजार रु. सालाना राशि, तीन किस्तों में सीधे हस्तांतरित की जाती है। 2.42 लाख करोड़ रु. 11 करोड़ से ज्यादा किसानों के खातों में शिफ्ट किए जा चुके हैं, जिनमें 03 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। पहली बार देखा गया है कि 8.1 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान की 13वीं किस्त का भुगतान सीधे उनके आधार से जुड़े बैंक खातों में केवल आधार इनेबल्ड पेमेंट के जरिए सफलतापूर्वक किया गया, जो अपने-आप में एक कीर्तिमान है।

फेस ऑथेंटिकेशन फीचर वाला पीएम किसान मोबाइल ऐप उपयोग में बहुत सरल है, गूगल प्ले स्टोर पर आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। ऐप किसानों को योजना व पीएम किसान खातों से संबंधित बहुत-सी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान करेगा। इसमें नो यूअर स्टेटस मॉड्यूल उपयोग कर किसान लैंडसीडिंग, आधार को बैंक खातों से जोड़ने व ई-केवाईसी का स्टेटस जान सकते हैं। विभाग ने लाभार्थियों के लिए उनके दरवाजे पर आधार से जुड़े बैंक खाते खोलने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) को भी शामिल किया है और सीएससी को राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की मदद से ग्राम-स्तरीय ई-केवाईसी शिविर आयोजित करने को कहा है।

प्रधानमंत्री की लोकप्रियता से घबरा गये हैं विपक्षी दल : स्वाती सिंह

-पूर्व मंत्री ने सपा और बसपा पर किया करारा हमला, कहा, खिसके रहे जनाधार से घबराहट

लखनऊ, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी दल घबरा गये हैं। अब उनको जनता के बीच पैर रखने की जमीन भी नहीं मिल रही है। यही कारण है कि अनर्गल बातें कर जनता को बर्गलाने की कोशिश कर रहे हैं। ये बातें भाजपा नेता और पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कही। उन्होंने अखिलेश यादव द्वारा पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक के शोषण की बात उठाये जाने पर कहा कि वे अपनी सरकार में किये गये शोषण को याद कर रहे हैं। उनकी सरकार में सिर्फ परिवार को छोड़कर हर वर्ग शोषण का शिकार था। हर तरफ गुंडा और माफिया का राज था। आज मुख्यमंत्री उन्हीं के सरकार की उपज माफिया का सफाया करने में लगे हुए हैं। स्वाती सिंह ने कहा कि नाम समाजवाद और काम परिवार का। सबसे बिडंबन यह रही कि वे अपने परिवार को भी नहीं संभाल पाये। कहीं उनका भाई तो कहीं उनके चाचा नाराज होते रहे। उनको सिर्फ सत्ता से मतलब है। उनके मन में सेवा भाव का कोई अर्थ ही नहीं है। मायावती के बयान महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, अशिक्षा, जातीय द्वेश, धार्मिक उन्माद, हिंसा आदि से ग्रस्त देश में बहुजन के त्रस्त हालात... का जवाब देते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि मायावती सिर्फ और सिर्फ अपनी कुर्सी जानती हैं। उन्होंने कुर्सी पर रहते हुए कभी दलित उद्धार की बात तक नहीं सोची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब सबका साथ, सबका विकास के नारे को चरितार्थ किया तो मायावती की राजनीति ही खत्म हो गयी।

प्राथमिकता के आधार पर सरकारी योजनाओं से गांव का विकास हो : केशव प्रसाद मौर्य

- उपमुख्यमंत्री ने वाराणसी एवं विंध्याचल मंडल में ग्राम्य विकास विभाग की संचालित योजनाओं की समीक्षा की
- क्षेत्र पंचायत प्रमुखों तथा खंड विकास अधिकारियों से किया सीधा संवाद, बोले-गांव की असली सरकार ब्लाक की सरकार होती है

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अब स्मार्ट विलेज की बात होनी चाहिए, ताकि प्राथमिकता के आधार पर सरकार की योजनाओं से गांव का विकास हो सके। भ्रष्टाचार मुक्त शासन, अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच ही वर्तमान सरकार का लक्ष्य है। अमृत सरोवर में पानी की उपलब्धता हमेशा बनी रहनी चाहिए, इसका अफसर ध्यान रखें। उपमुख्यमंत्री एक दिवसीय दौरे पर गुरूवार को शहर आए और आयुक्त सभागार में वाराणसी व विन्ध्याचल मंडल में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने दोनों मंडल के क्षेत्र पंचायत प्रमुखों तथा खंड विकास अधिकारियों के साथ सीधा संवाद कर कहा कि खंड विकास अधिकारी व ब्लाक प्रमुख के बीच का संबंध भाई-भाई का होना चाहिए, ताकि योजनाओं की प्रगति अच्छे से हो सके। मनरेगा का काम ब्लॉक के माध्यम से हर हाल में सुनिश्चित होना चाहिए। ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी तथा ग्राम पंचायत अधिकारी नियमित संयुक्त रूप से बैठकर आपस में कार्यों के प्रगति की समीक्षा करें। केशव प्रसाद मौर्य ने जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ किये जाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विकास से वंचित 100 पिछड़े ब्लॉकों को चिन्हित करते हुए, उनके ऊपर सरकार पूरा ध्यान देगी। ताकि उनको भी विकास के दृष्टि में ऊपर लाया जा सके। छोटे ग्राम सभाओं में फंड की कमी की समस्या को लेकर सीडीओ, बीडीओ से उपाय सुझाने को कहा ताकि उनका भी विकास सुनिश्चित हो सके।

सोनभद्र को लेकर दिए दिशा निर्देश - उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने क्षेत्र पंचायत प्रमुखों से संवाद से किया। संवाद में सोनभद्र के प्रमुखों द्वारा बजट बढ़ाने, नेटवर्क की समस्या, बालिका विद्यालय की स्थापना, दुद्धी ब्लाक प्रमुख द्वारा ब्लाक के कर्मचारियों द्वारा सहयोग न करने की बात भी रखी गयी। मिजार्पुर के पहाड़ी ब्लाक प्रमुख द्वारा सेक्रेटरी के सहयोग न मिलने तथा ब्लाक प्रमुखों को उचित सम्मान न मिलने की बात कही गयी। बरहनी ब्लाक के प्रमुख द्वारा खाता संचालन में क्षेत्र प्रमुखों के रोल की बात भी रखी गयी। रेवतीपुर के ब्लाक प्रमुख द्वारा ब्लाक प्रमुख के अधिकार तथा उनके कार्यों के संबंध में एक कार्यशाला आयोजित करने को कहा गया। क्षेत्र पंचायत प्रमुखों की बैठक में ब्लाक के कर्मचारियों की उपस्थिति न होने पर उनका एक दिन का वेतन काटने का भी निर्देश दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि जलाशयों पर हुए कब्जे को हटाया जाए तथा उनके अलग-बगल खाली जमीन पर छायादार पेड़, चारागाह, खलिहान, टहलने को रैम्प बनाना सुनिश्चित करें। बैठक में आराजीलाइन ब्लाक प्रमुख द्वारा संबंधित ब्लाक के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा संबंधित लोगों के सहयोग से फंड जुटाकर अपना घर नाम से उपेक्षित लोगों के आवास बनवाने की योजना की उपमुख्यमंत्री ने जमकर प्रशंसा की। कार्यक्रम की शुरूआत संवाद कार्यक्रम से हुई। जिसके बाद मुख्य विकास अधिकारी, वाराणसी ने दोनों मंडलों के ग्राम विकास के कार्यों, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों, ग्राम पंचायत चौपाल के आकड़े को पीपीटी के माध्यम से उप-मुख्यमंत्री के समक्ष रखा।

समीक्षा बैठक में ये भी रहे मौजूद - समीक्षा बैठक में प्रदेश के स्टाम्प मंत्री रविंद्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, महापौर अशोक तिवारी, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह, अजगरा विधायक त्रिभुवन राम, रोहनिया विधायक सुनील पटेल, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम समेत दोनों मंडल के क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के साथ ग्राम विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

पटना में हो रही विपक्षी दलों की बैठक पर मायावती ने कहा, नीयत साफ कर लेते तो बेहतर होता

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने कहा है कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी समतामूलक संविधान को सही से लागू करने की क्षमता भाजपा और कांग्रेस के पास नहीं है। इसके साथ ही बिहार में विपक्षी दलों की हो रही बैठक पर भी कटाक्ष किया है और कहा है कि बैठक से पहले अपनी नीयत को साफ कर लेते तो बेहतर होता। गुरुवार को मायावती ने चार ट्वीट किये। पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा, महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, अशिक्षा, जातीय द्वेष, धार्मिक उन्माद, हिंसा आदि से ग्रस्त देश में बहुजन के त्रस्त हालात से स्पष्ट है कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी समतामूलक संविधान को सही से लागू करने की क्षमता कांग्रेस, भाजपा जैसी पार्टियों के पास नहीं है। वहीं दूसरे ट्वीट में, बल्कि अब लोकसभा आम चुनाव के पूर्व विपक्षी पार्टियाँ जिन मुद्दों को मिलकर उठा रही हैं और ऐसे में नीतीश कुमार द्वारा कल 23 जून की विपक्षी नेताओं की पटना बैठक दिल मिले न मिले हांथ मिलाते रहिए की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करता है। उन्होंने तीसरे ट्वीट में लिखा कि वैसे अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी को ध्यान में रखकर इस प्रकार के प्रयास से पहले अगर ये पार्टियाँ, जनता में उनके प्रति आम विश्वास जगाने की गरज से, अपने गिरेबान में झाँककर अपनी नीयत को थोड़ा पाक-साफ कर लेतीं तो बेहतर होता। मुँह में राम बगल में छुरी आखिर कब तक चलेगा? चौथे ट्वीट में उन्होंने लिखा कि यूपी में लोकसभा की 80 सीट चुनावी सफलता की कुंजी कहलाती है, किन्तु विपक्षी पार्टियों के रवैये से ऐसा नहीं लगता है कि वे यहाँ अपने उद्देश्य के प्रति गंभीर व सही मायने में चिन्तित हैं बिना सही प्राथमिकताओं के साथ यहाँ लोकसभा चुनाव की तैयारी क्या वाकई जरूरी बदलाव ला पाएगी ?

यूपी बोर्ड : हाईस्कूल व इण्टर की इम्प्रूवमेंट-कम्पार्टमेंट परीक्षा 15 जुलाई को

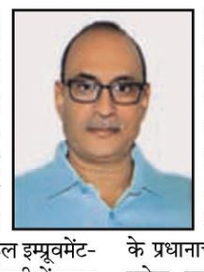

प्रयागराज, (हि.स.)। यूपी बोर्ड वर्ष 2023 की हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट-कम्पार्टमेंट एवं इण्टरमीडिएट कम्पार्टमेंट परीक्षा 15 जुलाई को दो पालियों में करायी जायेगी। जिसमें सुबह हाईस्कूल एवं सायंकाल इण्टर की परीक्षा होगी। यह जानकारी यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने देते हुए बताया है कि हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट-कम्पार्टमेंट परीक्षा प्रथम पाली में सुबह आठ से 11:15 बजे तक तथा इण्टरमीडिएट कम्पार्टमेंट परीक्षा द्वितीय पाली दो से 5:15 बजे तक करायी जायेगी। उक्त परीक्षायें जनपद मुख्यालय पर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा निर्धारित किये गये परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न होगी। सचिव ने बताया कि परीक्षार्थी परिषद की वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू. यूपीएमएसपी. ईडीयू. इन से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर या पंजीकृत विद्यालय के प्रधानाचार्य से सम्पर्क कर अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षार्थी 45 मिनट पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र पर अवश्य पहुंच जायें।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने घमहापुर में काशी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

-प्रो. आभा मिश्रा पाठक की पुस्तक काशी के व्रत त्यौहार एवं मेले का किया विमोचन

वाराणसी, (हि.स.)। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने गुरुवार को गंगापुर के घमहापुर में इंस्टीट्यूट ऑफ फाईन आर्ट्स एवं संस्कार भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित काशी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। पद्मश्री बाबा योगेन्द्र को समर्पित प्रदर्शनी का अवलोकन कर राज्यपाल ने इसकी जमकर सराहना की। राज्यपाल ने पुरस्कृत कलाकारों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं शिक्षकों को इस कार्य में सहभागिता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देकर समाज के उचित एवं सकारात्मक विकास के लिए ललित कलाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आईएफए के निदेशक डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने राज्यपाल एवं अतिथियों का स्वागत कर कला प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में देश-विदेश के करीब 123 कलाकारों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की है।

09 सर्वश्रेष्ठ कृतियों को पुरस्कृत किया गया - प्रदर्शनी में आई सभी कलाकृतियों में से 09 सर्वश्रेष्ठ कृतियों को पुरस्कृत किया गया। प्रदर्शनी में अजिंकिया शिरोडकर (गोवा), किशोर नाकारमी (नेपाल) ममता रानी (कुरुक्षेत्र), श्रीरूप मन्ना (कोलकाता), विनोद कुमार सिंह (वाराणसी) अरोक्किया राज (चेन्नई), गौतम दास (पश्चिम बंगाल) को पुरस्कार दिया गया। साथ ही साथ लोबसंग शेरंग (तिब्बत) सांत्वना पुरस्कार राकेश साहू (रायपुर) आई.एफ.ए. द्वारा कला के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए अभ्रदिता मैत्रा बनर्जी को कला सर्जक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. आभा मिश्रा पाठक की पुस्तक काशी के व्रत त्यौहार एवं मेले का विमोचन भी राज्यपाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष संस्कार भारती विश्वविद्यालय इकाई प्रो. सरोज रानी ने किया। कार्यक्रम में ट्रस्टी आईएफए डॉ. अनिल कुमार सिंह, राष्ट्रीय चित्रकला संयोजक संस्कार भारती सुनील कुमार विश्वकर्मा , संस्थान के शिक्षक एवं विद्यार्थी , कला जगत के विशिष्ट कलाकार एवं संगीतकार भी मौजूद रहे।

130 करोड़ देशवासियों को समर्पित रहा है प्रधानमंत्री मोदी के नौ वर्षों का कार्यकाल : जेपी नड्डा

गिरिडीह (झारखंड), (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ वर्षों का कार्यकाल देश के 130 करोड़ देशवासियों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहा है। इन नौ वर्षों में देश की तस्वीर और तकदीर बदली है, जिसकी सराहना विश्व समुदाय कर रहा है। वे गुरुवार को झारखंड के गिरिडीह में भाजपा की जनसभा को संबोधित कर रहे थे। भाजपा अध्यक्ष ने विगत नौ सालों के दौरान देश में हुए विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि कोरोना काल के पश्चात विश्व के कई देश घोर आर्थिक संकट के दौर में हैं लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से मजबूत हो रही है। इस मामले आज भारत विश्व में पांचवें स्थान पर है। इसी प्रकार स्टील उत्पादन और ऑटो मोबाइल सेक्टर में तीसरे स्थान पर है। 97 फीसदी मोबाइल भारत में बनाए जा रहे हैं। 18 लाख करोड़ की लागत से सड़क और रेल मार्ग बनाए जा रहे हैं। 74 अत्याधुनिक एयरपोर्ट बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि रोज कमाने खाने वाले 50 लाख गरीबों को आयुष्मान योजना के तहत इलाज हुआ है। चार करोड़ लोगों को पीएम आवास दिये गये। 10 करोड़ 78 लाख किसानों के खातों में दो-दो हजार की राशि ट्रांसफर की जार ही है। करोड़ों लोगों को पीने का पानी योजना से जोड़ा गया है। नड्डा ने कहा कि नौ वर्षों में देश की विकास यात्रा की तमाम योजनाएं भारत की बदलती तस्वीर और तकदीर की गवाह हैं लेकिन कांग्रेस देश के विकास को पचा नहीं पा रही है। उसके पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर तीखे प्रहार किये और कहा कि कांग्रेस मोदी विरोध करते-करते बौखलाकर देश के विकास का विरोध करने लगी है। उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास में भी प्रधानमंत्री ने विशेष ध्यान दिया है। चाहे रांची का रेलवे स्टेशन हो या फिर झारखंड में कई नेशनल हाईवे, रेलवे ट्रेक व स्टेशन, देवघर में एम्स, इंटरनेशनल एयरपोर्ट सिर्फ पीएम मोदी की विकासशील सोच की देन है। उन्होंने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड में विकास की एक रेखा खिंची है, वहीं झामुमो व कांग्रेस की सरकार ने चार वर्षों में झारखंड को काफी पीछे धकेल दिया है। झारखंड सरकार वर्तमान समय में पूरी तरह से भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई है। झारखंड सरकार सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति करने में व्यस्त है। झारखंड की हेमंत सरकार पूरी तरह से घोटालों की सरकार है। नड्डा ने कहा कि जमीन घोटाला, शराब घोटाला, अवैध माइंस सहित बिगड़ी कानून व्यवस्था हेमंत सरकार की पहचान बन गई है। तुष्टीकरण की राजनीति करते हुए हेमंत सरकार के शासनकाल में संथाल परगना में न सिर्फ आदिवासी महिलाओं का शोषण किया जा रहा है, बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को भी संरक्षण दिया जा रहा है। दलित महिलाओं का तो खुलेआम शोषण हो रहा है। जनसभा को प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मंरांडी, पूर्व सीएम रघुवर दास सहित भाजपा प्रदेश संगठन के कई बड़े नेता, सांसद और विधायकों ने संबोधित किया।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 17 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक चलेगा

मदेनीनगर, (हि.स.)। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर,2024) को लेकर गुरुवार को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आंजनेयुलू दोड्डे ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष-सचिव के साथ बैठक की। उपायुक्त ने बताया कि 17 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस दौरान एक जनवरी 2024 तक जिन व्यक्तियों की आयु 18 वर्ष या 18 वर्ष से अधिक है, वह अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नए मतदाताओं का नाम जोड़ने, पहचान पत्र में सुधार करने, जिनका निधन हो गया है उनका नाम हटाने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए मतदान केंद्र के बीएलओ, मतदान क्षेत्र के ईआरओ, एआरओ अथवा अन्य के द्वारा आनलाइन पोर्टल एवं भारत निर्वाचन आयोग के साइट के माध्यम से आवेदन दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति मतदाता सूची में निर्बंधित नहीं है, वैसे व्यक्ति प्रपत्र छह में निबंधन के लिए आवेदन दे सकते हैं। इसके लिए एक रंगीन फोटो, आयु प्रमाण पत्र एवं पता का प्रमाण से संबंधित कागजात संलग्न करना होगा। मृत अथवा स्थानांतरित प्रविष्टि के विलोपन के लिए प्रपत्र सात में आवेदन दिया जा सकता है। मतदाता सूची में अंकित प्रविष्टि की शुद्धि के लिए प्रपत्र आठ में आवेदन दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के स्तर से प्राप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार सभी कार्यों को जिला स्तर से ससमय पूर्ण कराते हुए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पांच जनवरी 2024 को किया जाएगा।

पलामू आयुक्त ने केसीसी एवं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की प्रगति की समीक्षा की

पलामू, (हि.स.)। सरकार किसानों को केसीसी उपलब्ध करा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए सभी को गंभीरता से कार्य करना होगा। योजना के लाभ से कोई भी योग्य लाभुक किसान वंचित नहीं रहना चाहिए। किसानों से प्राप्त एवं पूर्व के लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन करें और 15 अगस्त तक शत प्रतिशत किसानों को केसीसी योजना से आच्छादित करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लक्ष्य को भी 15 अगस्त तक पूरा करें। यह बातें प्रमंडलीय आयुक्त मनोज जायसवाल ने कही। वे आज समाहरणालय सभागार में पलामू जिले में केसीसी एवं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। आयुक्त ने बैंक प्रबंधकों को विशेष ध्यान देने एवं केसीसी के कार्य में कतई शिथिलता नहीं बरतने का निर्देश दिया। आयुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इस योजना से ग्रामीण पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगी। ग्रामीण स्तर पर युवाओं को स्व नियोजित कर आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा। इससे उनका पलायन भी रूकेगा। इस योजना से पशुपालकों को पशुधन के लिए शेड निर्माण में भी सहायता मिलती है। आयुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में अपेक्षित प्रगति लाकर 15 अगस्त तक शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने का निदेश दिया। उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि उनके क्षेत्र में केसीसी के लाभ से एक भी लाभुक नहीं छूटने पाये।

नीतीश का हाल वही होगा जो चंद्रबाबू नायडू का हुआ : प्रशांत किशोर

पटना, (हि.स.)। बिहार में विपक्षी दलों की बैठक पर जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को कहा कि आज नीतीश कुमार क्या कर रहे हैं? इस पर ज्यादा बोलने का कोई मतलब नहीं है। आज से पांच साल पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे चंद्रबाबू नायडू भी इसी भूमिका में थे, जिस भूमिका में आज नीतीश कुमार आने का प्रयास कर रहे हैं। नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू उस समय बहुमत की सरकार चल रहे थे जबकि नीतीश कुमार तो 42 विधायकों के साथ आज लंगड़ी सरकार चला रहे हैं। चंद्रबाबू नायडू उस दौर में पूरे देश का दौरा करके विपक्ष को एकजुट कर रहे थे। इसका नतीजा ये हुआ कि आंध्र प्रदेश में उनके सांसद घटकर तीन हो गए। सिर्फ 23 विधायक जीते और वह प्रदेश की सत्ता से ही बाहर हो गए। कहीं यही हाल नीतीश कुमार भी न हो जाये, इसकी संभावना ज्यादा है। नीतीश कुमार को बिहार की चिंता करनी चाहिए। राजद को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा आज राजद पार्टी के बिहार में जीरो एमपी हैं और वो देश का प्रधानमंत्री तय कर रही है। हाल ही में नीतीश कुमार के पश्चिम बंगाल दौरे पर प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार से ये पूछना चाहिए कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ काम करने को तैयार हैं? क्या नीतीश कुमार और लालू टीएमसी को बिहार में एक भी सीट देने को तैयार हैं? क्या नीतीश कुमार हमसे ज्यादा ममता बनर्जी को जानते हैं? पश्चिम बंगाल में नीतीश कुमार को पूछता कौन है? आप मेरी बातों को लिखकर रख लीजिए। नीतीश कुमार का भी वही हाल होगा जो चंद्रबाबू नायडू का हुआ था। अगले चुनाव में मोदी, लालू, नीतीश, कांग्रेस में से किसी पर भरोसा मत कीजिए। मैं बिहार की जनता से गुजारिश करता हूं कि आप इन पार्टियों के चक्कर में न पड़कर अपनी सरकार यानी कि जनता का सरकार बनाइए तभी जाकर आपका विकास होगा। आज नीतीश कुमार का हाल अंधों में काना राजा जैसा है ।

बाबा सोमेश्वरनाथ धाम अरेराज के महंथ रविशंकर गिरी बनें निक्षय मित्र,150 टीबी मरीजों को लिया गोद

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। पीएम मोदी के टीबी मुक्त भारत अभियान से प्रेरित होकर निक्षय मित्र बनने में अब धर्मिक गुरुओं ने भी दिलचस्पी दिखाने लगे है।इसी क्रम में जिले के सुप्रसिद्ध बाबा सोमेश्वरनाथ धाम अरेराज के महंथ महामंडलेश्वर रविशंकर गिरी ने गुरूवार निक्षय मित्र बनकर अरेराज अनुमंडल क्षेत्र के चिह्नित सभी 150 टीबी मरीजों को गोद लिया है। अरेराज के महंथ व महामंडलेश्वर के रविशंकर गिरी ने बताया कि हमसभी सनातनी चाहते है की हमारा जिला व राज्य खुशहाल बने लोग रोग से मुक्त रहें, इसी सोंच के बदौलत उन्होंने निक्षय मित्र बन अनुमंडल क्षेत्र के सभी टीबी मरीजों को गोद लिया है। उन्होने बताया की मेरे शैक्षिक गुरु चंदेश्वर नारायण जी एवं जिला यक्ष्मा केंद्र के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर ललित कुमार ने टीबी मरीजों को निजी स्तर पर सहयोग करने की बातें गंभीरता पर्वक बताई उन्होंने कहा था कि टीबी मरीजों को पूर्णतः स्वस्थ होने की लिए दवा, इलाज के साथ ही संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है,जिन्हे गोद लेकर सहायता कर स्वस्थ किया जा सकता है, बस इन बातों को विचार कर एवं गुरूजी की प्रेरणा पर अनुमंडल के सभी मरीजों को गोद लेने एवं भावनात्मक रूप से सहायता देने का मैंने निर्णय किया है। महंथ रविशंकर गिरी ने बताया कि महंथ होने के नाते धार्मिक व समाजिक कार्यों में पूर्व से ही सहयोग रहा है। परंतु अब एक मौका है कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर निक्ष्य मित्र बन नई जिम्मेदारी का निर्वहन करूं, उन्होंने बताया की आगामी 03 जुलाई 2023 को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर अरेराज नगर परिषद के सभी मरीजों के बीच फूड बास्केट का वितरण किया जाएगा। वही कुछ दिनों के अंतराल के बाद पुरे अरेराज प्रखंड व अनुमंडल क्षेत्र में अरेराज के 24 हरसिद्धि के 50, पहाड़पुर 44, संग्रामपुर 32 कुल 150 टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट वितरित किया जायेगा।

एल-20 का शिखर सम्मेलन विश्व को दिशा देने के लिए तत्पर होगा : राज्यपाल

पटना, (हि.स.)। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने कहा कि बिहार की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित एल-20 का शिखर सम्मेलन विश्व को दिशा देने के लिए तत्पर होगा, ऐसा विश्वास है। बिहार ने सत्य, अहिंसा और ज्ञान का संदेश विश्व को दिया है। इस ज्ञान भूमि पर पधारे आप महानुभावों का विचार विश्व को फायदा पहुंचायेगा। स्थानीय ज्ञान भवन में गुरुवार को एल-20 के शिखर सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल आर्लेकर ने कहा कि बिहार की धरती अद्भुत है। नालंदा का प्राचीन विश्वविद्यालय इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने देशी-विदेशी प्रतिनिधियों से कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप बिहार की धरती पर आनंदित होंगे और बेहतर अनुभव प्राप्त करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस रणनीति जरूरी है। सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए सुरक्षा आवश्यक है। महिला सुरक्षा पर निर्णय लिया जाना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि अच्छे समाज के निर्माण के लिए व्यक्तित्व का निर्माण जरूरी है, क्योंकि यदि हमारा व्यक्तित्व अच्छा होगा, तो हम अच्छे समाज की परिकल्पना कर सकते हैं। उद्घाटन अवसर पर एल-20 के अध्यक्ष सह भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या ने कहा कि यह भारतवासियों के लिए गौरव की बात है कि जी-20 की मेजबानी भारत कर रहा है। वहीं, एल-20 की मेजबानी का अवसर भारतीय मजदूर संघ को मिला है। इस अवसर पर एमइए के स्पेशल सेक्रेटरी मुक्तेश परदेशी, सीआइआइ के उपाध्यक्ष लोहित भाटिया, हरमांटो अहमद, रुथ कोहो (ब्राजील) आदि मंचस्थ थे। मंच का संचालन एस मल्लेशम एवं धन्यवाद ज्ञापन टीयूसीसी के महासचिव एस पी तिवारी ने किया। आगत अतिथियों का स्वागत भारतीय मजदूर संघ के सह महामंत्री सुरेंद्र पांडेय ने किया। इसके पूर्व बिहार के राज्यपाल आर्लेकर एवं मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया गया।

संपादकीय

अमरीकी प्रौद्योगिकी या फैक्टरी

अमरीकी प्रवास पर जाते हुए एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का समय आ गया है। यकीनन सारांश में यह कथन सटीक है। भारत दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र है। सबसे अधिक आबादी है। यानी उपभोक्ता हैं। सबसे विशाल और विविध बाजार है। हथियारों का सबसे बड़ा खरीददार है। अमरीका भी 11 फीसदी हथियार भारत को सप्लाई करता है। करीब 45 फीसदी हथियारों की आपूर्ति रूस और करीब 30 फीसदी फ्रांस करता है। भारत-अमरीका का आपसी सैन्य अभ्यास भी 'अद्वितीय' है। बीते दो दशकों में भारत-अमरीका के रिश्तों के कई नए आयाम खुले हैं। दोनों देश भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार भी हैं। दोनों का नाजुक सरोकार हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र है, जिसमें चीन का हस्तक्षेप भी है। 'क्वाड' के जरिए भारत, अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया का एक शक्तिशाली मंच भी है, जिससे चीन पर अंकुश रखा जा सकता है। दरअसल अमरीका के शहरों में जो नारेबाजी बुलंद है, राजधानी वाशिंगटन और न्यूयॉर्क में 'तिरंगा' लहरा रहा है, भारतवंशी भावुक हो रहे हैं, अमरीकी राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री गले मिलेंगे और 'व्हाइट हाउस' में राजकीय रात्रि-भोज रखा गया है, भारत के लिए यही सब पर्याप्त नहीं है। महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि हर लिहाज से भारत को, इस राजकीय दौरे से, क्या मिलने वाला है? या संभावनाएं ठोस हो रही हैं? राजकीय यात्रा वाले मेहमान राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री का स्वागत परंपरागत है। जून, 1963 में तत्कालीन राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन और नवंबर, 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह भी अमरीका के राजकीय अतिथि ही थे। डॉ. सिंह ने 2005 में अमरीका के साथ जो परमाणु करार किया था, वह भी अभूतपूर्व और ऐतिहासिक था। दरअसल अमरीका अब भारत के लिए पलक-पांवड़े बिछा रहा है, क्योंकि कई स्तरों पर भारत के साथ विश्वास और कूटनीति परिपक्व हुए हैं। अमरीकी उद्योग अपने धंधों के विस्तार के लिए नया बाजार देख रहे थे। उन्हें ऐसा पार्टनर चाहिए था, जो उनके उत्पादों का निर्माण भी कर सके, लिहाजा प्रौद्योगिकी के स्तर पर करार की बातें की जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी भारत के निर्वाचित कार्यकारी प्रतिनिधि हैं, लिहाजा अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन उन्हीं के साथ द्विपक्षीय संवाद करेंगे और आपसी संबंधों की बुनियाद को ठोस करेंगे। यह लोकतांत्रिक परंपरा भी है। हमने अमरीकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) के जेट विमान इंजन का उल्लेख एक संपादकीय में किया था। यदि अब इस इंजन की प्रौद्योगिकी के 100 फीसदी हस्तांतरण का करार हो जाता है, यदि सबसे खतरनाक और प्रहारक प्रीडेटर ड्रोन भी प्रौद्योगिकी समेत मिलते हैं, स्ट्राइकर बख्तरबंद वाहन, एम-777 लाइट हॉवित्जर, लॉन्ग रेंज बम और मिसाइल आदि के करार हो जाते हैं, तो यकीनन भारत की सैन्य-शक्ति में बहुत विस्तार होगा और चीन भी निशाने पर, निगरानी में रह सकेगा। जीई-414 जेट इंजन और प्रीडेटर ड्रोन उनकी तकनीक समेत अमरीका ने किसी भी देश को सप्लाई नहीं किए हैं। करार के बाद ये इंजन और अस्त्र भारत में ही उत्पादित होंगे और उनका इस्तेमाल 'तेजस' स्वदेशी लड़ाकू विमान में भी किया जा सकेगा। अहम सवाल यह भी है कि प्रौद्योगिकी किन शर्तों पर हस्तांतरित की जाएगी? क्या वह उत्पाद 'भारतीय' भी कहलाएगा? या भारत सिर्फ फैक्टरी की भूमिका में होगा? भारत में कितना निवेश अमरीकी कंपनियां करेंगी? बेशक 9/11 आतंकी हमले के बाद अमरीका ने भारत की सेना की ताकत को समझा है, लिहाजा उसके बाद हथियार भी देने शुरू किए, लेकिन प्रौद्योगिकी पहली बार हस्तांतरित हो रही है, यदि करार होता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी को 'व्हाइट हाउस' में 21 तोपों की जो सलामी दी जाएगी, दरअसल वह भी भारत का सम्मान और उसकी उभरती ताकत की स्वीकृति का ही प्रतीक है। वर्ष 2022-23 में भारत-अमरीका के बीच 128.8 अरब डॉलर का व्यापार किया गया। अमरीकी उद्योगपतियों का लक्ष्य है कि अब इसे 500 अरब डॉलर तक बढ़ाया जाए। भारत सबसे अनुकूल देश और बाजार है।

> भारत-अमरीका आपसी सैन्य अभ्यास भी 'अद्वितीय' है। बीते दो दशकों में भारत-अमरीका के रिश्तों के कई नए आयाम खुले हैं। दोनों देश भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार हैं। दोनों का नाजुक सरोकार हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र है, जिसमें चीन का हस्तक्षेप भी है। 'क्वाड' के जरिए भारत, अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया का एक शक्तिशाली मंच भी है, जिससे चीन पर अंकुश रखा जा सकता है। दरअसल अमरीका के शहरों में जो नारेबाजी बुलंद है, राजधानी वाशिंगटन और न्यूयॉर्क में 'तिरंगा' लहरा रहा है, भारतवंशी भावुक हो रहे हैं, अमरीकी राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री गले मिलेंगे और 'व्हाइट हाउस' में राजकीय रात्रि-भोज रखा गया है, भारत के लिए यही सब पर्याप्त नहीं है।

कुछ अलग

सरकारी ढांचे में आत्मनिर्भरता

हिमाचल में सरकारी तौर पर नजरिया बदलती सत्ता अपने फैसलों के नए गुंबद खड़े करना चाहती है। इसी के परिप्रेक्ष्य में ढांचागत बदलाव अपेक्षित हैं, लेकिन राहें अगर बदलनी हैं तो वर्तमान के बीच भविष्य ढूंढने का आवश्यक दखल भी जरूरी हो जाता है। बेशक इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी के तहत हिमाचल की सरकारी बसें अब नए नूर में नजर आ रही हैं, लेकिन निजी क्षेत्र को इस मोर्चे पर खड़ा करने के लिए अभी प्रयास बाकी हैं। सुक्खू सरकार के कामकाज का गुणात्मक पक्ष यही माना जाएगा कि यह आत्मनिर्भरता के साथ अपने डग भरने की दूरी तय कर चुकी है। यह आसान कार्य नहीं और न ही कोई अतिरिक्त ईंजन उपलब्ध है, लेकिन ढांचे में आत्मनिर्भर ढांचे का प्रारूप बदला जा सकता है। मसलन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से 250 करोड़ की लागत से अगर दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित होता है, तो इस ढांचे के बीच आत्मनिर्भरता के बीज कैसे बोए जाते हैं, यह ज्यादा महत्त्वपूर्ण होगा। मिल्क फेडरेशन के उत्पाद अपनी गुणवत्ता के आधार पर मांग तो पैदा करते हैं, लेकिन उपभोक्ताओं तक आपूर्ति नहीं कर पाते। साल में केवल दिवाली में सीमित मिठाई और लोहड़ी में गजक का बाजार खड़ा करके भी मिल्क फेडरेशन से ग्राहक का रिश्ता स्थायी नहीं है। पर्यटक सीजन में अगर मिल्क फेडरेशन प्रयास करे तो हिमाचल के हाईवे व पर्यटक स्थलों पर इसके उत्पाद एक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, मगर किसी ने सोचा ही नहीं। इतना ही नहीं, मिल्क फेडरेशन अगर मंदिरों के प्रसाद पर आधारित उत्पादों का विपणन कर पाए तो ज्वालामुखी के पेड़े, दियोटसिद्ध के रोट व इसी तरह की अन्य खाद्य वस्तुओं का एक बड़ा राज्यीय व राष्ट्रीय बाजार खड़ा कर सकती है। मिल्क फेडरेशन, विपणन बोर्ड तथा एचपीएमसी अगर एक साथ मिलकर, पर्यटन की दृष्टि से व्यापारिक मॉडल बनाएं, तो हिमाचली उत्पाद एक छत के नीचे उपलब्ध होंगे। हिमाचली शहद, धूप, पेड़ों, दुग्ध उत्पादों के अलावा राजमाह व अन्य कृषि उत्पादों तथा फलों की मांग पर्यटक सीजन में बढ़ जाती है। जरूरत है विभिन्न एजेंसियों, निगमों व फेडरेशन को एक सूत्र में बांधने की। ये सारे बोर्ड-निगम व विभाग किस तरह पर्यटन के घटक हो सकते हैं, इसके ऊपर विमर्श करना होगा। हिमाचल पथ परिवहन निगम अगर अपने वर्तमान ढांचे में परिवर्तन करते हुए खुद को पर्यटन विकास का पहिया बना ले, तो यात्रियों के रूप में पर्यटक बढ़ जाएंगे। हिमाचल के बस अड्डों का प्रारूप कुछ इस तरह होना चाहिए कि यह हर आगंतुक के गंतव्य तक ही नहीं, बल्कि उसकी सहूलियतों के साथी भी बनें। बस स्टैंड के साथ एचआरटीसी आम जनता के लिए पेट्रोल पंप व महा पार्किंग स्थल तो जोड़े, साथ ही इस अधोसंरचना को मॉल की शक्ल में प्रमुख व्यापारिक, बैंकिंग तथा मनोरंजन गतिविधियों का केंद्र भी बना सकता है। एक समय था जब एचआरटीसी की माल ढुलाई सेवा भी होती थी। कूरियर सर्विस के तौर पर भी सेवा शुरू हुई, लेकिन ढर्रे में फंसे निगम ने नवाचार को नकार दिया। इसमें दो राय नहीं कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए आर्थिक व प्रशासनिक सुधार ही नहीं, अब तक स्थापित राज्य के समस्त ढांचे को भी चुस्त-दुरुस्त करना होगा। प्रदेश की विभागीय क्षमता के पूर्ण दोहन तथा विभिन्न बोर्ड-निगमों को घाटे से उबारने के लिए नवाचार की ओर बढना ही होगा। अगर हर विभाग अपने डाक बंगलों को भी काम पर लगा दे तो हिमाचल आने वाले पर्यटक इन इकाइयों की लाभकारी औकात बना देंगे। हिमाचल के राष्ट्रीयकृत मंदिरों का अगर एक केंद्रीय ट्रस्ट बना दिया जाए, तो मंदिर प्रबंधन की कुशलता के साथ-साथ मंदिरों पर केंद्रित आर्थिकी भी बढ़ेगी।

हम सफलता की कहानियां पढ़ते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं

कर्म, भाग्य और जीवन

पी. के. खुराना

> इस सारे विश्लेषण का मंतव्य ही यही है कि पूर्वाग्रहग्रसित होकर किसी की प्रशंसा या आलोचना के कुचक्र में न फंसें। इस समझ से जो संयम आएगा, वह हमारी सोच को संवारेगा और खुद अपने जीवन में सफलता की संभावनाओं को बढ़ाएगा। इस सारे विश्लेषण के बाद अब हम यह भी समझने की कोशिश करेंगे कि भाग्य निर्धारित कैसे होता है? बनता कैसे है? हमारे धर्म ग्रंथों में कर्म और संचित कर्म का जिक्र किया गया है। संचित कर्म का मतलब है कि हम जो भी काम करते हैं, परमात्मा का सिस्टम उन कर्मों का हिसाब रखता है और हमारे पिछले सभी जन्मों के कर्म इस जन्म में हमें किस्मत के रूप में मिलते हैं।

हमारा अज्ञान हमसे कैसे-कैसे अन्याय करवा लेता है, इसकी कहानी बहुत अजीब है। अभी हाल ही में मुझे समझ आया कि खुद मैं कितना अज्ञानी था और इस अज्ञान से प्रभावित मेरी सोच कितनी दूषित थी। हम सफलता की कहानियां पढ़ते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। हम असफलता की कहानियां पढ़ते हैं और असफल लोगों द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण करते हैं तथा उन गलतियों से बचने की कोशिश करते हैं। जो आदमी सफल हो जाता है उसके बारे में हम मान लेते हैं कि उसने अनुभव से या प्रशिक्षण के माध्यम से सही फैसला लेने की तकनीक सीख ली है और जो व्यक्ति असफल हो जाता है उसके बारे में हम धारणा बना लेते हैं कि उसमें अनुशासन की कमी थी, लोगों से व्यवहार सही नहीं था, और उसने अहंकारवश गलत फैसले लिए, वगैरहए वगैरह। लेकिन अगर और बारीकी में जाएं तो हमें समझ आ जाता है कि हमारी धारणा पूर्वाग्रह ग्रसित थी। दरअसल हर सफलता और असफलता में मेहनत, कौशल, अनुशासन, निरंतरता और भाग्य की भूमिका होती है। समस्या यह है कि यह सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं है कि इसमें भाग्य की भूमिका कितनी बड़ी है। कभी-कभी तो यह लगता है कि एक विशेष संयोग ही किसी खास सफलता या असफलता का कारण बना। आइए, इसे कुछ उदाहरणों से समझने की कोशिश करते हैं। हम बिल गेट्स की सफलता की कहानियां पढ़ते हैं, उनकी समृद्धि के चर्चे सुनते हैं और सुनाते हैं। पर क्या हमने उनके जीवन वृत्त को समग्रता में समझने की कोशिश की है? संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के मुताबिक सन-1968 में विश्व भर में हाई स्कूल की उम्र के बच्चों की संख्या सवा तीस करोड़ के आसपास थी। इनमें से लगभग एक करोड़ अस्सी लाख बच्चे अमेरिका में रहते थे। इनमें से भी लगभग पौने तीन लाख बच्चे वाशिंगटन राज्य में रहते थे। इन बच्चों में से एक लाख बच्चे सियेटल क्षेत्र के निवासी थे। इन एक लाख बच्चों में से 300 बच्चे लेकसाइड स्कूल के विद्यार्थी थे। लेकसाइड स्कूल उस समय विश्व का अकेला ऐसा स्कूल था जिसके पास कंप्यूटर भी था और लेकसाइड स्कूल के विद्यार्थी के रूप में बिल गेट्स को कंप्यूटर चलाना सीखने और कंप्यूटर का प्रयोग करने की सुविधा उपलब्ध थी। यह सुविधा हाई स्कूल जाने की उम्र के सवा तीस करोड़ बच्चों में से केवल 300 बच्चों को उपलब्ध थी और बिल गेट्स उनमें से एक थे। क्या यह भाग्य नहीं है? सन-2005 में अपने स्कूल के विद्यार्थियों को संबोधित

करते हुए खुद बिल गेट्स ने स्वीकार किया कि अगर लेकसाइड स्कूल न होता तो माइक्रोसॉफ्ट भी न होती। माइक्रोसॉफ्ट की स्थापना में ही नहीं, उसके सह-संस्थापकों के चुनाव में भी भाग्य की भूमिका रही है। स्कूल में केंट इवान्स और बिल गेट्स पक्के दोस्त थे। दोनों को स्कूल का कंप्यूटर उपलब्ध था। दोनों दोस्त कंप्यूटर के दीवाने थे और कंप्यूटर के प्रयोग में सिद्धहस्त थे। केंट इवान्स और बिल गेट्स में गहरी छनती थी और दोनों घंटों बतियाते रहते थे। दुर्भाग्यवश पर्वतारोहण के एक कार्यक्रम में केंट इवान्स की मृत्यु हो गई, वरना माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापकों में बिल गेट्स और पॉल एलेन के अलावा केंट इवान्स का भी नाम होता। भाग्य ने केंट से यह अवसर छीन लिया। हां, यह किस्मत ही थी, और आज हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि किस्मत बनती कैसे है? किसी व्यक्ति की सफलता और असफलता में भाग्य की भी भूमिका होती ही है, पर उसका अनुपात क्या था, इसे तय करना हमारे लिए मुमकिन नहीं है। अक्सर हम बाकी सारे घटकों को जानते हैं, उनका विश्लेषण करते हैं, पर उसमें शामिल भाग्य की भूमिका के बारे में नहीं सोचते। जब कोई दूसरा व्यक्ति सफल होता है तो इसका श्रेय हम उसकी मेहनत, अनुशासन और योग्यता को देते हैं, लेकिन जब खुद हम किसी काम में असफल हो जाते हैं तो हम सारा दोष भाग्य को देते हैं, संयोगों को देते हैं। ऐसे बहुत से उदाहरण हैं कि दो लोगों ने एक सरीखा निर्णय किया और भाग्य ने एक को सफल बना दिया जबकि दूसरा उसी सफलता के लिए तरसता रह गया। मेहनत और योग्यता के बावजूद कोई व्यक्ति असफल हो सकता है और मेहनत तथा योग्यता के साथ भाग्य के साथ के कारण कोई व्यक्ति सफल हो सकता है। मैं मेहनत और योग्यता की भूमिका पर सवाल नहीं उठा रहा। मैं बस यह कह रहा हूं कि इसमें भाग्य की भूमिका को भी कम करके न आंका जाए। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? मैं भाग्य की भूमिका की वकालत क्यों किए जा रहा हूं? इसके पीछे एक स्पष्ट और सुविचारित उद्देश्य है और वह उद्देश्य यह है कि हम समझ लें कि किसी सफल आदमी की हूबहू नकल के बावजूद हम असफल हो सकते हैं क्योंकि कोई जरूरी नहीं कि हमारे साथ भी वो सुखकर संयोग जुड़ जाएं जो उसके साथ जुड़े थे। इसी तरह किसी असफल आदमी के बारे में बात करते हुए हम उसकी मेहनत और योग्यता पर सवाल उठाने से पहले उसके साथ घटे संयोगों की भूमिका को न नकारें तो हमारा व्यवहार कहीं ज्यादा संतुलित होगा। इसी बात को थोड़ा और आगे बढ़ाएं तो यह कह सकते हैं कि हमें किसी सफल व्यक्ति का शैदाई होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि हम नहीं जानते कि कहां-कहां भाग्य ने उसके पक्ष में काम किया और किसी असफल व्यक्ति की आलोचना भी जायज नहीं है क्योंकि हम नहीं जानते कि भाग्य ने उसके साथ कहां डंडी मार दी, कहां खिलवाड़ कर लिया। हम इसे समझ लेंगे तो किसी की प्रशंसा या आलोचना में आवश्यक संयम बरतेंगे और किसी एक चरम की ओर, एक्सट्रीम की ओर झुकने की गलती नहीं करेंगे। इस सारे विश्लेषण का मंतव्य ही यही है कि पूर्वाग्रहग्रसित होकर किसी की प्रशंसा या आलोचना के कुचक्र में न फंसें। इस समझ से जो संयम आएगा, वह हमारी सोच को संवारेगा और खुद अपने जीवन में सफलता की संभावनाओं को बढ़ाएगा। इस सारे विश्लेषण के बाद अब हम यह भी समझने की कोशिश करेंगे कि भाग्य निर्धारित कैसे होता है? बनता कैसे है? हमारे धर्म ग्रंथों में कर्म और संचित कर्म का जिक्र किया गया है। संचित कर्म का मतलब है कि हम जो भी काम करते हैं, परमात्मा का सिस्टम उन कर्मों का हिसाब रखता है और हमारे पिछले सभी जन्मों के कर्म इस जन्म में हमें किस्मत के रूप में मिलते हैं। हमने अपने पिछले जन्म में अच्छे या बुरे जो भी काम किए थे, इस जन्म के लिए वो सभी कर्म हमारी किस्मत बन जाएंगे। इसी तरह, इस जन्म में हम जो भी काम करेंगे, अगर इसी जन्म में उनका फल न मिला तो वो अगले जन्मों के लिए हमारी किस्मत बन जाएंगे।

अनंत राम को नहीं मिला वांछित सम्मान

> सैन्य पृष्ठभूमि के धरातल हिमाचल के सैनिकों ने मैदाने जंग में उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन करके विक्टोरिया क्रॉस व परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र जैसे आलातरीन सैन्य पदक अपने नाम करके राज्य का गौरव बढ़ाया है तो वहीं अंतरराष्ट्रीय खेल मुकाबलों व ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करके पदक देश के नाम किए हैं। कैप्टन वीरेंद्र सिंह थापा 'अर्जुन अवार्ड' 'गोरखा रेजिमेंट' ने 1980 के 'मॉस्को' ओलंपिक में बाक्सिंग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। कै. विजय कुमार 'डोगरा रेजिमेंट' ने 2012 के लंदन ओलंपिक में शूटिंग में 'रजत' पदक जीत कर देश का परचम लहराया था। मगर ओलंपिक महाकुंभ में किसी हिमाचली खिलाड़ी द्वारा पदार्पण का सम्मान बिलासपुर जिला के कैप्टन अनंत राम 'वीएसएम' को प्राप्त है। कै. अनंत राम 'एपीटीसी' ने भारतीय सेना की तरफ से 1956 के 'मेलबॉर्न' ओलंपिक में 'जिम्नास्टिक' में भारत का प्रतिनिधित्व करके देश का गौरव बढ़ाया था।

पेरिस के सोरबोन में 23 जून 1894 के दिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना हुई थी। अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर खेलों में खिलाडियों की भागीदारी बढ़ाने के मकसद से 23 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी। ओलंपिक दिवस के अवसर पर वीरभूमि की शिनाख्त वाले राज्य हिमाचल प्रदेश की खेल संस्कृति से मुखातिब होना जरूरी है। कड़े परिश्रम से अपने खेल जीवन की शुरुआत करने वाले हर खिलाड़ी का ख्वाब ओलंपिक महाकुंभ में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना होता है। सैन्य पृष्ठभूमि के धरातल हिमाचल के सैनिकों ने मैदाने जंग में उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन करके विक्टोरिया क्रॉस व परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र जैसे आलातरीन सैन्य पदक अपने नाम करके राज्य का गौरव बढ़ाया है तो वहीं अंतरराष्ट्रीय खेल मुकाबलों व ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करके पदक देश के नाम किए हैं। कैप्टन वीरेंद्र सिंह थापा 'अर्जुन अवार्ड' 'गोरखा रेजिमेंट' ने 1980 के 'मॉस्को' ओलंपिक में बाक्सिंग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। कै. विजय कुमार 'डोगरा रेजिमेंट' ने 2012 के लंदन ओलंपिक में शूटिंग में 'रजत' पदक जीत कर देश का परचम लहराया था। मगर ओलंपिक महाकुंभ में किसी हिमाचली खिलाड़ी द्वारा पदार्पण का सम्मान बिलासपुर जिला के कैप्टन अनंत राम 'वीएसएम' को प्राप्त है। कै. अनंत राम 'एपीटीसी' ने भारतीय सेना की तरफ से 1956 के 'मेलबॉर्न' ओलंपिक में 'जिम्नास्टिक' में भारत का प्रतिनिधित्व करके देश का गौरव बढ़ाया था। 1960 के रोम ओलंपिक में जिम्नास्टिक इवेंट को शामिल नहीं किया गया था। सन1964 के 'टोक्यो' ओलंपिक में अनंत राम ने एक बार फिर देश का प्रतिनिधित्व करके अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। भारतीय जिम्नास्टिक संघ की स्थापना साल 1951 में हुई थी। सन1952 के 'हेलसिंकी' ओलंपिक में वीर सिंह व खुशी राम ने जिम्नास्टिक में भारत का पहली बार प्रतिनिधित्व किया था। 1956 मेलबोर्न ओलंपिक में तीन खिलाड़ी तथा 1964 के टोक्यो ओलंपिक में छह खिलाडियों ने जिम्नास्टिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ओलंपिक खेलों में जिम्नास्टिक में भारत का दो मर्तबा प्रतिनिधित्व करने वाले कै. अनंत राम एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। 1964 के टोक्यो ओलंपिक में भारतीय जिम्नास्टिक दल की कमान भी अनंत राम के पास थी। 1956 के मेलबॉर्न ओलंपिक में अनंत राम, प्रीतम सिंह व शाम लाल भारतीय जिम्नास्टिक टीम के सदस्य थे। 1956 ओलंपिक के जिम्नास्ट शाम लाल को खेल मंत्रालय ने सन 1961 में 'अर्जुन अवार्ड' से नवाजा था। शाम लाल जिम्नास्टिक में देश के प्रथम अर्जुन अवार्डी थे, मगर दो ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले अनंत राम अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर भारत का गौरव बढ़ाने के बावजूद खेल सम्मान से महरूम रह गए। सन1964 के टोक्यो ओलंपिक के बाद अनंत राम की खेल विरासत जिम्नास्टिक भी गुमनामी के दौर में चली गई। सन 2016 के 'रियो' ओलंपिक में 'दीपा कर्माकर' ने महिला वर्ग में भारतीय जिम्नास्टिक को वैश्विक खेल पटल पर पहचान दिलाने की कोशिश की थी। ज्ञात रहे सन-1974 के तेहरान एशियाई खेलों में जिम्नास्टिक को पहली बार शामिल किया गया था। इसलिए अनंत राम को एशियाई खेलों में जिम्नास्टिक का प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिला। 1960 के रोम ओलंपिक में कुश्ती में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय सेना के पहलवान कैप्टन 'सज्जन सिंह' को खेल मंत्रालय ने सन 2021 में 'ध्यान चंद लाईफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से नवाजा था। भारतीय कुश्ती के लिए बेहतरीन योगदान देने वाले सेना के पहलवान कै. 'चांदरूप' को राष्ट्रपति ने सन 2010 में 'द्रोणाचार्य' अवार्ड से सम्मानित किया था। हरियाणा राज्य से ताल्लुक रखने वाले सेना के कई अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को सेना से सेवानिवृत्ति के बाद हरियाणा सरकार ने अपने खेल विभागों में तैनात करके उन खिलाडियों के खेल हुनर का पूरा लाभ उठाया तथा सम्मानित भी किया, लेकिन जिम्नास्टिक के पुरोधा कै. अनंत राम के अंतरराष्ट्रीय खेल अनुभव व खेल हुनर का लाभ लेने में खेल मंत्रालय, खेल संघ व खेल विभागों तथा हिमाचल की सरकारों ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। अनंत राम को अंतरराष्ट्रीय खेल शौहरत के अनुरूप सम्मान भी नहीं मिला, नतीजतन दो बार के ओलंपियन जिम्नास्ट को गुमनाम जिंदगी जीने के लिए मजबूर होना पड़ा। सन-1950 का दशक जब मुल्क गुरबत से जूझ रहा था, खिलाड़ी तमाम खेल सुविधाओं से वंचित थे। उस दौर में विश्व के सबसे भव्य खेल आयोजन ओलंपिक में जिम्नास्टिक जैसे खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। विडंबना है कि खेल मैदानों पर खून पसीना बहाकर पदक जीतने के लिए आखिरी क्षण तक पूरा दम लगाकर जद्दोजहद करने वाले होनहार खिलाडियों के बजाय मैदाने सियासत के माहिर खिलाड़ी सियासतदान हर जगह सुर्खियों में रहते हैं। आजादी के बाद से खेल मंत्रालयों से लेकर खेल संघों तक सियासतदानों का ही कब्जा है। देश के लिए मेडल जीतने की खेल रणनीति के बजाय चुनाव जीतने व खेल संघों पर अपनी हुकूमत बरकरार रखने की नीति को ही तवज्जो दी जाती है। अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर पदक जीतने की मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए खेलों के बुनियादी ढांचे को सुविधाओं से लैस करके विश्वनीय खेल तंत्र विकसित करने की जरूरत है। बहरहाल जिम्नास्टिक स्पर्धा में चार बार के राष्ट्रीय चैंपियन तथा विश्व के सबसे बड़े खेल महाकुंभ ओलंपिक में भारत का दो बार प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गज जिम्नास्ट अनंत राम का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान होना चाहिए। देश का गौरव बढ़ाने वाली खेल प्रतिभाओं की नजरअंदाजी खेलों के साथ उभरते खिलाडियों के भविष्य के लिए भी नुकसानदायक साबित होती है। अतः शासन-प्रशासन व खेल मंत्रालय को इस विषय पर संज्ञान लेना होगा। युवा खिलाडियों के लिए प्रेरणास्रोत जिम्नास्टिक के कुशल महारथी कै. अनंत राम की खेल विरासत को सहेजने के प्रयास होने चाहिए।

नागरिक बोध

राजस्थान में महंगाई राहत शिविरों में लोगो का जमावड़ा, ख्वाब बनेंगे कितने हकीकत

राजस्थान विधानसभा चुनाव में पांच महीने बाकी है। राजस्थान में अशोक गहलोत की एक ही धुन है कि किसी भी प्रकार से राजस्थान में दुसरी बार सरकार बनानी जाए। राजस्थान में हर जिलों में राहत शिविर लगाकर जनता को यह बताया जा रहा है कि भाजपा के राज में महंगाई बढ़ी है और इस नेक काम को राजस्थान कांग्रेस सरकार राहत शिविर लगाकर जनता को राहत दे रही है। सौ यूनिट मुफ्त बिजली की धारणा लोगो को विचलित करती दिख रही है। चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा और चिरंजीवी दुर्घटना बीमा की घोषणा से लोगो को फायदा मिलता दिख रहा है। कृषि बिजली और गैस सब्सिडी के बाद पांचसौ रुपए में गैस सिलेंडर और एक एक किलो चीनी नमक की लालच मतदाता को रिझाने के लिए काफी है? क्या वोट बैंक खड़ी हो सकती है? इससे पैतालीस हजार करोड़ का बोझ जनता पर पड़ रहा है।विपक्ष अभी जमीन खींचना नही चाहता है। अशोक गहलोत यह जताना चाहते है कि राजस्थान में फीलगुड भाव पनपा है। हालांकि अभी विरोध के स्वर मुखर नही हुए है।लुभावने भाषण और घोषणाओं की पिछले दिनों से ही शुरू हुई है। मुफ्त की योजनाओं में कांग्रेस को दो राज्य में जबरदस्त फायदा हुआ है। जहाँ प्रियंका वाड्रा ने घोषणा कर जमकर प्रचार किया था। कांग्रेस इसी तर्ज पर राजस्थान में भी करना चाहती है। और कांग्रेस के लिए वोट मांगना चाहती है। अन्य राज्यों में भी आक्रामक रणनीति बनाने की कवायद शुरू हुई है। मध्यप्रदेश में मुफ्त की घोषणा करने गई प्रियंका वाड्रा अपना वर्चस्व बढ़ाने की और अग्रसर है। कांग्रेस जनमानस से सीधे सीधे जुड़ने की कवायद में व्यस्त दिखाई दे रहे है। जनता को हाथ मे चांद दिखाकर भ्रमित करना कोई कांग्रेस से सीखे। जिस सौ यूनिट बिजली मुफ्त की घोषणा की गई है। वह जनता का फायदा है लेकिन राजस्थान में आज भी कई जिलो में बिजली कटौती और अघोषित बिजली कटौती हो रही है। एक तरफ बिजली कटौती और दूसरे तरफ सौ यूनिट बिजली मुफ्त की घोषणा जनता के मुह पर तमाचा है। गांवो में लाइन फाल्ट का बहाना बनाकर कई घण्टो तक बिजली सप्लाई नही करते है।ऐसी मुफ्त योजना का क्या औचित्य? कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण कर हिंदू धर्मावलंबियों के साथ भेदभाव करती है। राजस्थान में छह दंगे इसी का उदाहरण है। कर्नाटक में धर्मांतरण का बिल सदन में पेश किया गया है। बच्चियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया कानून कांग्रेस की तुगलकी फरमान में हिन्दुओ के साथ भेदभाव होता दिख रहा है। देश मे लव जिहाद का खतरनाक खेल खेला जा रहा है। मुस्लिम युवक नाम बदलकर युवतियों के साथ शोषण कर रहे है। जबकि सरकार मुकदर्शक है। राजस्थान में जिस तरह कानून की पकड़ नही है,वही मुफ्त की रेवड़ियां मतदाताओं के लिए परेशानी का सबब है। निष्पक्ष शासन आज के समय की मांग है।

देश दुनीया से

एक सहमी हुई तंदुरुस्ती

आजकल ऐसे फोन आने लगे हैं कि आप ठीक-ठाक हैं न, तन्दुरुस्त। रात को नींद सही आ जाती है। चिन्ता के मारे भूख तो नहीं मरी। अब ऐसी बातों का क्या जवाब दें? पूछने वाले ने जो पूछा, उसका निहित अर्थ तो यही था कि बरखुरदार पहली महामारी गई नहीं कि नई महामारी की संदिग्ध आमद के इस झांझावात में तुम्हारी जान सही सलामत है न। बेवजह नजला, खांसी, जुकाम तो नहीं। ऐसा बुखार तो नहीं हो गया, जो तुम्हारे इस घिसे-पिटे शरीर में घर बना कर बैठा है और अब जाने का नाम ही नहीं लेता। अब क्या जवाब दें? उनके पूछे गए किसी लक्षण पर हां से सिर हिला दें, तो जानते हैं उन्हें अपनी विज्ञता के प्रति आत्मतोष होगा। फिर उनकी बात इसी जाने-पहचाने रास्ते पर चल निकलेगी। पहले हमारे शरीर की हालत पर हमदर्दी प्रकट करते हुए उसके कुछ और लक्षण बता साबित किया जाएगा कि वाकयी हम एक और महामारी का शिकार हो गए। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें उनके जैसा इस विषय का पारंगत जानकार मिल गया। अब इससे बच निकलने का मौलिक रास्ता बताने से पहले यह अपनी पीठ थपथपा लेना चाहते हैं, कि उन्हें तो पहले ही शक था कि हम किसी न किसी रोग की पकड़ में एक न एक दिन जरूर आ जाएंगे। हमारी बेपरवाही और अलमस्ती उन्हें हमेशा चुभती थी। समय-कुसमय ठहाका मार कर हंस देना और अपने लिखने की गति को कम न करना उन्हें तनिक भी रुचता न था। 'जानते नहीं कि यह उदास और अकेले रहने के दिन हैं। नये-नये विषाणुओं से डरने के दिन हैं। एक अन्तहीन चिन्ता के दिन हैं, कि इन नये रोगों की अभी तक कोई सटीक दवाई नहीं। तुम्हें इनमें से कोई हो गया तो इससे बचोगे कैसे?' अब ऐसे चिन्तातुर प्रश्नों का क्या जवाब दें? जो होगा देखा जाएगा। इसी कारण अपने लबों से हंसी को उखाड़ कर कैसे फेंक दें? हमारे हंसते रहने की हठधर्मी से उन्हें बहुत गुस्सा आ गया। बरखुरदार, तुम डरते ही नहीं। जानते हो आजकल इन उदास मौत की नगरियों में जोर से हंसना मना है। ये साहब तो हमारे हंसने के पीछे ही पड़ गये। लगता है, इन्हें नये रोगों के संदेश पहले से आ जाते हैं। आज तक कठिन समय में, किसी बीमारी काल में यही सुनते आए थे कि विकट समय में आदमी का आदमी दवा दारू होता है। उसकी मरहम और संवेदना के संदेश रोगी में जिंदा रहने का नया बल भरते हैं। आंखें बंद करके सबसे विदा लेने लगो, अब नजर आता है कि लोग खानापूर्ति के लिए जुटते हैं और विदा से अधिक आईपीएल कमैंट्री सुनते हैं। रोग क्या अब तो रोग का शुबहा होते ही अपने आप को दूसरों से अलग कर लो। नये वायरस की घोषणा है यानी अपने आप में फिर सिमट जाना है और 'जैसा जो-जो होना है, वैसा सो-सो होता है' का मंत्र जाप बार-बार करना है। लीजिये यह है वह पृष्ठभूमि जिससे तैयार होकर सामना करना है नई बीमारी का। परन्तु कैसे सामना होगा? इस प्राण वायु के साथ जिसकी आपूर्ति अचानक कम हो गई, उन प्राण रक्षक टीकों के साथ, जो मांग के बढ़ते ही मंडियों से तिरोहित हो गए। बीमारी गंभीर हो जाए तो वैंटीलेटर पर लेटने का सहारा भी लेना पड़ता है, लेकिन इन्हें चलाने वाले कहां से आएंगे? इसके शिक्षार्थियों की तो अभी शिक्षा भी पूरी नहीं हुई। उधर महामारी की दूसरी लहर विदा लेने के मूड में नहीं लगती। वह तो तीसरी लहर के रूप में बदल जाने का इरादा रखती है। पहली ने बूढ़ों को, दूसरी ने युवकों को पकड़ा और अब तीसरी क्या बच्चों को घेरेगी? नहीं, इन सब प्रश्नों के कटघरे में कैद न होइए, कि जिनका जल्दी उत्तर नहीं मिलता। क्यों न बचाव के सब साधन अपना लें, परन्तु नीम हकीम दवाओं की जमाखोरी के बिना, सही टीके का दामन पकड़ें। हां, प्यारे हंसना मना नहीं है यहां। वही तो जिंदा रहने का बल देता है। उसे ही फिलहाल टीका मान लो।

> पहली महामारी गई नहीं कि नई महामारी की संदिग्ध आमद के इस झांझावात में तुम्हारी जान सही सलामत है न। बेवजह नजला, खांसी, जुकाम तो नहीं। ऐसा बुखार तो नहीं हो गया, जो तुम्हारे इस घिसे-पिटे शरीर में घर बना कर बैठा है और अब जाने का नाम ही नहीं लेता। अब क्या जवाब दें? उनके पूछे गए किसी लक्षण पर हां से सिर हिला दें, तो जानते हैं उन्हें अपनी विज्ञता के प्रति आत्मतोष होगा। फिर उनकी बात इसी जाने-पहचाने रास्ते पर चल निकलेगी। पहले हमारे शरीर की हालत पर हमदर्दी प्रकट करते हुए उसके कुछ और लक्षण बता साबित किया जाएगा कि वाकयी हम एक और महामारी का शिकार हो गए।

अफगानिस्तानी रक्षा मंत्री बोले- डूरंड लाइन सिर्फ काल्पनिक रेखा : कहा- पूरा पश्तून इलाका हमारा; अफगान लोग चाहेंगे तब ये मामला उठाया जाएगा

काबुल।

अफगानिस्तान में तालिबान की जीत से खुश पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट फैज हमीद का जश्न कुछ ही दिनों में गायब होता दिख रहा है। दरअसल, तालिबान ने 130 साल पुरानी पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर डूरंड लाइन की वैधता पर सवाल उठा दिए हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री और तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मौलवी याकूब मुजाहिद ने कहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच का बॉर्डर सिर्फ 'काल्पनिक रेखा' है। अफगान लोग चाहेंगे तब ये मामला उठाया जाएगा। अभी हम किसी के साथ नई जंग शुरू करना नहीं चाहते। 2021 में तालिबान ने पाकिस्तानी जवानों को तारबंदी करने से रोक दिया था।

अफगानिस्तान सीमा पार के पाकिस्तानी हिस्से वाले पश्तून क्षेत्रों पर संप्रभुता का दावा करता है। जिसमें पूर्व संघीय प्रशासित जनजातीय क्षेत्र और उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत के हिस्से शामिल हैं। 9/11 आतंकी हमले से पहले पश्तून डूरंड लाइन को पार कर सकते थे 12 नवंबर 1893 को ब्रिटिश भारत के सचिव सर मोर्टिमर डूरंड और अफगानिस्तान के शासक अब्दुर रहमान खान के बीच यह सीमा समझौता हुआ था। 1947 में आजाद होने के बाद से पाकिस्तान इसे अपनी सीमा बताता है। 9/11 आतंकी हमले के बाद आम लोगों के डूरंड रेखा के पार आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। जिससे पश्तून लोग परेशान हैं। पाकिस्तान सुरक्षा और तस्करी रोकने का हवाला देते हुए 2,640 किमी लंबी डूरंड लाइन पर तारबंदी कर रहा है। जिसे लेकर अफगानिस्तान नाराज है।

अफगान पक्ष का दावा- पाक डूरंड लाइन को दुनियाभर से मान्यता दिलाना चाहता है - अफगानिस्तानी विशेषज्ञ अली आदिल का कहना है कि डूरंड लाइन 'औपनिवेशिक रूप से थोपी' हुई है। जो पश्तून जनजातियों के पैतृक घरों को दो देशों में बांट देती है। आदिल कहते हैं कि ब्रिटिश अधिकारियों और रहमान के बीच समझौते की 100 साल की समय सीमा थी, जो 1993 में समाप्त हो गई थी। सुरक्षा और तस्करी का बहाना करके पाकिस्तान डूरंड लाइन को वैश्विक स्तर पर स्थायी सीमा की मान्यता दिलाना चाहता है। पाकिस्तान को डर- तालिबान डिप्लोमेसी में नहीं, शक्ति दिखाने में यकीन रखता है पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार इलियास खान कहते हैं कि तालिबान को गंभीरता से लेना चाहिए। साफ है कि तालिबान के डूरंड लाइन मुद्दे पर पीछे हटने की संभावना नहीं है। मोहम्मद गनी और हामिद करजई सरकार ने भले ही संयम दिखाया हो, लेकिन, तालिबान का डिप्लोमेसी में कोई यकीन नहीं है। पहले स्स्कऔर फिर अमेरिका जैसी महाशक्तियों को हराने के बाद दंभ में चूर तालिबान ताकत के इस्तेमाल से हिचकिचाएगा नहीं। पाक को उम्मीद थी कि तालिबान के आने से डूरंड विवाद हमेशा के लिए शांत हो जाएगा। विश्लेषक आमेर खान का कहना है कि पाक धोखा खा गया। अगर हमारे पास प्रभावी विदेश नीति होती तो डूरंड का 130 साल पुराना भूत फिर से सामने नहीं आता।

न्यूज ब्रीफ

लंदन स्थित अंबेडकर हाउस पर होगा विदेश मंत्रालय का नियंत्रण, महाराष्ट्र सरकार से मांगी मंजूरी

लंदन। देश के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के लंदन स्थित आवास पर नियंत्रण के लिए विदेश मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार से मंजूरी मांगी है। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने लंदन स्थित अंबेडकर हाउस को खरीदा है। लंदन में पढ़ाई के दौरान डॉ. भीमराव अबंडेकर इस घर में रहे थे। अब इसका प्रबंधन लंदन स्थित उच्चायोग द्वारा किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि तीन मंजिला इस आवास को महाराष्ट्र सरकार ने 31 लाख पाउंड में खरीदा है। यह घर उत्तरी लंदन के किंग हेनरी रोड पर स्थित है। इस घर को महाराष्ट्र सरकार द्वारा साल 2015 में खरीदा गया था और साल 2020 में इस घर को संग्रहालय में तब्दील कर आम जनता के लिए खोल दिया गया था। डॉ. अंबेडकर साल 1920-21 के दौरान लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स में पढ़ाई के दौरान इस घर में रहे थे। 2050 वर्ग मीटर में फैली इस रिहायशी संपत्ति को रियल एस्टेट एजेंट्स ने साल 2014 में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया था। इस पर फेडरेशन ऑफ अंबेडकरवादी और बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन, लंदन ने भारत सरकार को पत्र लिखकर इस घर को खरीदने की अपील की थी। इस पर केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार को इस घर को खरीदने की अनुमति दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने लंदन स्थित इस घर को खरीदा। इस घर में भारत के विद्वानों को लंदन प्रवास के दौरान अस्थायी आवास भी प्रदान किया जाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर का निधन 65 साल की उम्र में साल 1956 में हुआ था। उन्हें साल 1990 में भारत के सबसे बड़ा नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

भारतीय मुस्लिमों को खुद को पीड़ित दिखाना बंद करना चाहिए, सऊदी अरब में बोले जफर सरेशवाला

जेद्दा। भारतीय बिजनेसमैन और पूर्व चांसलर जफर सरेशवाला ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भारतीय मुस्लिमों को पीड़ित मानसिकता से बाहर आना चाहिए और शिक्षा पर फोकस करना चाहिए। खास बात ये है कि जफर सरेशवाला ने सऊदी अरब में ये बातें कही। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के पूर्व चांसलर जफर सरेशवाला ने सऊदी अरब के शहर जेद्दा में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि भारत में मुस्लिमों के साथ भेदभाव होता है लेकिन यह कुछ तत्वों द्वारा ही किया जाता है। भारतीय मुस्लिमों को भेदभाव को लेकर शिकायतें करने की बजाय शिक्षा पर फोकस करने की जरूरत है। समुदाय हमेशा आंदोलनरत नहीं रह सकता और उसे पीड़ित होने की सोच भी छुटकारा पाने की जरूरत है। जफर सरेशवाला ने कहा कि मुस्लिमों को ना सिर्फ शिक्षा बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी शिक्षा पर फोकस करना चाहिए। सरेशवाला ने कहा कि वह समय गया, जब ग्रेजुएट की डिग्री लेना ही काफी होता था। अब दुनिया आगे बढ़ चुकी है और आपको अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ होने की जरूरत है। अगर आप किसी क्षेत्र में विशेषज्ञ नहीं हैं तो आप अपनी जगह नहीं बना पाओगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय बिजनेसमैन ने जेद्दा में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारतीय मुस्लिमों को सिविल सेवा परीक्षाओं में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप रेस में शामिल ही नहीं होंगे तो आप जीतने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। सरेशवाला ने कहा कि सिविल सेवाओं में मुस्लिमों की भागीदारी का प्रतिशत बहुत कम है।

पेरिस की बिल्डिंग में आग लगी, 16 झुलसे: 7 की हालत गंभीर, पुलिस ने इलाका सील किया

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में लेफ्ट बैंक की एक बिल्डिंग में आग लग गई। इस हादसे में 16 लोग झुलस गए, जिनमें 7 की हालत गंभीर है। जानकारी मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश में लगी है। पुलिस ने इलाके को सील कर दिया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग गैस लीक होने की वजह से लगी है। पेरिस पुलिस के प्रमुख लॉरेंट नुनेज ने बताया कि आग लगने की वजह से बिल्डिंग का एक हिस्सा ढह गया। आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन अभी आग बुझ नहीं पाई है। अभी दमकल की टीम यह पता चलाने की कोशिश कर रही है कि मलबे में कोई दबा है या नहीं। पेरिस पुलिस की प्रवक्ता लुबना अट्टा ने कहा कि आग लगने की वजह क्या है, अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

मजबूरी में चीन के पाले में जा रहा पाकिस्तान, आईएमएफ के खिलाफ जुबानी जंग तेज

इस्लामाबाद।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से निराशा हाथ लगने के बाद अब पाकिस्तान चीन की तरफ और भी ज्यादा झुकता नजर आ रहा है। इसके साथ ही आईएमएफ से उसकी जुबानी जंग तेजी होती जा रही है। अब तक आईएमएफ पर जुबानी हमला पाकिस्तान के वित्त मंत्री या उनसे निचले स्तर के अधिकारी बोल रहे थे। अब खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मोर्चा संभाला है। साथ ही उन्होंने खुलेआम 'समय पर मदद देने के लिए' चीन का आभार जताया है।

चीन ने अपने लिए अनुकूल मौका देखते हुए पाकिस्तान में परमाणु बिजली संयंत्र लगाने का एक नया करार कर लिया है। इस समझौते पर मंगलवार को दस्तखत हुए। बताया गया है कि बनने वाले एटमी प्लांट से 1,200 मेगावाट बिजली पैदा होगी। यह संयंत्र पूरी तरह चीन के निवेश से लगेगा। इस समझौते पर दस्तखत होने के मौके पर शहबाज शरीफ ने चीन को ऐसा सहयोगी बताया, जिस पर सबसे ज्यादा भरोसा किया जा सकता है। चाश्मा 5 न्यूक्लीयर पॉवर प्लांट के लिए करार होने के बाद शरीफ ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण मिलने का अभी भी इंतजार है, वहीं चीन ने आगे आकर मदद दी है और संकट के वक्त पाकिस्तान को बचाया है।

शहबाज शरीफ ने कहा कि हालांकि कुछ अन्य देशों ने भी पाकिस्तान की मदद की है, लेकिन चीन से मिली सहायता खास महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा- 'चीन ने ऐसी मदद की है, जिसके लिए उसके प्रति आभार जताने का शब्द उनके पास नहीं है।' शरीफ ने दावा किया कि पाकिस्तान ने ऋण कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा के तहत आईएमएफ की सारी शर्तें पूरी कर दी हैं। इसके बावजूद इस संस्था ने पाकिस्तान के लिए कर्ज की रकम जारी नहीं की है। इस बीच चीन के अलावा सऊदी अरब और कतर ने पाकिस्तान की मदद की है।

इस बीच आईएमएफ से ऋण पाने की कोशिश में पाकिस्तान ने करीब दर्जन भर देशों से संपर्क किया है। पाकिस्तान के लिए नई मुश्किल अगले वित्त वर्ष के लिए पेश शरीफ सरकार के बजट से पैदा हुई है। आईएमएफ ने इस बजट की यह कहते हुए आलोचना की है कि इसमें उसकी शर्तों के मुताबिक राजस्व जुटाने और कर ढांचे को ढालने के उपाय नहीं किए गए हैं। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने इस आलोचना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। लेकिन शहबाज शरीफ ने स्थिति को संभालने की कोशिश में कहा कि उनका देश आईएमएफ की चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार है।

चाश्मा-5 संयंत्र पंजाब प्रांत में लगेगा। चीन ने कहा है कि वह जीवाश्म ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा की तरफ पाकिस्तान के जाने में पूरी मदद करेगा। इस परियोजना के पूरी होने के बाद पाकिस्तान के पास परमाणु ऊर्जा की पैदा करने क्षमता 1,400 मेगावाट तक पहुंच जाएगी। इसके पहले कराची बंदरगाह के पास एक एक परणाणु बिजली संयंत्र लगा था। यह संयंत्र भी चीन की मदद से ही लगाया गया था।

जानकारों के मुताबिक यह अभी साफ नहीं है कि नई परियोजना चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा है या नहीं। बीआरआई के तहत चीन पहले से ही पाकिस्तान में 65 बिलियन डॉलर का निवेश कर रहा है।

पाकिस्तान के स्कूल-कॉलेजों में होली खेलने पर रोक: शिक्षा आयोग ने जारी किया नोटिस, कहा- यह देश की इस्लामी पहचान के उलट है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्च शिक्षा आयोग ने स्कूल-कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में होली समारोह मनाने और खेलने पर रोक लगा दी है। शिक्षा आयोग ने यह आदेश 12 जून की एक घटना के बाद दिया। जब कायद-ए-आजम यूनिवर्सिटी के छात्रों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में होली मनाई। इसके फोटो और वीडियो भी वायरल हुए थे। शिक्षा आयोग ने नोटिस में कहा कि होली सेलिब्रेशन जैसी घटनाएं देश के सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों से पूरी तरह से अलग हैं। ऐसी गतिविधियां देश की इस्लामी पहचान को नुकसान पहुंचाती हैं। शिक्षा आयोग ने आगे कहा- आयोग पर उच्च शिक्षा क्षेत्र में सुधार करने की जिम्मेदारी तो है ही, साथ ही पाकिस्तान की संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखना भी जरूरी है। हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और उनके महत्व को स्वीकार करते हैं, लेकिन धर्म को लेकर मिली यह आजादी एक हद तक ही ठीक है। आयोग ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को ऐसी गतिविधियों में भाग लेने से परहेज करने की सलाह दी है जो सीधे तौर से देश की पहचान के उलट हैं। होली का यह कार्यक्रम यूनिवर्सिटी के एक गैर-राजनीतिक सांस्कृतिक संगठन मेहरान स्टूडेंट्स काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था। मार्च में पाकिस्तान में होली खेलने पर हिन्दू छात्रों को पीटा गया था पाकिस्तान में होली पर बवाल को लेकर यह पहली घटना नहीं है।

पाकिस्तान में खुलेआम चल रही है मानव तस्करी, हजारों लोग बने शिकार

इस्लामाबाद।

ग्रीस के पास प्रवासियों को ले जा रहे जहाज के डूबने की घटना से पाकिस्तान में उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस घटना को लेकर शहबाज शरीफ सरकार की लगातार आलोचना हो रही है। आलोचकों ने कहा है कि सरकार देश में आर्थिक संकट दूर करने में नाकाम रही है, जिस कारण लोग अवैध तरीके से विदेश जाने को मजबूर हो गए हैं। इस बीच सरकार मानव तस्करों पर काबू पाने में भी विफल रही है, जो लोगों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। पिछले हफ्ते लगभग 750 प्रवासियों को ले जा रहा एक जहाज भूमध्य सागर में डूब गया था। यह जहाज लीबिया से चला था। बताया जाता है कि जहाज प्रवासियों का ग्रीस या यूरोप के किसी अन्य देश में गैर-कानूनी ढंग प्रवेश कराने के मकसद से जा रहा था। जहाज पर सवार 104 लोगों को बचा लिया गया, जबकि बाकी लोगों के अब जिंदा बचने की उम्मीद नहीं है। बताया जाता है कि जहाज पर सवार पाकिस्तानियों की संख्या 400 तक थी। ये सभी लोग गैर-कानूनी ढंग से पाकिस्तान से निकले थे। हादसे के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मानव तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया है। लेकिन आलोचकों ने इसे महज खानापूर्ति की कोशिश बताया है। मानव अधिकार संस्थाओं ने कहा है कि पाकिस्तान में हालात इतने खराब हैं कि लोग किसी तरह यहां से निकल जाना चाहते हैं। पिछले साल आठ लाख से ज्यादा पाकिस्तानी आधिकारिक ढंग से देश छोड़ कर चले गए। बीते पांच साल में पाकिस्तान छोड़ने वालों की सबसे बड़ी संख्या थी। गैर-कानूनी ढंग से पाकिस्तान छोड़ने वाले लोगों की संख्या अलग है। बताया जाता है कि मानव तस्करी में लगे लोग मुसीबत में फंसे पाकिस्तानियों को ऑस्ट्रेलिया, यूरोप या अन्य किसी देश में काम दिलाने का वादा कर समुद्री रास्ते से बाहर ले जाते हैं। यह एक बड़ा धंधा बन गया है। गैर सरकारी संस्था ह्यूमन राइट्स कमीशन ऑफ पाकिस्तान ने इस हफ्ते अपनी एक रिपोर्ट में कहा- देश में आर्थिक अवसरों के अभाव के कारण लोग ऐसे जोखिम उठाने को तैयार हो जाते हैं, लेकिन इसमें मौजूद खतरों का उनको कोई अहसास नहीं रहता। लोग मानव तस्करों का शिकार बन रहे हैं, यह बात एक बार फिर हमें इस तथ्य की याद दिलाती है कि पाकिस्तान सरकार लंबे समय से लोगों के अधिकारों के हो रहे हनन को रोकने में नाकाम रही है।

चीन के रेस्टोरेंट में ब्लास्ट, 31 की मौत: गैस लीक होने के कारण धमाका; इलाके में ड्रैगन बोट फेस्टिवल की तैयारी चल रही थी

यिनचुआन।

चीन के यिनचुआन शहर में बुधवार देर रात एक रेस्टोरेंट में धमाका हो गया। हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई। गैस के रिसाव के कारण धमाका हुआ। 7 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हादसे के दौरान इलाके में काफी भीड़ थी। यहां ड्रैगन बोट फेस्टिवल की तैयारियां चल रही थीं। यिनचुआन शहर निंग्जिया नाम के स्वशासित प्रांत की राजधानी है। इस प्रांत कि आबादी 68 लाख है। इनमें से 36प्रतिशत लोग मुस्लिम हैं। हादसे के बाद की कुछ तस्वीरें जारी की हैं। इसमें आग बुझने के बाद मौके पर मौजूद दमकल विभाग की गाड़ियां नजर आ रही हैं। दमकलकर्मी घायल लोगों को एंबुलेंस तक ले जाते हुए भी दिख रहे हैं।

धमाके के बाद आग फैली

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रेस्टोरेंट में पहले तो एक धमाका हुआ। इसके बाद वहां आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि तेजी से फैल गई। हालांकि, दमकल की गाड़ियां फौरन मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पा लिया गया।

रेस्टोरेंट में हुए धमाके के बाद लोगों की सेफ्टी को लेकर सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। लोग सरकार से घनी आबादी वाले इलाके को सुरक्षित बनाने के लिए योजनाएं बनाने की मांग कर रहे हैं।

7 महीने पहले 15 मंजिला इमारत में लगी थी आग

ये पहली बार नहीं है जब चीन के किसी रेसिडेंशियल एरिया या घनी आबादी वाले इलाके में धमाका हुआ या आग लगी हो। 25 नवंबर 2022 को शिंजियांग में एक बिल्डिंग की 15वीं मंजिल में आग लगी गई थी। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी। 9 लोग घायल हुए थे। इलेक्ट्रिक सॉकेट एक्सटेंशन के चलते आग लगी थी। पुलिस के मुताबिक, इमारत में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थे।

हैवानियत की सीमा पार: पत्नी को हर रात देता था ड्रग्स, दूसरे पुरुषों से करवाता था रेप; सहेजकर रखे थे वीडियो

फ्रांस।

आजकल रिश्तों का कोई मोल नहीं रह गया है। लोग अपने फायदे के लिए खुद के लोगों को ही दाव पर लगाने लग गए हैं। एक ऐसी खबर सामने आई है, जिससे रिश्तों से तो भरोसा उठ ही जाएगा। साथ ही आपकी रूह भी कांप जाएगी। दरअसल, हर रात एक शख्स खुद की पत्नी को नशीली दवा खिलाकर दूसरे पुरुषों से दुष्कर्म कराता था। बेचारी पत्नी को तो पता भी नहीं था कि उसके साथ क्या हो रहा है। दिल दहलाने वाली ये खबर फ्रांस की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस शर्मनाक घटना को करीब 10 वर्षों तक अंजाम दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने करीब 92 मामलों की पुष्टि की है। इनमें से 51 पुरुष ऐसे थे, जिनकी उम्र 26 से 73 वर्ष के बीच बताई जा रही है। इन आरोपियों को दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष बचे लोगों की तलाश पुलिस कर रही है। जिन आरोपियों की पहचान हुई है उनमें फायरमैन, ड्राइवर, नगर निगम पार्षद, बैंक में आईटी कार्यकर्ता, जेल गार्ड, नर्स और पत्रकार शामिल हैं। हैवानियत की चरम सीमा पार करने वाले पति की पहचान डोमिनिक पी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शख्स फ्रांस के माजान में अपने घर में महिला के साथ दुष्कर्म करने के लिए बुलाता था। इतना ही नहीं, शख्स इस घटना को कैमरे में रिकॉर्ड करता था। बाद में फुटेज को यूएसबी ड्राइव में फाइल में सहेज कर रखता था। पुलिस का कहना है कि ड्राइव को जब्त कर लिया है। वहीं, दुष्कर्म की ये रौंगटे खड़ी कर देने वाली घटना साल 2011 और 2020 के बीच हुई हैं। दंपत्ति के तीन बच्चे भी हैं। इनकी शादी को करीब 50 साल से अधिक हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि शख्स ने घटना को अंजाम देने के लिए पूरी योजना बनाकर रखी थी। खाने में नशीली पदार्थ मिला देता था, जिसके बाद पत्नी बेहोश हो जाती थी। बाद में, उसे लगता था कि पत्नी कही जग न जाए इसके लिए उसने तेज गंध वाले इत्र पर पाबंदी लगाकर रखी थी। इतना ही नहीं लोगों को तंबाकू खाना भी मना था। वहीं, तापमान में बदलाव न हो इससे बचने के लिए लोगों से अपने हाथ गर्म पानी में धोने के लिए कहता था। इतना ही नहीं, बाथरूम में कपड़े न रह जाएं, इसके लिए शख्स रसोई में कपड़े उतरवाता था। साथ ही, पड़ोसियों को किसी तरह का शक न हो इसलिए लोगों की कार एक स्कूल के पास खड़े करवाता था। फिर अंधेरे में आने को कहता था।

पुलिस ने बताया कि जब पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की तो उनमें से कुछ ने कहा कि उन्हें पता ही नहीं था कि महिला को इस बात की जानकारी नहीं है। जबकि कुछ ने हद पार कर दी। उनका कहना था कि महिला डोमिनिक की पत्नी है। उसे जो पसंद होगा वो वहीं कराएगा।

कौन हैं इल्हान उमर: पीओके का दौरा किया, भारत के खिलाफ अमेरिकी संसद में प्रस्ताव लाईं, सगे भाई से शादी का आरोप

इस्लामाबाद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर हैं। यहां पीएम मोदी संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करने वाले हैं। पीएम मोदी के इस संबोधन का अमेरिका की दो महिला सांसदों ने बहिष्कार करने का एलान किया है। इल्हान उमर और रशिदा तलैब नाम की सांसदों ने भारत में अल्पसंख्यकों के शोषण का आरोप लगाया है।

कौन हैं इल्हान उमर - इल्हान का जन्म सोमालिया में हुआ। सोमालिया में जारी गृह युद्ध के बीच उनके परिवार ने सोमालिया छोड़कर केन्या के शरणार्थी कैम्प में शरण ली। उस वक्त इल्हान की उम्र आठ साल थी। करीब चार साल तक उनके परिवार ने केन्या का शरणार्थी कैम्प में बिताए। 1990 में उनका परिवार यहां से अमेरिका आ गया। अमेरिका में इल्हान ने राजनीति में अपना करियर बनाया। कहते हैं कि उनके दादा ने इसके लिए उन्हें प्रेरित किया। 2016 में इल्हान उमर चुनाव जीतकर मिनिसोटा की प्रतिनिधि सभा पहुंची। 2019 में इल्हान मिनिसोटा से सांसद चुनी गईं। अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य बनने वाली इल्हान उमर पहली अफ्रीकी शरणार्थी हैं। इसके साथ ही इल्हान उमर मिनिसोटा का प्रतिनिधित्व करने वाली भी पहली अश्वेत महिला हैं। अमेरिकी कांग्रेस पहुंचने वाली दो मुस्लिम-अमेरिकी महिलाओं में भी इल्हान उमर शामिल हैं।

रशिदा तलैब कौन हैं - रशिदा तलैब मिशिगन से सांसद हैं। फिलिस्तीनी मूल के माता-पिता के 14 बच्चों में रशिदा तलैब सबसे बड़ी हैं। उनका जन्म मिशिगन से डेट्रॉइट शहर में हुआ। रशिदा 2008 में मिशिगन की प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी गईं। वे मिशिगन की प्रितिनिधि सभा में चुनी जाने वाली पहली मुस्लिम महिला थीं।

पीएम मोदी के संबोधन पर इन दोनों नेताओं ने क्या कहा - इल्हान उमर ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में धार्मिक अल्पसंख्यकों को दबाया जाता है। हिंसक हिंदू राष्ट्रवादी समूहों का हौसला बढ़ाया जाता है और पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता है। मैं मोदी के भाषण में शामिल नहीं होऊंगी। सांसद रशिदा तलैब ने लिखा कि यह बेहद शर्मनाक है कि मोदी को हमारी

राष्ट्रीय राजधानी में मंच दिया जा रहा है जबकि उनका मानवाधिकारों के उत्पीड़न का लंबा इतिहास है। मुस्लिमों और धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना और मीडिया को सेंसर करना अस्वीकार्य है। मैं मोदी के संयुक्त सत्र के संबोधन का बहिष्कार करूंगी।

पहले भी भारत विरोधी कई विवादित बयान दे चुकीं हैं इल्हान उमर - इल्हान उमर ने पिछले साल अप्रैल में अमेरिकी संसद में कहा था, 'आखिर मोदी सरकार मुसलमानों के खिलाफ और क्या-क्या जुल्म करेगी तब जाकर बाइडन प्रशासन कुछ कहेगा' उन्होंने अमेरिका के भारत समेत कई देशों के साथ रिश्तों को ऐतिहासिक अन्याय की संज्ञा दी थी। इल्हान उमर अमेरिकी संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव भी लाईं थीं। इसमें कहा गया था कि भारत को एक ऐसा देश घोषित किया जाए जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का कथित उल्लंघन होता है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भारत में अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

भारत विरोधी के तौर पर है इल्हान की पहचान - अमेरिकी डेमोक्रेट सांसद इल्हान उमर की भारत विरोधी के तौर पर पहचान है। पिछले साल ही इल्हान पाकिस्तान दौरे पर आईं थीं। इस दौरान वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर भी गईं थीं। भारत ने उनके दौरे पर सख्त आपत्ति जताते हुए इसकी निंदा की। इसके बाद बाइडन प्रशासन को इस मामले में सफाई देनी पड़ी थी। भारत की आपत्ति के बाद अमेरिकी सरकार ने इल्हान के दौरे से पल्ला झाड़ लिया था। सरकार ने कहा था कि उनका दौरा अमेरिकी सरकार द्वारा प्रायोजित नहीं था। जिस वक्त पाकिस्तान में सत्ता के लिए बवाल चल रहा था। इमरान अमेरिका पर उनकी सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप लगा रहे थे। तब भी इल्हान उमर पाकिस्तान गईं थीं। एक ओर इमरान पाकिस्तानी जनता को यह बता रहे थे कि अमेरिका उनके खिलाफ साजिश रच रहा है वहीं, दूसरी ओर इल्हान उमर पाकिस्तान जाकर उसी इमरान खान से मिल रही थीं। भारत की तरह ही इल्हान इस्त्राइल के विरोध के लिए भी जानी जाती हैं। इसी वजह से उन्हें विदेश मामलों की समिति से मतदान के बाद हटा दिया गया था। सदन ने उनको हटाने लिए इस्त्राइल के बारे में की गई विवादास्पद टिप्पणियों और उनकी निष्पक्षता पर चिंताओं का हवाला दिया था। पिछले राष्ट्रपति चुनाव के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इल्हान उमर पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। एक रैली के दौरान उन्होंने न्याय विभाग से सासंद इल्हान उमर की जांच की अपील की थी। अपने भाषण में ट्रंप ने डेमोक्रेट सांसद के खिलाफ अपमानजनक और अपुष्ट आरोपों को दोहराया कि उन्होंने अपने सगे भाई से शादी की और गैरकानूनी तरीके से अमेरिका आकर बस गईं।

मुख्यमंत्री ने 11 बच्चों को सरकारी विभागों में नौकरी के सौंपे नियुक्ति पत्र

बेसहारा बच्चों के लिए *हरिहर* योजना शुरू करने वाला हरियाणा बना देश का पहला राज्य

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की बेसहारा, बेघर या परित्यक्त व आत्मसमर्पित बच्चों के पालन-पोषण, मुफ्त शिक्षा व रोजगार के लिए आरम्भ की गई *हरिहर* योजना से उन बच्चों के चेहरे पर उस समय मुस्कान आई जब मुख्यमंत्री ने 11 बच्चों को सरकारी विभागों में नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास संत कबीर कुटीर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. उमाशंकर, उप प्रधान सचिव केएम पांडुरंग, महिला एवं बाल विकास के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इन बच्चों को स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, उपायुक्त कार्यालय कैथल में ग्रुप-सी व ग्रुप-डी के पदों पर नियुक्ति दी गई है। महिला एवं बाल विकास की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि हरियाणा देश का ऐसा पहला प्रदेश है जहां ऐसे बेसहारा बच्चों के लिए यह अनोखी योजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा यह एक पुण्य का काम है। उन्होंने बताया कि इन 11 बच्चों में 9 लड़कियां व 2 लड़के हैं, जिसमें अदीति, प्रार्थना,

माधवी, मधुलिका, नीलिमा, अनादी, सुधा, सरिता, दिव्या, कन्हैया, हिमांशु शामिल है। राज्य सरकार को राज्य के बाल देखभाल संस्थानों से 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले परित्यक्त और आत्मसमर्पित बच्चों को शैक्षणिक, वित्तीय व रोजगार के लाभ प्रदान करने के लिए *हरिहर* नीति अधिसूचित की गई। नीति के तहत 5 वर्ष की आयु से पहले परित्यक्त व 1 वर्ष की आयु से पहले आत्मसमर्पित किए गए पात्र बच्चों लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। तकनीकी शिक्षा, कौशल, विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण सहित मुफ्त स्कूल और उच्च शिक्षा और 25 वर्ष की आयु तक या शादी तक देखभाल, पुनर्वास और वित्तीय सहायता (सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग की विकलांगता पेंशन के बराबर यानि 2500/-रुपये प्रति माह) या शादी जो भी पहले हो। अनुकम्पा के आधार पर उन परित्यक्त और समर्पित बच्चों को नौकरी, जिन्हें 05 वर्ष की आयु से पहले (परित्यक्त के रूप में) और 01 वर्ष की आयु से पहले (समर्पित के रूप में) बाल देखभाल संस्थानों में भर्ती कराया गया था और जिन्होंने बाल देखभाल संस्थानों में रहते हुए 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो और जिनके पास आवश्यक शैक्षणिक योग्यता है उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किए गए है।

ज्ञानी रघबीर सिंह ने संभाला अकाल तख्त जत्थेदार का कार्यभार

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब के नए जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने गुरुवार को अपना पदभार संभाल लिया। अकाल तख्त साहिब पर पाठ के भोग के बाद ज्ञानी रघबीर सिंह यहां पहुंचे, जहां उन्हें पगड़ी पहनाने की रस्म निभाई गई। गुरुवार को शिरोमणि गुरुद्धारा प्रबंध कमेटी (एसजीपीसी) की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के अलावा बड़ी संख्या में सिख बुद्धिजीवियों और श्रद्धालु मौजूद रहे। एसजीपीसी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने ज्ञानी रघबीर सिंह को पगड़ी सौंपने की रस्म को शुरू करवायी। धामी के कहने के बाद ज्ञानी अमरजीत सिंह ने पहली दस्तार भेंट की। इसके बाद अकाली दल की तरफ से दलजीत सिंह चीमा ने ज्ञानी रघबीर सिंह और फिर तख्त श्री दमदमा साहिब की तरफ से ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने दस्तार भेंट किया। पाठ के भोग के बाद ज्ञानी अमर सिंह ने ज्ञानी रघबीर सिंह को अकाल तख्त साहिब का जत्थेदार घोषित किया। इसी के साथ अकाल तख्त साहिब पर चार साल 244 दिन बाद एक स्थायी जत्थेदार ने पदभार संभाला है।

पंजाब में दिसंबर तक होगा सभी पंचायतों का सोशल ऑडिट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा व प्रवासी भारतीय मामले संबंधी मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल के नेतृत्व वाली कैबिनेट सब-कमेटी ने सूबे की सभी पंचायतों का दिसंबर 2023 तक सोशल आडिट करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायतों के सोशल आडिट की इस रिपोर्ट को सार्वजनिक भी किया जाएगा। कैबिनेट सब-समिति की तरफ से यह आदेश गुरुवार को पंजाब भवन में खेत, मजदूर यूनियन के साथ बैठक के दौरान दिए गए। कैबिनेट सब-कमेटी ने विभाग को पंचायती जमीनों की बोली संबंधी वीडियोग्राफी यकीनी बनाने के लिए भी कहा। इसी दौरान कैबिनेट सब-कमेटी ने अनुसूचित जातियों के लिए पंचायती ?मीन की बोली संबंधी मामलों की जांच के लिए ज्वाइंट डिवेल्पमेंट कमिश्नर अमित कुमार का नेतृत्व अधीन एक तीन सदस्यीय कमेटी बनाने के आदेश दिए। यह कमेटी पटियाला और दूसरे जिलों से संबंधित मामलों की जांच करके 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस मौके पर कैबिनेट सब-समिति की तरफ से सभी जिलों के एडीसी विकास को अनुसूचित जातियों के साथ संबंधित बकाया शिकायतों का जल्दी निपटारा करने संबंधी भी निर्देश दिए। मगनरेगा संबंधी मुद्दों पर चर्चा के दौरान वित्त ने विभाग को सभी सरपंचों और पंचायत सदस्यों को मगनरेगा से संबंधित नियमों की कापी भेजने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि यह यकीनी बनाया जाए कि 18 साल से कम उम्र के किसी व्यक्ति का जॉब कार्ड न बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में अभी तक मगनरेगा के अंतर्गत महिला मेट नहीं नियुक्त की गई वहां यह नियुक्ति जल्द से जल्द की जाए। मगनरेगा वर्करों की दिहाड़ी बढ़ाने संबंधी स. हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री स. भगवंत मान इस संबंधी पहले से ही भारत सरकार को पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस संबंधी केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जाएगा।

बिजनेस पार्टनर से परेशान होकर नगीना व्यापारी ने खाया जहर

जयपुर (हिंस)। गलता गेट थाना इलाके में नगीना व्यापारी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले व्यापारी ने वीडियो बनाकर अपने बिजनेस पार्टनर पर टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। वीडियो में कहा है- उसे इतना टॉर्चर किया गया कि अब आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। जांच अधिकारी एएसआई रामलाल ने बताया कि व्यापारी आबिद खान (40) निवासी मोहल्ला इच्छावतान बदनपुरा ने अपने ही घर में बुधवार को जहर खा लिया था। तबीयत खराब होने के बाद परिजन एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां देर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। अस्पताल से जानकारी मिलने के बाद पुलिस गुरुवार सुबह शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया गया। जानकारी में सामने आया कि मृतक आबिद की जेब से सुसाइड नोट मिला था। इसमें अंसार और लतीफ नाम के दो युवकों का नाम था। लिखा था- इनकी वजह से वह अपनी जान दे रहा है। वहीं मोबाइल खंगाला गया तो उसमें से आत्महत्या करने से पहले का एक वीडियो भी मिला है। जिसमें मृतक ने अपने बिजनेस पार्टनर्स अंसार और लतीफ पर टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद मृतक आबिद भाई वाजिद खान ने आरोपित लतीफ व अंसार के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है कि अंसार और लतीफ के साथ आबिद नगीनों का बिजनेस करता था।

मंत्री संजीव बालियान को लेकर सत्यपाल मलिक के बिगड़े बोल

रोहतक (हिंस)। केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान को लेकर पूछे गए सवाल पर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के बोल बिगढ़ गए। उन्होंने यहां तक कह दिया के संजीव बालियान के परिवार को थाने से मैंने कई बार छुड़वाया है। अगर हिम्मत है तो संजीव बालियान पार्टी छोड़कर सरवाइव करके दिखाएं। गुरुवार को पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक सांपला स्थित छोटूराम संग्रहालय में आयोजित किसान कमेरा महापंचायत में शिरकत करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि वे आह्वान करते हैं कि बीजेपी को हराने वाले लोगों को वोट डालें और उसके लिए मैं भी प्रयास कर रहा हूं। यही नहीं इस पंचायत में पहुंचे किसान नेता गुरनाम चढ़ूनी ने भी 2024 का चुनाव

लड़ने की रणनीति तैयार करने का आह्वान किया है। दरअसल पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने सत्यपाल मलिक को लेकर कहा था कि उन्होंने ऐसी कोई भी पार्टी नहीं छोड़ी है जिसमें वह ना गए हो और उन्होंने राज्पाल के पद पर रहते हुए पुलवामा को लेकर आवाज उठानी चाहिए थी। इसी के जवाब में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक गुस्सा हो गए और उन्होंने तो संजीव बालियान के लिए बोल दिया कि संजीव बालियान के परिवार को उन्होंने कई बार पुलिस थाने से छुड़वाया है। अगर संजीव बालियान में हिम्मत है तो वे पार्टी छोड़ कर किसी दूसरी पार्टी में जाकर सरवाइव करके दिखाएं। भाजपा के लोग तो पागल हैं और वह प ?ना लिखना नहीं जानते। मैंने राज्यपाल के पद पर रहते हुए पुलवामा जैसे मामलों को उठाया था, सत्यपाल मलिक कहीं ना कहीं कांग्रेस के प्रति नरम रुख अख्तियार करते हुए नजर आए और बोले की भाजपा को हराने के लिए विपक्ष को एकजुट होना होगा और उसके लिए वह प्रयास भी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री पद के लिए कांग्रेस किसी जिद पर नहीं है प्रधानमंत्री पद का फैसला चुनाव के बाद हो जाएगा। मलिक ने कहा कि चुनाव के दौरान वे जयंत चौधरी को भी सपोर्ट करेंगे, क्योंकि वह उस पार्टी में रहे हैं।

मैंने खुद ही छोड़ा अकाल तख्त जत्थेदार का पद : हरप्रीत

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने बुधवार को पद छोड़ते ही अकाली दल व एसजीपीसी को घेरते हुए कहा कि उन्होंने जत्थेदार का पद खुद ही छोड़ा है। वह ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले दोनों तख्तों का पदभार छोड़ने की बात कह कर गए थे। बुधवार को अकाल तख्त के निवनियुक्त जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह को कार्यभार सौंपने के बाद मीडिया से बातचीत में ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि चाहें तो उनसे दमदमा साहिब का कार्यभार भी वापस ले लें। वह दमदमा साहिब का तख्त छोड़ने के लिए भी तैयार थे और दोनों तख्तों पर योग्य गुरसिख को बैठाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि वे अब भी तख्त श्री दमदमा साहिब का पदभार छोड़ने को तैयार हैं। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने स्पष्ट किया कि राघव चड्ढा की इंगेजमेंट में जाने से कोई दूरियां नहीं बढ़ी हैं। राघव चड्ढा व परिणीति चोपड़ा की सगाई में जाना कोई बड़ी बात नहीं थी। अकाली नेता विरसा सिंह वल्टोहा द्वारा जत्थेदार के बारे में की गई टिप्पणी से आहत ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें वल्टोहा के बयान की जानकारी मिली थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा था कि श्री अकाल

तख्त साहिब का जत्थेदार बनने के लिए कथावाचक, ग्रंथी या विद्वान होना जरूरी नहीं है। जत्थेदार को सिर्फ दिलेर होना चाहिए। उन्होंने एसजीपीसी से मांग की कि विरसा सिंह वल्टोहा को ही श्री अकाल तख्त साहिब का जत्थेदार बना दें। वह बहुत दिलेर व्यक्ति हैं।

नहतों के टेलो तक पानी पहुंचाने के लिए प्रयास जारी : भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार राज्य की नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने के लिए वचनबद्ध है। मान ने धरती के अंदर के जल का प्रयोग के स्थान पर नहर के पानी का उचित प्रयोग की अपील की है। गुरुवार को यहां एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के अथक प्रयासों से फाजिल्का जिला के दूर-दूराज क्षेत्रों में पहले ही पानी पहुंचाया जा चुका है। मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने सूबे के नरमा काश्तकारों के साथ एक अप्रैल से नहरी पानी देने का वायदा किया था और निश्चित समय पर उनके खेतों तक पानी पहुंचाकर यह वादा पूरा किया गया है। जलस्तर तेजी से गिरने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां तक धरती निचले पानी का संबंध है, सूबे के लगभग सभी ब्लाक डार्क जोन (खतरे की स्थिति में) में हैं। मान ने कहा कि कृषि के लिए अंधा-धुंध पानी निकालने के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस रुझान को तुरंत रोकने की आवश्यकता है ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को पानी के संकट से न जूझना पड़े। उन्होंने कहा कि इसलिए नहरी पानी का उचित ढंग से प्रयोग करने से भू-जल पर बोझ कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार धरती के निचले पानी को बचाने के लिए नहरी पानी की अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए बड़े कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इस समय पंजाब अपने नहरी पानी का सिर्फ़ 33 प्रतिशत से 34 प्रतिशत प्रयोग हो रहा है और आने वाले दिनों में इसमें और इजाफा किया जाएगा। भगवंत मान ने उम्मीद प्रकट कि यदि पंजाब पहले पड़ाव में नहरी पानी के प्रयोग को 60 प्रतिशत तक बड़ा दिया जाए तो कुल 14 लाख में से करीब चार लाख ट्यूबवैल बंद हो सकते हैं जिससे पानी की बचत में मदद मिलेगी।

मनरेगा मजदूरों ने किया सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन

जींद (हिंस)। मनरेगा में हुई धांधली को लेकर गुरुवार को मनरेगा मजदूरों ने मनरेगा श्रमिक यूनियन के बैनर से गुरुवार को जिला परिषद सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इसमें जुलाना ब्लॉक के गांव देवरड़ए खरैंटी आदि गांव के मनरेगा मजदूरों ने भाग लिया। पिछले दिनों उक्त गांव में तालाब खुदाई का कार्य मनरेगा के तहत करवाया गया। जिसमें गांव के सैकड़ों मजदूरों ने काम किया। देवरड़ गांव के मजदूरों ने बताया कि उन्होंने 11 दिन काम किया। इसके बदले में सिर्फ सवा तीन दिन की मजदूरी मिली। इसका तब पता चलाए जब मजदूरों के पैसे खाते में आए। इसकी शिकायत जब संबंधित मनरेगा अधिकारी एबीपीओ जुलाना को की तो उन्होंने बताया कि काम ही इतना किया है। दोबारा से गांव के मनरेगा मजदूरों ने इसकी शिकायत जिला परिषद सीईओ जो मनरेगा के जिला अधिकारी भी हैं को 20 जून को की तो अधिकारी ने संबंधित ब्लॉक अधिकारी को काम की दोबारा पैमायश करने के लिए कहा और अधिकारी 21 जून को गांव में पहुंचे। उन्होंने दोबारा पैमायश करने की बजाय उल्टा मजदूरों को ही धमकाया और कहा कि तुमने ठीक से काम नहीं किया और ना ही काम पूरा किया है और मजदूरों को आगे काम देने से मना कर दिया। जबकि मजदूरों ने कहा कि हमें न तो ये पता कि पैमाइश कब हुई है। हमारी अनुस्थिति में पैमाइश की गई है और इसकी हमें जानकारी नहीं दी गई और ना ही काम के दौरान हमें किसी भी अधिकारी या मेट द्वारा काम के बारे में बताया। इस तरह के मामले जुलाना ब्लॉक के कई गांव में पहले भी आते रहे हैं जिस कारण मजदूरों ने आज दोबारा मनरेगा जिला अधिकारी के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मजदूरों ने दोबारा काम की पैमाइश की मांग की और मनरेगा के तहत काम मांगा। सीईओ जींद की अनुपस्थिति में मजदूरों का ज्ञापन मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी राकेश को सौंपा। अधिकारी ने मजदूरों को आश्वासन दिया कि 23 जून को ही काम की दोबारा पैमयइश एसडीओ पंचायती राज के माध्यम से करवा दी जाएगी और काम का मैंस्ट्रोल भी जारी कर दिया जाएगा। मजदूरों ने कहा कि समय रहते अगर हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आने वाली 30 जून को जिला भर के मनरेगा मजदूरों सहित निर्माण मजदूरों एवं गरीब परिवारों, परिवार पहचान पत्र, बीपीएल राशन कार्ड, मकान, स्वास्थ्य सुविधाओं आदि मांगों और समस्याओं को लेकर लेकर उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे।

मंत्री रणजीत चौटाला का दावा : मोदी तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री चौधरी रणजीत सिंह ने कहा है कि वर्ष 1984 के बाद किसी एक पार्टी को सिंगल बहुमत मिला है तो वह नरेंद्र मोदी की सरकार है। उन्होंने दावा किया नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन लोगों ने बना रखा है। आज प्रधानमंत्री मोदी का पूरी दुनिया में सम्मान है। ऊर्जा मंत्री गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरे लिए सम्मान की बात है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मेरे घर पहुंचे। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं, जो उन्होंने मुझे इतना सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि हरियाणा में 10 की 10 लोकसभा सीटें भाजपा जीतेगी। गठबंधन अभी तक ठीक चला है, आगे भी चलेगा, बाकी गठबंधन पर अंतिम फैसला भाजपा का है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में खंडित जनादेश था, सबसे पहला निर्दलीय विधायक मैं था, जिसने बिना किसी शर्त के अपना समर्थन भाजपा को दिया। उन्होंने कहा कि मुझे भाजपा ने वर्ष 2019 में लोकसभा के लिए ऑफर हुआ था, लेकिन मैंने लोकसभा चुनाव लड़ना ठीक नहीं समझा। आगे जो भी भूमिका भाजपा देगी, मैं उसे निभाउंगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में रणजीत सिंह ने कहा कि हरियाणा में बिजली की कोई किल्लत नहीं है।

राष्ट्रसंत ललितप्रभ, चंद्रप्रभ एवं शांतिप्रिय सागर का चातुर्मास प्रवेश 29 को

उदयपुर (हिंस)। राष्ट्रसंत ललितप्रभ, चंद्रप्रभ एवं डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज का उदयपुर में 29 जून को मंगल प्रवेश होगा। उन्हें शोभायात्रा के साथ नगर निगम के टाउन हॉल प्रांगण में बने विशाल पांडाल में लाया जाएगा। चातुर्मास संयोजक हंसराज चौधरी ने गुरुवार को बताया कि इस बार का चातुर्मास लोक कल्याणकारी चातुर्मास होगा। इस चातुर्मास में सर्व धर्म समाज को लाभान्वित करने वाले मंगल प्रवचन होगे। लोक कल्याणकारी चातुर्मास किसी एक धर्म के लिए नहीं बल्कि सर्वधर्म पर आधारित होगा। भारतीय पंचांग के अनुसार इस वर्ष श्रावण मास दो हैं। ऐसे में इस बार चातुर्मास 5 माह का होगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले गुरुदेव का 2011 में उदयपुर की पावन धरा पर चातुर्मास हुआ था। गुरुदेव के प्रवचन सर्वधर्म संस्कार एवं परिवार पर आधारित होंगे। गुरुदेव के प्रवचन प्रतिदिन प्रात: 8.45 से 10.30 बजे तक होंगे। प्रवचन का सिलसिला टाउन हॉल प्रांगण में 29 जून से 21 अगस्त तक चलेगा। इसके बाद यहां प्रवचन नहीं होंगे और गुरुदेव शहर की हर कॉलोनी में, हर संस्था में, हर स्कूल में, जहां जहां से गुरुदेव को आमंत्रण मिलेगा, वहां जाकर प्रवचन देंगे। श्री जैन श्वेतांबर वासुपूज्य मंदिर के सचिव तथा चातुर्मास समिति अध्यक्ष राज लोढ़ा ने बताया कि प्रवचन स्थल पर प्रतिदिन तीन चिकित्सकों डॉ. मुकेश बड़जात्या, डॉ. जौहरी एवं

डॉ. अरुण बापना की टीम मौजूद रहेगी। स्थल पर एम्बुलैंस एवं फायर ब्रिगेड की गाड़ी हर समय मौजूद रहेगी। सह संयोजक अनिल नाहर ने बताया कि गुरुदेव के मंगल प्रवेश से पूर्व प्रात: 8.30 बजे दादाबाड़ी से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो सूरजपोल चौराहा, झीणीरेत चौक, मार्शल चौराहा, धानमंडी, दिल्ली गेट, मध्य बापू बाजार होते हुए नगर निगम के टाउन हॉल प्रांगण में पहुंचेगी। जहां पर उनका भव्य मंगल प्रवेश होगा। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में 24 तीर्थंकरों की झांकियां, तीन बग्घियां, स्कूलों के बच्चे जो झंडिया लेकर साथ में चलेंगे। शोभायात्रा में बोहरा समाज सहित जैन समाज के कुल 5 बैंड रहेंगे। शोभायात्रा के दौरान 108 फीट लम्बा जैन ध्वज विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। इस बार विशेष तौर से शोभायात्रा में मेवाड़ी डांस भी होगा। उन्होंने बताया कि चातुर्मास में कोई वीआईपी कल्चर नहीं होगा। बैठने के लिए सभी के लिए समान व्यवस्थाएं होंगी। प्रवचन स्थल पर 20 हजार वर्गफीट में विशेष डोम पांडाल बनाया गया है जहां पर 5000 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। प्रचार प्रसार समिति के संयोजक वीरेंद्र सिरोया ने बताया कि लोक कल्याणकारी चातुर्मास 36 कौमों के लिए होगा। चातुर्मास में देशभर के विशिष्ट लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा। शहर में विभिन्न स्थानों पर बैनर, होर्डिंग लगाये जा रहे है। शोभायात्रा में पुरूष धवल वस्त्र पहने हुए होंगे। पिंकी मंडावत ने बताया कि इस चातुर्मास को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है। गुरुदेव के मंगल प्रवेश की शोभायात्रा में लगभग 2000 महिलाएं शामिल होंगी जो लाल चुनरी पहनकर सिर पर मंगल कलश धारण किए साथ चलेंगे। जो महिलाएं किसी कारणवश पैदल नहीं चल पाएंगी, वे सिर पर साफा बांधकर टू व्हीलर पर साथ चलेंगी। शोभायात्रा में स्कूटर, बाइक का भी उपयोग होगा। गजेंद्र भंसाली ने बताया कि इस चातुर्मास में पूरे उदयपुर को आमंत्रित किया गया है। इसमें हर समाज को आमंत्रण भेजा गया है। इस संबंध में सर्व समाज की बैठक भी हो चुकी है।

O.O.No. 79

SALE NOTICE

This is notified for general information that **5 (Five)** numbers of timber lots and fire wood lot (A-II, B-I, B-II, C & E) are for sale& will be e-auctioned as per date & time mentioned below with the following terms & conditions Interested individuals/Firms are hereby requested to inspect the forest produce before taking part in E-Auction Sale. Details may be obtained/seen in the O/o the undersigned before inspecting the lots concerned.

Sl. No.	Lot No & Year	Category	Nature of the Operation	Volume (in cum)	EMD	Govt. Value	Depot
1	GT/DO/6234/G/17 of 2022-23	B-I	Departmental Operated	17.600	2487.136	24871.36	Bishnupur temporary depot
2	GT/DO/6245/G/19 of 2022-23	B-I, B-II, E	Departmental Operated	14.678	2106.983	21069.83	Golaghat Range H/Q
3	GT/DO/6371/G/20 of 2023-24	A-II, B-II, E	Departmental Operated	17.430	2618.436	26184.36	Dergaon Depot
4	GT/DO/6373/G/21 of 2023-24	A-II, B-I, B-II, E	Departmental Operated	8.852	2373.780	23737.80	Dergaon Depot
5	GT/DO/6377/G/22 of 2023-24	A-II, B-I, B-II, E	Departmental Operated	3.265	699.994	6999.94	SGCLL Camp Telishal
6	GT/DO/6379/G/23 of 2023-24	Firewood	Departmental Operated	28.000	280.000	2800.00	SGCLL Camp Telishal
7	GT/S/6387/G/24 of 2023-24	B-I, C, E	Seized	7.040	1944.900	19449.00	Golaghal Range H/Q

Bidders intending to participate in the e-tender are required to visit *http:: www.assamforestonline.in* for further details.

The details of eligibility criteria experience, e-auction schedule and other terms and conditions are available in the e-auction document which can be purchased and downloaded by the bidders from the above portal as per the schedule given below. Online Bidding will commence from **22/06/2023** and last date for submission of online bid is **14/07/2023. (At 5.00 PM)**

Sl. No.	Stage Name	Stage By	Start Date and time & end Date and Time
1	ONLINE RELEASE OF AUCTION	FOREST DEPARTMENT	22/06/2023 10.00 AM
2	AUCTION DOCUMENT PURCHASE	BIDDER	22/062023 10.00 AM
3	LAST DATE FOR DEPOSIT OF TECHNICAL BID AND FINANCIAL BIDDING	FOREST DEPARTMENT	14/07/2023 AT 5.00 PM
4	E-AUCTION CLOSING	BIDDER	14/07/2023 AT 4.00 PM
5	TECHNICAL BID RESULT	FOREST DEPARTMENT	17/07/2023 AT 1.00 PM
6	RESULT OF QUALIFYING BIDDERS	FOREST DEPARTMENT	TO BE ANNOUNCED LATER.
7	FINANCIAL RESULT OF E-AUCTION	FOREST DEPARTMENT	TO BE ANNOUNCED LATER.

Divisional Forest Officer
Golaghal Division
Golaghat

-- Janasanyog /C/4947/23

मुसीबत में क्या-क्या कर रहा है पड़ोसी, कराची बंदरगाह के टर्मिनल बेचेगा यूएई को

नई दिल्ली ।

खबर है कि पाकिस्तान कराची बंदरगाह पर स्थित टर्मिनलों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सौंप देने पर विचार कर रहा है। ऐसा वह यूएई से आर्थिक सहायता पाने के लिए करेगा। पाकिस्तान सरकार ने पिछले साल एक कानून पारित कराया था, जिसमें सरकारी संपत्तियों को किसी अन्य देश को सौंपने का अधिकार उसे मिल गया। समझा जाता है कि उस कानून के तहत यह पहला सौदा होगा। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने हाल में एक आपात समिति का गठन किया, जिसे बंदरगाह के टर्मिनलों के सौदे पर बातचीत आगे बढ़ाने का काम सौंपा गया है। उसके पहले पाकिस्तान सरकार और यूएई सरकार के बीच बातचीत हुई थी। मीडिया रिपोर्टों के बारे में अभी इस बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसलिए इस बारे में भ्रम बना हुआ है। कुछ खबरों में कहा गया है कि पाकिस्तान यूएई को टर्मिनलों का सिर्फ संचालन अधिकार बेचेगा। जबकि कुछ खबरों में कहा गया है कि टर्मिनलों की पूरी बिक्री की जाएगी। कराची बंदरगाह अरब सागर में स्थित है। यह ओमान की खाड़ी के पूरब में स्थित है। पाकिस्तान का यह सबसे बड़ा बंदरगाह है, जहां से समुद्री मार्ग से होने वाला पाकिस्तान का लगभग 60 फीसदी आयात-निर्यात होता है। यह सौदा होने के बाद पाकिस्तान के साथ यूएई का संभार-तंत्र (लॉजिस्टिक्स) संबंधी रिश्ता काफी मजबूत हो जाएगा। यूएई के एक अधिकारी ने कहा है कि संचालन यूएई के हाथ में जाने के बाद ओमान की खाड़ी के रास्ते आने-जाने वाले जहाज अधिक तेज गति से यात्रा पूरी कर पाएंगे। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था ढहने के कगार पर है। देश में महंगाई आसमान पर है और विदेशी मुद्रा का भंडार गिरता जा रहा है। अगर चीन से मदद ना मिली होती, तो पाकिस्तान अब तक डिफॉल्ट करने (कर्ज चुकाने में अक्षम) के लिए मजबूर हो चुका था। इसी आर्थिक संकट के कारण पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने अपनी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए रूस से कच्चे तेल का आयात शुरू कर दिया है। यह तेल उसे विश्व बाजार की तुलना में रियायती दर पर मिल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई अमृत-कलश स्कीम में 15 अगस्त तक कर सकेंगे निवेशः इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60प्रतिशत और अन्य को मिल रहा 7.10प्रतिशत सालाना ब्याज

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने स्पेशल फिक्स डिपॉजिट स्कीम अमृत कलश की लास्ट डेट बढ़ा दी है। अब इसमें 15 अगस्त 2023 तक निवेश किया जा सकेगा। इससे पहले 30 जून को इसमें निवेश करने की आखिरी तारीख खत्म हो रही थी। इस स्कीम के तहत सीनियर सिटिजन को एफडी पर 7.60प्रतिशत और अन्य को 7.10प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है। ऐसे में अगर आप एफडी पर ज्यादा ब्याज चाहते हैं तो इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। हम आपको इसके बारे में बता रहे हैं। अमृत कलश एक स्पेशल रिटेल टर्म डिपॉजिट यानी एफडी है। इसमें सीनियर सिटीजन को 7.60प्रतिशत और आम नागरिकों को 7.1प्रतिशत के दर से इंटरेस्ट रेट मिलता है। इसमें अधिकतम 2 करोड़ रुपए की एफडी करा सकते हैं। अमृत कलश स्कीम के तहत आपको ब्याज का भुगतान प्रति महीना, प्रति तिमाही और हर छमाही किया जाता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एफडी ब्याज का पेमेंट तय कर सकते हैं। इस स्कीम में निवेश करने के लिए आप बैंक के ब्रांच जाकर भी निवेश कर सकते है। वहीं नेटबैंकिंग और एसबीआई ऐप के जरिए भी इसमें निवेश किया जा सकता है। अमृत कलश पर आम एफडी की तरह ही लोन लेने की सुविधा भी मिलती है। एसबीआई ने अपनी एक अन्य स्पेशल टर्म डिपॉजिट स्कीम वीकेयर की लास्ट डेट को भी आगे बढ़ाया है। अब इस स्कीम में 30 सितंबर 2023 तक निवेश किया जा सकता है।

एनपीएस के नियम बदल सकती है सरकारः सरकारी कर्मचारियों को मिनिमम एश्योर्ड पेंशन देने के फॉर्मूले पर काम कर रहा केंद्र

नई दिल्ली। ओल्ड पेंशन स्कीम की बढ़ती मांग के बीच केंद्र सरकार कर्मचारियों को मिनिमम एश्योर्ड पेंशन की गारंटी देने के लिए नेशनल पेंशन सिस्टम के नियमों में बदलाव कर सकती है। सरकार एनपीएस के नियमों में बदलाव करके कर्मचारियों को 40प्रतिशत से 45प्रतिशत एश्योर्ड मिनिमम पेंशन देने के नए फॉर्मूले पर काम कर रही है। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों के रिटायरमेंट से पहले जो आखिरी सैलरी मिलेगी, उसके आधार कर्मचारियों की मिनिमम पेंशन तय हो सकती है। 6 अप्रैल को फाइनेंस मिनिस्ट्री ने कहा था कि नेशनल पेंशन स्कीम का रिव्यू करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी के रिव्यू के बाद सरकार फैसला लेगी कि पुरानी पेंशन स्कीम को वापस लागू किया जाना चाहिए या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, अभी फाइनेंस सेक्रेटरी की लीडरशिप में बनी यह कमेटी एनपीएस का रिव्यू कर रही है।

इंस्टाग्राम पर जल्द रील्स डाउनलोड कर सकेंगे यूजसः अमेरिका में कंपनी ने फीचर रोलआउट किया, भारतीयों को अभी इंतजार करना होगा

नई दिल्ली। शॉर्ट वीडियो और इमेज शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने अमेरिका में रील्स डाउनलोड फीचर

रोलआउट कर दिया है। इस फीचर के जरिए यूजर्स थर्ड पार्टी ऐप को यूज किए बिना रील्स डाउनलोड कर पाएंगे। इंस्टाग्राम के हेड एडम मोसेरी ने अपने ब्रॉडकास्ट चैनल पर लिखा,अमेरिका में हम पब्लिक अकाउंट के जरिए शेयर किए गए रील्स को आपके कैमरा रोल में डाउनलोड करने का फीचर रोलआउट कर रहे हैं। एडम मोसेरी ने बताया है कि प्राइवेट अकाउंट के जरिए शेयर किए गए रील्स को डाउनलोड नहीं किया जा सकता है। वहीं, पब्लिक अकाउंट वाले यूजर्स रील्स डाउनलोड करने के फीचर को अकाउंट सेटिंग से ऑफ कर सकते हैं, जिससे रील्स डाउनलोड ऑप्शन डिसेबल हो जाएगा। रील्स इंस्टाग्राम करने के लिए सबसे पहले उस रील को ओपन करें जिसे डाउनलोड करना चाहते हैं।

फिच ने भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी देश की जीडीपी

नई दिल्ली।

फिच रेटिंग्स ने 22 जून (गुरुवार) को मौजूदा फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.3प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले फिच ने भारत की जीडीपी की ग्रोथ रेट का अनुमान 6प्रतिशत बताया था।

फिच ने क्यों बदला भारत की जीडीपी की ग्रोथ रेट का अनुमान

रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग के अनुमान बदलने का मुख्य कारण यह है कि पहली तिमाही में भारत के लिए ग्रोथ के रिजल्ट्स काफी अच्छे रहे हैं और नियर-टर्म का मोमेंटम भी अच्छा ही बना हुआ है। पिछले फाइनेंशियल ईयर 2022-2023 में जीडीपी 7.2प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। इससे पहले फाइनेंशियल ईयर 2021-2022 में भारत की जीडीपी में 9.1प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हुई थी।

ऑटोसेल्स सर्वे और क्रेडिट ग्रोथ मजबूत बनी हुई है

रेटिंग एजेंसी ने कहा, भारत की इकोनॉमी ब्रॉड-बेस्ड स्ट्रेंथ दिखा रही है। (जनवरी-मार्च) में जीडीपी में साल-दर-साल 6.1प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। हाल के महीनों में ऑटोसेल्स, पीएमआई सर्वे और क्रेडिट ग्रोथ मजबूत बनी हुई है। यही कारण है कि हमने अपना पूर्वानुमान बढ़ा दिया है। मार्च 2024 में समाप्त होने वाले फाइनेंशियल ईयर के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान अब 0.3प्रतिशत बढ़ाकर 6.3प्रतिशत कर दिया है।

एफवाय 2024-25 और 2025-26 में ग्रोथ रेट 6.5प्रतिशत रहने का अनुमान

फिच ने कहा कि फाइनेंशियल ईयर 2024-25 और 2025-26 में भारतीय इकोनॉमी की ग्रोथ रेट 6.5प्रतिशत रहने का अनुमान है। मार्च में फिच ने कम ग्लोबल डिमांड के साथ-साथ बढ़ी हुई इन्फ्लेशन और इंटरेस्ट रेट्स से बनी कंडीशंस का हवाला देते हुए 2023-24 के लिए अपना पूर्वानुमान 6.2प्रतिशत से घटाकर 6प्रतिशत किया था।

मैन्युफेक्चरिंग में रिकवरी देखने को मिल रही है

रेटिंग एजेंसी ने जनवरी-मार्च में जीडीपी ग्रोथ को उम्मीद से ज्यादा बताते हुए कहा कि लगातार दो तिमाही कम रहने के बाद अब मैन्युफेक्चरिंग में रिकवरी देखने को मिल रही है। कंस्ट्रक्शन से बढ़ावा और फॉर्म आउटपुट में भी ग्रोथ देखने को मिली है। एक्सपेंडिचर के टर्म में बात करें तो जीडीपी की ग्रोथ डोमेस्टिक डिमांड और नेट ट्रेड में ग्रोथ से प्रेरित है।

जीडीपी क्या है

जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं उन्हें भी शामिल किया जाता है। जब इकोनॉमी हेल्दी होती है, तो आमतौर पर बेरोजगारी का लेवल कम होता है।

दो तरह की होती है जीडीपी

जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी रियल जीडीपी में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। यानी 2011-12 में गुड्स और सर्विस के जो रेट थे उस हिसाब से कैलकुलेशन। वहीं नॉमिनल जीडीपी का कैलकुलेशन करेंट प्राइस पर किया जाता है।

कैसे कैलकुलेट की जाती है जीडीपी

जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए एक फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाता है। यहां सी का मतलब है प्राइवेट कंजम्पशन, जी का मतलब गवर्नमेंट स्पेंडिंग, आई का मतलब इन्वेस्टमेंट और एनएक्स का मतलब नेट एक्सपोर्ट है।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट जारीः इस महीने अब तक 1400 से ज्यादा सस्ता हुआ गोल्ड, 44 हजार पर आई 18 कैरेट सोने की कीमत

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 207 रुपए गिरकर 58,670 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,742 रुपए हो गई है। इस महीने अब तक सोने की कीमत में 1,400 रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 1,380 रुपए सस्ती होकर 68,753 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 70,133 रुपए पर थी।

विश्व की 100 उभरती प्रौद्योगिकी स्टार्टअप में शामिल हुईं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 100 सबसे उभरती प्रौद्योगिकी स्टार्टअप सूची में गिफ्टोलेक्सिया सॉल्यूशंस व जैकमैज टेक्नोलॉजी समेत चार भारतीय कंपनियां भी जगह बनाने में कामयाब हुईहैं। इन्हें पर्यावरण अनुकूल, उन्नत विनिर्माण और समावेशी स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय प्रगति के मानकों के आधार पर चुना गया है। अन्य भारतीय कंपनियां इवोल्यूशनक्यू और नेक्स्ट बिग इनोवेशन लैब्स हैं। इवोल्यूशनक्यू क्वॉन्टम-सुरक्षित साइबर सुरक्षा उत्पाद प्रदान करती है ताकि ग्राहकों को उनके नेटवर्क में क्वॉन्टम तकनीक अपनाने में मदद मिले। गिफ्टोलेक्सिया सॉल्यूशंस स्कूली बच्चों में डिस्लेक्सिया के खतरे को पहचानने के लिए स्क्रीन उपकरण वाली प्रौद्योगिकी बना रही है। इस सूची में 31 देशों के स्टार्टअप को शामिल किया गया है। सबसे ज्यादा 29 कंपनियां अमेरिका से हैं।

टाटा पावर देश का सबसे आकर्षक नियोक्ता ब्रांड

टाटा पावर कंपनी देश का सबसे आकर्षक नियोक्ता ब्रांड बन गई है। अमेजन दूसरे व टाटा स्टील तीसरे स्थान पर है। बिगबास्केट सबसे आकर्षक स्टार्टअप नियोक्ता ब्रांड बनकर उभरी है। रैंडस्टैड इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शीर्ष-10 में टीसीएस, माइक्रोसॉफ्ट, सैमसंग इंडिया, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, आईबीएम और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल।

डब्बा कारोबार करने के आरोप में शेयर ब्रोकर गिरफ्तार, सिर्फ तीन महीने का टर्नओवर 4,672 करोड़ रुपये

नई दिल्ली । पुलिस ने 45 वर्षीय एक शेयर ब्रोकर को गिरफ्तार किया है उस पर करीब तीन महीने में 4,672 करोड़ रुपये के लेनदेन के साथ कथित तौर पर अवैध डब्बा कारोबार में लिप्त रहने का आरोप है। डब्बा ट्रेडिंग शेयरों में ट्रेडिंग का एक अवैध रूप है, जहां ऑपरेटर लोगों को स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के बाहर इक्विटी में कारोबार करने की सुविधा देते हैं। सरकार को कथित तौर पर 1.95 करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया, कांदिवली से गिरफ्तार पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को उपनगर कांदिवली से गिरफ्तार आरोपी जतिन सुरेशभाई मेहता ने प्रतिभूति लेनदेन कर, पूंजीगत लाभ कर, राज्य सरकार के स्टांप ड्यूटी शुल्क, सेबी टर्नओवर शुल्क और स्टॉक एक्सचेंज टर्नओवर राजस्व जैसे विभिन्न करों का भुगतान नहीं करके सरकार को कथित तौर पर 1.95 करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया।

भारत 2028 तक बनेगा दुनिया में सबसे तेज बढ़ने वाला 5जी बाजार, बड़े पैमाने पर लग रहा नेटवर्क

नई दिल्ली ।

भारत 2028 के अंत तक दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला 5जी बाजार बन जाएगा। इस अवधि तक देश के 70 करोड़ लोग 5जी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करेंगे, जो कुल मोबाइल ग्राहकों का करीब 57 फीसदी होगा। 2022 तक एक करोड़ स्मार्टफोन धारक 5जी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहे थे। एरिक्सन की ओर से जारी मोबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में अक्तूबर, 2022 में शुरुआत होने के बाद 5जी दूरसंचार सेवाओं का बहुत तेजी से विस्तार हो रहा है। इस दौरान भारतीय दूरसंचार बाजार में डिजिटल इंडिया मुहिम के तहत बड़े पैमाने पर 5जी नेटवर्क खड़ा किया जा रहा है। शुरुआत के चंद महीनों में ही 5जी ग्राहकों की संख्या एक करोड़ के स्तर पर पहुंच गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अगले पांच साल में मोबाइल यूजर्स की कुल संख्या 1.2 अरब पहुंच जाएगी। इनमें से अधिकतर लोग 5जी का इस्तेमाल करेंगे। इसके साथ ही 2028 तक वैश्विक 5जी बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 15 फीसदी से ज्यादा हो जाएगी। इस अवधि तक दुनियाभर में 4.6 अरब लोग 5जी का इस्तेमाल करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ बाजारों में भू-राजनीतिक चुनौतियों व व्यापक आर्थिक मंदी के बावजूद वैश्विक स्तर पर संचार सेवा प्रदाताओं ने 5जी प्रौद्योगिकी में निवेश करना जारी रखा है। 2023 अंत तक 5जी सेवा का इस्तेमाल करने वाले मोबाइल फोन ग्राहकों की संख्या वैश्विक स्तर पर 1.5 अरब हो जाएगी। वर्तमान में दुनियाभर में एक अरब से अधिक लोग 5जी सेवा का इस्तेमाल करते हैं। 2022 अंत तक भारत में 82 करोड़ ग्राहकों के साथ 4जी की बाजार हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। 5जी का इस्तेमाल बढ़ने से 2028 अंत तक देश में 4जी ग्राहकों की संख्या 32 करोड़ घटकर 50 करोड़ रह जाएगी। दूरसंचार कंपनियों के राजस्व में उछाल : दुनिया के हर क्षेत्र में 5जी यूजर्स की संख्या बढ़ रही है। दो साल में शीर्ष-20 बाजारों में 5जी सेवा की शुरुआत हुई है। इससे अग्रणी 5जी बाजारों में दूरसंचार कंपनियों के राजस्व में 7 फीसदी वृद्धि हुई है। आगे भी इसमें तेज बढ़ोतरी की संभावना है। दुनिया में 240 संचार सेवाप्रदाताओं ने वाणिज्यिक 5जी सेवाएं शुरू की हैं। 100 से अधिक सेवाप्रदाता 5जी की फिक्स्ड वायरलेस सेवा दे रहे हैं।

जुकरबर्ग ने मस्क का केज फाइट चैलेंज एक्सेप्ट किया: मेटा सीईओ ने लोकेशन मांगी, मस्क ने जवाब दिया- वेगास ऑक्टागन

वॉशिंगटन।

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की केज फाइट होने वाली है। जुकरबर्ग ने इस फाइट के लिए एलन मस्क का चैलेंज एक्सेप्ट कर लिया है। एलन मस्क के ट्वीट का जवाब देते हुए जुरकबर्ग ने कहा, सेंड मी लोकेशन। यानी मुझे केज फाइट की लोकेशन भेजें। मस्क ने दो शब्दों में इसका जवाब दिया: वेगास ऑक्टागन। मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी। डेली मेल ने इससे जुड़ी एक रिपोर्ट पब्लिश की। इसकी हेडलाइन थी- मार्क जुकरबर्ग मास्टरप्लान टु किल ऑफ ट्विटर रिवील्ड। एएलएक्स नाम के ट्विटर यूजर ने इसका स्क्रीनशॉट ट्विटर पर शेयर किया था। इस स्क्रीनशॉट पर रिएक्ट करते हुए मस्क ने जुकरबर्ग को चिढ़ाने के लिए ज़क माई लिखा। इसके बाद मारियो नाफवाल नाम के एक ट्विटर हैंडल से जुकरबर्ग के नए प्लेटफॉर्म से जुड़ी

और डीटेल्स शेयर की गई। मारियो नाफवाल को एलन मस्क फॉलो भी करते हैं। इसमें कहा गया कि मेटा के नए ऐप का नाम थ्रेड हो सकता है। मेटा वही कंपनी है जिसने स्नैपचैट, टिकटॉक, स्टम्बलअपॉन, फोरस्क्वेयर, बेरियल और क्लबहाउस की कॉपी की। रिप्लाई में नाम के ट्विटर हैंडल ने लिखा- बेहतर होगा मस्क सावधान रहें... मैंने सुना है कि वह अब जू-जित्सु कर रहे हैं। जू-जित्सु अनआर्म्ड कॉम्बेट और फिजिकल ट्रेनिंग की जापानी तकनीक है। जवाब में मस्क ने लिखा- मैं केज फाइट के लिए तैयार हूं। मार्क ने इंस्टा पर रिएक्ट किया- सेंड मी लोकेशन। मस्क ने कहा: वेगास ऑक्टागन। 51 वर्षीय मस्क फिजिकल शेप के मामले में जुकरबर्ग पर भारी हैं। वह साउथ अफ्रीका में बड़े हुए हैं। वहां उन्होंने रियल हार्ड-कोर स्ट्रीट फाइट्स में शामिल होने की बात कही थी। वहीं 39 साल के जुकरबर्ग एक एस्पिरेशनल एमएमए फाइटर हैं जिन्होंने पहले ही जू-जित्सु टूर्नामेंट जीते हैं। उन्होंने हाल ही में मर्फ चैलेंज वर्कआउट को 40 मिनट से कम समय में पूरा किया था। दुनिया के ये दो बड़े कारोबारी क्या सच में वेगास ऑक्टागन में मिलने वाले हैं या ये सिर्फ मजाक है... ये तो अभी साफ नहीं है, लेकिन मस्क की पोस्ट पर कमेंट बॉक्स मजेदार मीम्स से भर गया है। एक यूजर ने मस्क की तस्वीर पोस्ट की जिसमें वह हल्क की तरह दिख रहे हैं। एक यूजर ने जुरकबर्ग की ट्रेनिंग का वीडियो शेयर किया।

गूगल भारत में शुरू करेगा पिक्सल स्मार्टफोन का प्रोडक्शन

सप्लायर्स की तलाश कर रही कंपनी, घरेलू कंपनियों लावा और डिक्सन से चल रही बात

नई दिल्ली ।

अल्फाबेट की सब्सिडरी दिग्गज टेक कंपनी गूगल भारत में पिक्सल स्मार्टफोन का प्रोडक्शन शुरू कर सकता है। इसके लिए कंपनी सप्लायर की तलाश कर रही है। गूगल ने कुछ कंपनियों के साथ बातचीत शुरू की है। इनमें भारत की घरेलू कंपनियां लावा इंटरनेशनल लिमिटेड और डिक्सन टेक्नोलॉजी लिमिटेड शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन कंपनियों के अलावा गूगल फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप की भारतीय यूनिट, भारत एफआईएच के साथ भी बात कर रही है।

दूसरे हार्डवेयर का प्रोडक्शन भी शिफ्ट हो सकता है

रिपोर्ट के अनुसार, अगर कंपनियों के बीच बातचीत डील में बदलती है, तो गूगल को भारत में लोकल असेंबली के जरिए पिक्सल स्मार्टफोन की बिक्री को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा गूगल भारत में दूसरे हार्डवेयर जैसे स्पीकर्स का प्रोडक्शन भी शिफ्ट कर सकती है। फिलहाल गूगल, लावा, डिक्सन की ओर से इस पर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

मंत्री अश्विनी वैष्णव और सुंदर पिचाई की मुलाकात हुई

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले महीने गूगल सीईओ सुंदर पिचाई से कैलिफोर्निया में माउंटेनव्यू स्थित कंपनी के हेडक्वाटर में मुलाकात की थी। उन्होंने भारत में लोकल मैन्युफैक्चरिंग अभियान को लेकर चर्चा की।

वहीं इस महीने गूगल के कुछ अधिकारियों ने पार्टनरशिप को लेकर भारत का दौरा किया था। इनमें उसकी कंज्यूमर हार्डवेयर यूनिट के ऑपरेटिंग चीफ ग्लोबल सस्टेनिंग प्रोडक्ट ऑपरेशंस के सीनियर डायरेक्टर शामिल थे।

चीन के विकल्प में भारत को देख रही ग्लोबल कंपनियां

गूगल का यह कदम उन ग्लोबल कंपनियों की तरह है, जो अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वॉर और कोविड लॉकडाउन की वजह से प्रभावित हो रहे प्रोडक्शन को ट्रैक पर लाने के लिए चीन के विकल्प की तलाश कर रही हैं।

वहीं भारत मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटीज के लिए एक अट्रेक्टिव डेस्टीनेशन के रूप में उभरा है, जिसे कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में मान रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दुनियाभर में भारत को मैन्युफैचरिंग हब के तौर पर पेश कर रहे हैं।

एपल की तरह चीन के बाहर एक्सपेंशन करने की प्लानिंग

एपल की तरह गूगल भी चीन के बाहर कंपनी के एक्सपेंशन की प्लानिंग कर रही है। एपल ने भारत में प्रमुख सप्लायर्स में से एक फॉक्सकॉन के साथ भारतीय यूनिट के लिए पहले ही पार्टनरशिप कर ली है। इस फैसले से एपल को अपने प्रोडक्शन बेस को डायवर्सीफाय करने और एक ही मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता कम करने मदद मिली है।

एपल ने भारत में अपना सप्लायर बेस बढ़ाया

कंपनी जिन संभावित पार्टनर्स से बात कर रही है, वो भारत सरकार के प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव्स को हासिल कर चुकी हैं। इससे देश में लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिला है। एपल ने इसी पहल की मदद से भारत में अपना सप्लायर बेस बढ़ाया है। फाइनेंशियल ईयर-2023 में आईफोन का आउटपुट तीन गुना बढ़कर 7 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है।

इवेंट में लॉन्च किया था पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन

गूगल ने इवेंट में अपना पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन पिक्सल फोल्ड और पिक्सल टैबलेट ग्लोबल मार्केट के लिए लॉन्च किया था। वहीं, 5जी स्मार्टफोन पिक्सल 7 को भारत में लॉन्च किया था। कंपनी ने तीनों डिवाइस में परफॉर्मेंस के लिए गूगल टेन्सर जी2 प्रोसेसर दिया है।

गूगल पिक्सल फोल्ड : स्पेसिफिकेशन्स - गूगल पिक्सल फोल्ड में 1840×2208 पिक्सल रेजोल्यूशन के साथ 7.6 इंच की मेन डिस्प्ले और 6.2 इंच का कवर डिस्प्ले दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए स्मार्टफोन में ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 48एमपी का मैन कैमरा, 10एमपी अल्ट्रा वाइड लेंस और 10एमपी का टेलीफोटोस लेंस शामिल है। वहीं, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 10एमपी का फ्रंट कैमरा दिया गया है। हालांकि कंपनी ने पिक्सल फोल्ड के ऑपरेटिंग सिस्टम का खुलासा नहीं किया है, लेकिन संभावना है कि फोन पर चलता है।

प्रभास के साथ संजय दत्त करेंगे अनाम फिल्म में अभिनय

-फिल्म का बजट होगा 250 करोड़

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के सुपर स्टार प्रभास इन दिनों अपनी अगली फिल्मों के चलते लोगों का ध्यान खींचने में सफल हो रहे हैं। निर्देशक मारुति अपनी अगली फिल्म में प्रभास के साथ संजय दत्त को साइन किया है। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है तभी से प्रशंसक इस फिल्म के शीर्षक की आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का शीर्षक रॉयल बताया जा रहा था लेकिन कहा जा रहा है कि यह सही नहीं है, क्योंकि निमार्ताओं ने अभी तक शीर्षक पर कोई फैसला नहीं किया है। इसके साथ ही इसके बजट को लेकर भी काफी अफवाहें उड़ रही हैं। कहा जा रहा है कि यह प्रभास की सबसे लो बजट की फिल्म होगी, जिसे 50 करोड़ की लागत में पूरा किया जाएगा। इस बारे में बताया है कि यह एक बड़े बजट की फिल्म है जिसे लगभग 250 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। गौरतलब है कि संजय दत्त का पहला दक्षिण सहयोग पिछले साल फिल्म निर्देशक प्रशांत नील के केजीएफ चैप्टर 2 के साथ हुआ, जहां उन्होंने अधीरा का नकारात्मक किरदार निभाया। केजीएफ फ्रैंचाइजी की दूसरी फिल्म जिसमें यश ने मुख्य भूमिका निभाई थी, पूरे भारत में एक बड़ी हिट बन गई। अगली बार संजय दत्त शाहरुख खान स्टारर जवान में नजर आएंगे। एटली कुमार द्वारा निर्देशित और 7 सितंबर को रिलीज होने वाली इस पैन इंडिया फिल्म में संजय दत्त कैमियो करेंगे।

कियारा आडवाणी वॉर-2 में आएंगी नजर

-ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर भी है फिल्म में

मुंबई (ईएमएस)। अफवाहें हैं कि बालीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी प्रसिद्ध वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स में प्रवेश कर रही हैं। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर भी हैं। कियारा को जाहिर तौर पर आदित्य चोपड़ा ने अपनी टेंटपोल स्पाई थ्रिलर वॉर 2 के लिए चुना है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं, जिन्हें हिंदी सिनेमा में बड़ी ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाना जाता है। सूत्र ने खुलासा किया, ह्लजहां तक वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स और वॉर 2 का विचार किया जाता है, कियारा आडवाणी टीम के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स एक था टाइगर, टाइगर ज़िंदा है, वॉर और पठान जैसी सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक लीग है और इस फ्रैंचाइजी से आने वाली प्रत्येक फिल्म से उम्मीदें आसमान छू रही हैं। उन सुपरस्टार्स को देखें जिन्होंने इस ब्रह्मांड की शोभा बढ़ाई है। यह भारत में सबसे प्रतिष्ठित फिल्म बैनर है जिसमें देश के सबसे बड़े और बेहतरीन सुपरस्टार हैं। कियारा इस समय शीर्ष पर हैं और आदित्य चोपड़ा उसे वॉर 2 के अपने बैनर के साथ जोड़ रहे है, जो इस बात का संकेत है।आदित्य चोपड़ा इस फिल्म को इस देश की अब तक की सबसे तेज और बेहतरीन एक्शन एंटरटेनर बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस ब्रह्मांड में अयान और आदित्य चोपड़ा कियारा आडवाणी को युद्ध-2 में कैसे पेश करते हैं यह देखना वाकई रोमांचक होगा। स्पाई यूनिवर्स की सभी नायिकाओं ने भारतीय सिनेमा पर एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी है। अब, कियारा की बारी है और हम सभी जानते हैं कि वह वॉर 2 के साथ स्क्रीन पर एक बड़ा प्रभाव छोड़ सकती हैं। सूत्र कहते हैं, वॉर 2 में अभी सबसे हॉट कास्ट है। इसमें ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और अब कियारा आडवाणी जैसे तीन सुपरस्टार हैं। फिर आपके पास देश के सबसे प्रतिभाशाली युवा निर्देशक अयान मुखर्जी हैं, जो वॉर 2 का निर्देशन कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई भारतीय लड़के के परिवर्तन के इर्द-गिर्द घूमती है फिल्म

जल्द ही मूवी हिंदी-विंदी में नजर आएंगी नीना गुप्ता

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता जल्दी ही फिल्म हिंदी-विंदी में नजर आएंगी। उनका कहना है कि यह फिल्म एनआरआई दर्शकों के सामने हिंदी को सबसे आगे लाती है। फिल्म एनआरआई के इर्द-गिर्द बनी है, जिन्होंने वैश्विक मंच पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। एक्ट्रेस इस फिल्म में दादी की भूमिका निभाएंगी, जो ऑस्ट्रेलिया में अपने पोते कबीर से मिलने जाती हैं। फिल्म एक ऑस्ट्रेलियाई-भारतीय लड़के के परिवर्तन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दिखाया जाएगा कि वह कैसे हिंदी सीखता है और कैसे वह अपनी सांस्कृतिक पहचान को अपनाता है। फिल्म में नीना गुप्ता दादी, मिहिर आहूजा कबीर के रूप में नजर आएंगे। नीना गुप्ता ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैं फिल्म हिंदी-विंदी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए खुश हूं। हिंदी मेरे दिल के करीब है और यह फिल्म हिंदी को एनआरआई दर्शकों के सामने लाती है। मैं युवा और प्रतिभाशाली फिल्म निमार्ताओं अली, जयंत और अनिकेत के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। टीम को दिलचस्प कहानियां सुनाने का शौक है। मैं ऑस्ट्रेलिया में शूटिंग को लेकर उत्साहित हूं। फिल्म का निर्देशन अली सईद करेंगे। इसकी पटकथा जय शर्मा ने लिखी है। फिल्म की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में होगी। हिंदी विंदी फिल्म का निर्माण अनिकेत देशाकर करेंगे। जावेद-मोहसिन संगीत देंगे। ऑस्ट्रेलियाई फिल्म प्रोडक्शन 24सिक्स फिल्म्स, भारत स्थित शाह एंटरटेनमेंट मीडिया (एसईएम) द्वारा निर्मित और स्क्रीन ऑस्ट्रेलिया द्वारा समर्थित, यह फिल्म मई 2024 में रिलीज होगी।

मुझे शादी करनी है और सही समय पर होगी : कंगना

बालीवुड की पंगा क्वीन के नाम से मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी शादी की योजनाओं के बारे में बात की। कंगना ने कहा कि हर चीज के लिए अपना समय होता है, और अगर मेरे जीवन में वह समय आना है तो वह आएगा। मुझे शादी करनी है और अपना खुद का परिवार चाहिए... लेकिन, सही समय पर यह होगा। मालूम हो कि हाल ही में फिल्म के निमार्ताओं ने मूवी का ट्रेलर लॉन्च किया है, जिसे दर्शकों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है। ट्रेलर में एक असामान्य जोड़े की जीवन की भागादौड़ दिखाई गई है, एक जूनियर कलाकार और एक मशहूर अभिनेता के बीच जो अपने इच्छाओं को पूरा करने के लिए मुंबई शहर में संघर्ष करते हुए एक यात्रा शुरू करते हैं। इसके अलावा, उन्हें चंद्रमुखी 2 में मुख्य भूमिका मिलेगी। यह फिल्म पी वासु द्वारा निर्मित है, और यह तमिल हॉरर कॉमेडी चंद्रमुखी का अनुवाद है, जिसमें रजनीकांत और ज्योतिका मुख्य भूमिका में थे। चंद्रमुखी-2 में कंगना एक नर्तकी की भूमिका निभाएंगी, जो राजा के दरबार में रहती हैं, जो सुंदरता और नृत्य कौशल की वजह से मशहूर है।

ब्रिटिश संसद में सम्मानित होंगे करण जौहर

-20 जून को होंगे बालीवुड फिल्म निमार्ता का सम्मान

मुंबई (ईएमएस)। आगामी 20 जून को फिल्म निमार्ता करण जौहर को ब्रिटिश संसद में लॉर्ड्स और संसद सदस्यों की उपस्थिति में वैश्विक मनोरंजन उद्योग में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। यूनाइटेड किंगडम की संसद के दोनों सदनों, हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स दोनों के लिए मिलन स्थल है। जौहर का यूनाइटेड किंगडम के साथ एक विशेष संबंध है, जिसने देश भर में कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, और ऐ दिल है मुश्किल जैसी कई प्रस्तुतियों को फिल्माया है।उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्में कभी खुशी कभी गम और माई नेम इज खान यूके बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्में बन गईं, जिन्होंने नए रिकॉर्ड स्थापित किए। वह वर्तमान में ब्रह्मास्त्र पार्ट वनः शिवा, सूर्यवंशी, बाहुबली, ये जवानी है दीवानी, और कभी अलविदा ना कहना जैसी फिल्मों के पीछे भारत के शीर्ष फिल्म निर्माण स्टूडियो में से एक, धर्मा प्रोडक्शंस के प्रमुख हैं। इस साल वैश्विक मनोरंजन उद्योग में काम करने की उनकी 25 वीं वर्षगांठ है, जो ब्रिटिश भारत में जन्मी अभिनेत्री आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अभिनीत उनकी अगली फिल्म के साथ मनाई जाएगी, जिसका शीर्षक रॉकी और रानी की प्रेम कहानी है, जो इस गर्मी में ब्रिटेन के सिनेमाघरों में और विश्व स्तर पर 28 जुलाई 2023 रिलीज होगी। बता दें कि 2012 में, लोगों को देश की यात्रा और अन्वेषण करने के लिए आकर्षित करने और आमंत्रित करने के लिए एक विशेष अभियान के लिए उन्हें विजिट ब्रिटेन के सद्भावना राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था।

मनीषा कर रही जैद हदीद के साथ फ्लर्ट

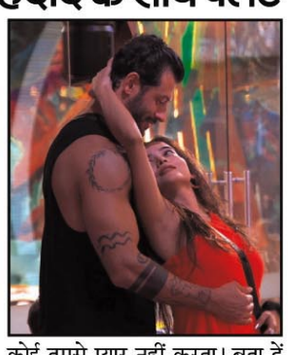

रिएलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 2 में अपने दिलफेक अंदाज के लिए मशहूर मनीषा लेबनान मॉडल जैद हदीद के साथ फ्लर्ट करती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं, मनीषा ने तो जैद को किस कर आई लव यू तक कह दिया है। प्रोमो में मनीषा कहती हैं- मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जाऊंगी और अपने दिल को तुम्हारे दिल से जोडूंगी। इस पर जैद कहते हैं क्या मैं चाय पी सकता हूँ? मनीषा जवाब देती हैं, मेरे पास तुम हो! आई लव यू टू द मून एंड बैक। आगे जैद जेंटलमेन की तरह पूछते हैं कि क्या मनीषा उन्हें किस करना चाहेंगी। ये सुनकर मनीषा शर्म से लाल हो जाती हैं और जेड के गालों पर किस कर लेती हैं और कहती है मैं तुमसे प्यार करता हूं जैसे कोई तुमसे प्यार नहीं करता। बता दें कि, मनीषा और जैद ने बिग बॉस के घर में पहले दिन एक साथ एंट्री की थी और तभी से उनकी बॉन्डिंग और बढ़ गई है। अब शो में दोनों का लव एंगल बढ़ता है कि नहीं ये देखने वाली बात होगी।

अमरीश पुरी बर्थडे स्पेशल 22 जून, लोगों के दिलों पर राज करने वाले खलनायक अमरीश पुरी

अमरीश पुरी का असल नाम अमरीश लाल पुरी था। वह मुख्य रूप से हिंदी फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाओं के लिए जाने जाते रहे हैं। उनकी सबसे यादगार भूमिकाएं फिल्म मिस्टर इंडिया (1987) में मोगैम्बो और हॉलीवुड फिल्म इंडियाना जोन्स एंड द टेंपल ऑफ डूम (1984) में मोला राम हैं। उन्होंने चरित्र भूमिकाएं निभाईं और एक खलनायक के रूप में प्रसिद्ध हुए। अमरीश पुरी का जन्म 22 जून, 1932 को पंजाब में हुआ था। उनके पिता का नाम लाला निहाल सिंह और मां का नाम वेद कौर था। उनके चार भाई-बहन थे। चमन पुरी, मदन पुरी और बड़ी बहन चंद्रकांता और उनके छोटे भाई हरीश पुरी। अमरीश पुरी ने अपनी शुरूआती पढ़ाई पंजाब से की। उसके बाद वह शिमला चले गए। शिमला के बीएम कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद उन्होंने पर्दे की दुनिया में कदम रखा। उन्हें रंगमंच से बहुत लगाव था। एक समय ऐसा था जब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी और स्व. इंदिरा गांधी जैसी हस्तियां उनके नाटकों को देखा करती थीं। पद्म विभूषण रंगकर्मी अब्राहम अल्काजी से 1961 में हुई ऐतिहासिक मुलाकात ने उनके जीवन की दिशा बदल दी और वे बाद में भारतीय रंगमंच के मशहूर कलाकार बन गए। 1960 के दशक का वह दौर था जब अमरीश पुरी ने रंगमंच की दुनिया से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की। उन्होंने सत्यदेव दुबे और गिरीश कर्नाड के लिखे नाटकों में अभिनय किया। रंगमंच पर शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें 1979 में संगीत नाटक अकादमी की तरफ से पुरस्कार दिया गया। यह उनके अभिनय कॅरियर का पहला बड़ा पुरस्कार था। अब बारी थी सुनहरे पर्दे की, जहां फिल्मी दुनिया अमरीश पुरी का इंतजार कर रही थी। उन्होंने फिल्मी करियर शुरूआत साल 1971 में प्रेम पुजारी से की। पुरी को हिंदी सिनेमा में टिके रहने के लिए थोड़ा स्ट्रगल करना पड़ा, लेकिन फिर कामयाबी उनके कदम चूमती गयी। 1980 के दशक में उन्होंने बतौर खलनायक कई बड़ी फिल्मों में यादगार अभिनय से लोगों के दिलों में जगह बना ली। वह 1987 में शेखर कपूर की फिल्म मिस्टर इंडिया में मोगैंबो ने दमदार भूमिका निभाकर लोगों के जेहन में छा गए। 1990 के दशक में उन्होंने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, घायल और विरासत में अपनी सकारात्मक भूमिका के जरिए सभी का दिल जीता। उनकी अंतिम फिल्म किसना थी, जो उनके निधन के बाद वर्ष 2005 में रिलीज हुई। उन्होंने कई विदेशी फिल्मों में भी काम किया। इंटरनेशनल फिल्म गांधी में खान की भूमिका के लिए उनकी तारीफ हुई थी। अमरीश पुरी का निधन 12 जनवरी, 2005 को 72 वर्ष के उम्र में ब्रेन ट्यूमर की वजह से हो गया। उनके निधन की खबर से बॉलवुड जगत के साथ-साथ पूरा देश शोक में डूब गया था। आज अमरीश पुरी इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके अभिनय की छाप आज भी हमारे दिल में बसी हुई है।

गाउन में नोरा लग रही हद से ज्यादा हॉट

हाल ही में बॉलीवुड की डांसिग क्वीन नोरा फतेही को ब्लैक सिक्विन गाउन में देखा गया। इस गाउन में नोरा बद से ज्यादा हॉट लग रही थीं। ध्यान खींचने वाली बात ये रही कि इस आउटफिट के नीचे नोरा ने ब्रा नहीं पहनी हुई थी। गाउन भी ट्रांसपेरेंट था जो यूजर्स को रास नहीं आया है और वह उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा- क्या फायदा इतने पैसे होने का, जब एक ब्रा तक नहीं खरीद पाई। एक ने लिखा- इसमें अंदर कुछ नहीं पहना क्या। एक अन्य यूजर ने लिखा- उसे लग रहा है कि वह बहुत खूबसूरत लग रही है लेकिन वह बहुत खराब लग रही है। नोरा फतेही लाखों दिलों की धड़कन हैं। वह अपने डांस मूव्स के अलावा अपने हॉट अवतार के लिए भी खूब पसंद की जाती हैं। हाल ही में नोरा को पैपराजी द्वारा स्पॉट किया गया। इस दौरान उन्होंने जिस तरह का आउटफिट पहना हुआ था उसे लेकर अब वह खूब ट्रोल की जा रही हैं।

ऋतिक रोशन की शर्टलेस फोटो

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने अपने फैंस के लिए शर्टलेस फोटो क्लिक करवाई, जिसमें वह अपनी मस्कुलर बैक को फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। ऋतिक ने इंस्टाग्राम पर इस फोटो को पोस्ट की। फोटो में उनकी पीठ कैमरे की तरफ हैं और उन्होंने ब्लैक पैंट और टोपी पहन रखी है। फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन के लिए लिखाः बैक डे। फोटो के अलावा, उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद के कमेंट ने लोगों का ध्यान खींचा। उन्होंने कमेंट सेक्शन में बाइसेप, फायर और हार्ट वाली इमोजी पोस्ट की।

डायरेक्टर जोया अख्तर ने स्टारकिड्स को दिया गुरुमंत्र

अमिताभ बच्चन के पौत्र अगस्त्य नंदा, शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और श्रीदेवी की दूसरी बेटी खुशी कपूर द आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। फिल्म का निर्देशन जोया अख्तर ने किया है और इसका टीजर नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। द आर्चीज का टीजर रिलीज होने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने यह फिल्म भाई-भतीजावाद है कहकर फिल्म को ट्रोल कर दिया। इस फिल्म की निमार्ता-निर्देशक जोया अख्तर ने इन स्टारकिड्स को एक खास गुरुमंत्र दिया है। जोया अख्तर ने कहा, मैंने फिल्म में काम कर रहे सभी स्टारकिड्स को पहले ही बता दिया है। तैयार रहें और केवल अपने काम पर ध्यान दें। आपको दुनिया में नेपोटिज्म के बारे में तरह-तरह की बातें बताई जाएंगी, लेकिन आपको अपना काम सबको दिखाना चाहिए और जवाब देना चाहिए। किसी भी बच्चे के अपने माता-पिता की तरह करियर चुनने में क्या गलत है? किसी और को यह तय नहीं करना चाहिए कि उसे क्या करना चाहिए। जोया ने आगे कहा, आप दर्शकों को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन आप अपने काम को पूरी तरह से नियंत्रित कर सकते हैं। इसलिए मैंने उन्हें पहले ही कह दिया है कि वे हर चीज को नजरअंदाज करें और सिर्फ काम करें। इस बीच, द आर्चीज में नवागंतुक सुहाना खान, अगस्त्य नंदा, खुशी कपूर, डॉट, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा और युवराज मेंडा शामिल होंगे। नेटफ्लिक्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है, लेकिन फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा अभी बाकी है।

सूडोकु नवताल- 6470

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6469 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्दजाल - 7217

म	ज	य	पु	र	ब	दौ	ज	ग	ल	चि
रा	वि	ली	प्रे	क	प	सा	द	ज	कां	त्तो
चु	मे	ष	बा	दी	छ	मि	उ	ब	वृ	ड़
गं	गा	न	ग	र	जो	स	द	ल	ष	ग
बी	अ	ज	मे	र	च	ध	य	न	भी	ढ़
का	ल	न	र	रा	क	ल	पु	ण	ल	र
ने	सिं	जै	ग	ट्रे	न	र	र	र	वा	स
र	ह	ज	स	द	अ	क	फ	चो	झ़	क
रा	म	तु	ला	ल	ज	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	मे	र	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	र	र	य	ब	त	म

शब्दजाल में राजस्थान के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

जयपुर, गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, दौसा, अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर

शब्दजाल - 7216 का हल

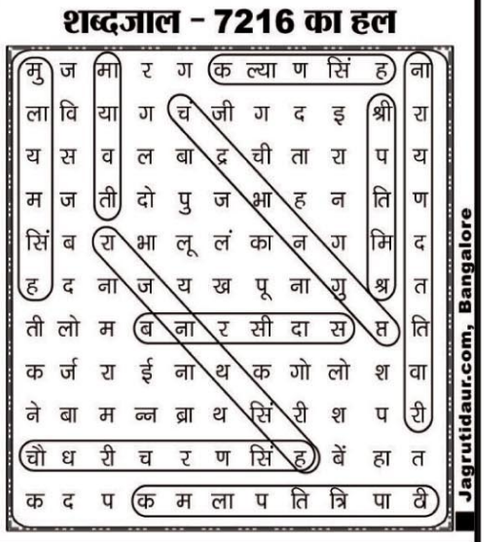

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6170

5	7	2		1		3
	35		26		28	
	6	5		3	2	1
4	32		32		32	4
		3	4		6	
6	35		35	7	38	2
		6	1		4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6169 का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	27	7	32	4	34	2
4	2	1	6	3	5	7
5	33	6	32	6	31	3
7	5	3	6	1	2	4
3	33	5	31	7	34	5
1	5	4	3	2	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

फुटबॉल एसएएफएफ चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को हराया: 4-0 से जीता मुकाबला, कप्तान सुनील छेत्री ने लगाई हैट्रिक

बेंगलुरु।

फुटबॉल के साउथ एशिया का सबसे बड़ा टूर्नामेंट साउथ एशिया फुटबॉल फेडरेशन चैंपियनशिप खेली जा रही है। इसमें पहला ही मैच भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ। बेंगलुरु में हुए मैच में भारत ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया। भारत के कप्तान सुनील छेत्री ने हैट्रिक लगाई।

पहले हाफ में आए दो गोल

मैच के पहले हाफ में दो गोल आए। दोनों गोल कप्तान सुनील छेत्री ने किए। छेत्री ने 10वें मिनट में पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शॉट मारा, जो कि सीधे गोल के बीच में गया। इसे पाकिस्तान के गोलकीपर नहीं रोक सके और गोल हो गया। दूसरा गोल 17वें मिनट में पेनल्टी के जरिए आया। पेनल्टी बॉक्स में पाकिस्तान के खिलाड़ी का हैंडबॉल हो गया था। इस पर भारत को पेनल्टी मिली। कप्तान छेत्री ने बिना गलती करते हुए बाएं ओर शॉट मार कर गोल कर दिया।

दूसरे हाफ में छेत्री और उदांता ने गोल किए

मैच के दूसरे हाफ में सुनील छेत्री ने फिर गोल किया। 73वें मिनट में पाकिस्तान के खिलाड़ी ने फाउल किया। रेफरी ने भारत को पेनल्टी दी। कप्तान छेत्री ने इस मौके का फायदा उठाते हुए 75वें मिनट में पेनल्टी से गोल किया और भारत का स्कोर 3-0 हो गया। 76वें मिनट में उदांता सिंह केरला के आशिके कुरियन की जगह सब्स्टीट्यूट हो कर आए। आते ही 81वें मिनट में उदांता सिंह ने अनवर अली के पास पर पेनल्टी बॉक्स के बीच से लेफ्ट साइड गोल दाग दिया और भारत ने 4-0 से बढ़त बना ली।

मैच में पूरी तरह हावी रहा भारत

भारत पूरे मैच में पाकिस्तान पर हावी रहा। पाकिस्तान ने भले ही 6 शॉट मारे, लेकिन गोल पर एक भी शॉट नहीं लगा सका। भारत ने 23 शॉट लगाए, इसमें से 7 टारगेट पर लगे। वहीं, 70 फीसदी समय बॉल भारत के पास रही। केवल 30प्रतिशत बॉल पजेशन ही पाकिस्तान को मिली।

टेबल टॉप पर पहुंचा भारत

ग्रुप ए में भारत 3 पॉइंट्स के टेबल टॉप पर पहुंच गया है। वहीं, पहला मैच हारने के बाद पाकिस्तान आखिरी यानी चौथे पायदान पर आ गया। अब भारत का मुकाबला 24 जून को नेपाल और 27 जून को कुवैत से होगा।

न्यूज ब्रीफ

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने खरीदी क्रिकेट टीम: जिम्बाब्वे एफ्रो टी-10 लीग में हरारे हरिकेन्स के को-ओनर बने, पीएसएल की लाहौर कलंदर्स ने भी खरीदी टीम

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने आगामी जिमबाब्वे एफ्रो टी-10 लीग में हरारे हरिकेन टीम खरीदी। एरीज ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक सोहन रॉय के साथ भारतीय सेलिब्रिटी टीम के संयुक्त मालिक होंगे। लीग में हिस्सा ले रही छह टीमों में से एक टीम पाकिस्तानी फ्रेंचाइज ने भी खरीदी। लीग के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट ने अबु धाबी टी-10 लीग कराने वाली संस्था टी-10 ग्लोबल स्पोर्ट्स के साथ कोलेब्रेशन किया है। जिम्बाब्वे एफ्रो टी10 लीग 9 दिन का टूर्नामेंट होगा। लीग 20 जुलाई से शुरू होगी और फाइनल 29 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में फाइनल खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 5 टीमें हिस्सा लेंगी। संजय दत्त की हरारे हरिकेन के अलावा, डरबन कलंदर्स, केपटाउन सैप आर्मी, बुलावायो ब्रेव्स और जॉबर्ग लायंस जिम एफ्रो टी10 लीग में हिस्सा लेने वाली अन्य चार टीमें होंगी। 2 जुलाई को हरारे में प्लेयर ऑक्शन होगा। संजय दत्त ने टीम खरीदने के बाद कहा कि, भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है। यह हमारी ड्यूटी है कि हम इस खेल को दुनिया के हर कोने तक फैलाए।

वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर में आखिरी बॉल पर जीता स्कॉटलैंड: आयरलैंड को एक विकेट से हराया; ओमान की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफायर के 7वें मैच में स्कॉटलैंड ने रोमांचक मुकाबले में आखिरी बॉल पर आयरलैंड को एक विकेट से हरा दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में ओमान ने यूएई को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 286 रन बनाए थे। इसके जवाब में स्कॉटलैंड ने 9 विकेट गंवाकर आखिरी गेंद पर टारगेट हासिल कर लिया। स्कॉटलैंड के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। तेज गेंदबाज ब्रैडन मैकमुलेन ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट चटकाए। आयरलैंड के ओर से कर्टिस कैम्फर 120 रन और डॉकरेल ने 69 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा एंडी मैकब्राइन ने 32 रन का योगदान दिया। 287 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत खराब रही। स्कॉटलैंड ने 152 के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे। ऑयरलैंड की पकड़ मजबूत दिख रही थी। ऐसे में माइकल लेस्क ने 61 गेंद पर नाबाद 91 रन की पारी खेल स्कॉटलैंड को आखिरी गेंद पर 1 विकेट से जीत दिला दी। आयलैंड की ओर से मार्क अडायर ने तीन विकेट चटकाए तो वहीं, जोशुआ लिटिल और जॉर्ज डॉकरेल को 2-2 विकेट मिले।

नीरज चोपड़ा लुसान डायमंड लीग में खेलेंगे, एल्ड्रिन और श्रीशंकर लंबी कूद में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद 30 जून को डायमंड लीग के लुसाने चरण में हिस्सा लेंगे। आयोजकों ने इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की है जिसमें चोपड़ा का भी नाम है। उनके अलावा भारत के जेस्विन एल्ड्रिन और श्रीशंकर लंबी कूद में शिरकत करेंगे। टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा है कि भाला फेंक में भारत के ओलंपिक विजेता नीरज चोपड़ा को चेक गणराज्य के याकूब वालेच और जर्मनी के जूलियन वेबर चुनौती देंगे। चोपड़ा ने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एफबीके खेल (नीदरलैंड में चार जून) और फिनलैंड में 13 जून को पावो नूरमी खेलों से अपना नाम वापस ले लिया था। नीरज चोट के चलते फैनी ब्लैंकर्स कोएन गेम्स (4 जून) और पावो नूरमी गेम्स (13 जून) से नाम वापस ले चुके हैं। उन्हें 27 जून को गोल्डन स्पाइक ओस्ट्रावा (चेक रिपब्लिक) में भी खेलना है, लेकिन नीरज की ओर से इसमें भी खेलने की आधिकारिक घोषणा की जानी बाकी है। नीरज भुवनेश्वर (उड़ीसा) में चल रही अंतरराज्यीय एथलेटिक मीट में भी नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने पांच मई को दोहा में हुई डायमंड लीग में 88.67 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण जीता था।

भारत का कैरेबियाई चैलेंज

पहले टेस्ट से शुरू होगा वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का सफर, वेस्टइंडीज के घर में भारत सिर्फ 17 फीसदी टेस्ट जीता

नई दिल्ली।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद अब भारत वेस्टइंडीज के दौरे पर जा रहा है। टूर का आगाज दो टेस्ट की सीरीज से होगा। 12 जुलाई को दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। इसके साथ ही भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के अगले राउंड का आगाज भी होगा। इन दोनों टेस्ट मैच के पॉइंट्स वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप पॉइंट्स टेबल में जुड़ेंगे। आकड़ों के हिसाब से भारत का वेस्टइंडीज में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अब तक खेले 51 टेस्ट में भारत को सिर्फ 9 जीत ही मिली है। इसका मतलब टीम ने सिर्फ 17 फीसदी टेस्ट ही वेस्टइंडीज में जीते। हालांकि, यह भी सच है इस सदी में भारत ने टेस्ट फॉर्मेट में वेस्टइंडीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

वेस्टइंडीज ने जीते ज्यादा टेस्ट लेकिन पिछले 20 साल में भारत आगे

ओवरऑल टेस्ट में हेड टु हेड रिकॉर्ड की बात करें तो वेस्टइंडीज ने ज्यादा मैच जीते हैं। दोनों टीमों के बीच 98 टेस्ट हुए हैं। इनमें भारत ने 22 मैच जीते। वहीं, वेस्टइंडीज ने 30 मैच में जीत हासिल की। 46 मैच ड्रॉ रहे। 51 टेस्ट वेस्टइंडीज और 47 भारत में खेले गए।

वेस्टइंडीज में भारत का प्रदर्शन खराब

भारतीय टेस्ट टीम का वेस्टइंडीज में प्रदर्शन खराब है। कुल 51 मैच में अब

तक कैरेबियाई धरती पर भारत ने 9 टेस्ट ही जीते है। जबकि, 16 वेस्टइंडीज ने जीते और 26 मैच ड्रॉ रहे। हालांकि, टीम इंडिया वेस्टइंडीज में 2002 के बाद से टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। तब भारत को 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

2002 के बाद टीम इंडिया ने 2006, 2011, 2016 और 2019 में 4 सीरीज खेलीं। भारत को चारों में जीत मिली।2019 में 2 टेस्ट की सीरीज भारत ने विराट कोहली की कप्तानी में 2-0 से जीती थी।

कुंबले वेस्टइंडीज में टॉप विकेट टेकर, एक्टिव खिलाड़ियों में ईशांत आगे

वेस्टइंडीज में भारतीय गेंदबाजों में अनिल कुंबले का बोलबाला रहा है। कुंबले ने वेस्टइंडीज में 11 मैचों में 45 विकेट लिए हैं। इसमें वह वाकया भी शामिल है जब 2002 में कुंबले ने टूटे जबड़े के साथ पट्टी लगा कर बॉलिंग की थी। इस मैच में कुंबले ने 14 ओवर किए थे और उन्हें 1 विकेट मिला था।

एक्टिव खिलाड़ियों में ईशांत शर्मा ने वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। ईशांत के नाम वेस्टइंडीज में खेले 9 मैचों में 41 विकेट हैं। हालांकि पिछले एक साल से भारत की टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके हैं। ऐसे में विंडीज टूर पर भी उन्हें मौका मिलता नजर नहीं ही आ रहा है। अभी के खिलाड़ियों में ईशांत के बाद वेस्टइंडीज में मोहम्मद शमी का नाम आता है, जिन्होंने 6 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

द्रविड़ ने सबसे ज्यादा रन बनाए, एक्टिव खिलाड़ियों में रहाणे टॉप पर

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय हैं। द्रविड़ ने वेस्टइंडीज में खेले 17 मैचों में कुल 1511 बनाए हैं। एक्टिव बैटर्स में अजिंक्य रहाणे ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 6 मैचों की 8 पारियों में 514 रन हैं। उनके बाद विराट कोहली का नाम आता है जिन्होंने 9 मैचों की 13 पारियों में 463 रन बनाए हैं।

सीरीज में होंगे बड़े चैलेंज

वेस्टइंडीज सीरीज भारत के कई लिहाज से महत्वपूर्ण है। इस दौरान टीम के सामने कई बड़े चैलेंज होंगे। पॉइंट्स में देखें सभी चैलेंज -

नए चेहरों को मौका - वेस्टइंडीज सीरीज में नए चेहरों को मौका मिल सकता है। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के आने वाले दो साल में टीम में एक्सपेरिमेंट होंगे। दौरे के लिए भारत का फुल स्क्वॉड जाएगा। ऐसे में नए चहरे जैसे यशस्वी जायसवाल, सौरभ कुमार, मुकेश कुमार और ईशान किशन को टीम आजमा सकती है। टीम के लिए यह रिस्की होगा, क्योंकि वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप हारने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ जीतने का प्रेशर रहेगा। अगर टीम हारती है तो मैनेजमेंट पर सवाल भी उठेंगे, लेकिन फ्यूचर को देखते हुए एक्सपेरिमेंट करने ही होंगे।

स्पिनर्स की परीक्षा - वेस्टइंडीज की पिच वैसे तो फास्ट बॉलर को सपोर्ट करती है। लेकिन, कई बार टर्निंग ट्रैक भी देखने को मिल जाता है। ऐसे में भारतीय स्पिन अटैक पर यहां खुद को साबित करने की जिम्मेदारी होगी।

प्लेयर मैनेजमेंट - टेस्ट सीरीज प्लेयर्स को थका देती है। आगे वनडे भी खेलने है। प्लेयर्स वर्ल्ड कप साल के कारण वनडे पर फोकस करेंगे। टीम मैनेजमेंट के ऊपर जिम्मेदारी होगी कि भारतीय टीम अपनी फिटनेस बनाए रखे और सीनियर प्लेयर्स चोटिल न हो।

वेस्टइंडीज का पेस अटैक - वेस्टइंडीज के पास शानदार तेज गेंदबाज है। जिनमें केमार रोच, जेसन होल्डर, ओडियन स्मिथ, कीमो पॉल और अल्जारी जोसफ जैसे पेसर्स शामिल हैं। इनके सामने भारतीय बैटर्स की कड़ी परीक्षा होगी।

श्रीलंका में एशिया-कप होने से नाराज जका अशरफ

पीसीबी चेयरमैन पद के दावेदार अशरफ बोले- हाइब्रिड मॉडल से पाकिस्तान को नुकसान

नई दिल्ली।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में चेयरमैन पद के सबसे मजबूत दावेदार जका अशरफ ने श्रीलंका में एशिया कप होने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड मॉडल से पाकिस्तान को नुकसान होगा। पिछले मैनेजमेंट को पाकिस्तान में ही पूरा टूर्नामेंट आयोजित कराने पर जोर देना चाहिए था। पाकिस्तानी सरकार ने जका अशरफ को पीसीबी चेयरमैन पद का दावेदार बनाया है। इसी सप्ताह पीसीबी के इलेक्शन होंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार अशरफ ही नए चेयरमैन बनेंगे।

पाकिस्तान को ज्यादा मैच मिलने चाहिए थे

अशरफ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एशिया कप का हाइब्रिड मॉडल किसी भी तरह से पाकिस्तान के लिए फायदेमंद नहीं है। होस्ट के रूप में पीसीबी को आईसीसी और बीसीसीआई के सामने मजबूती से अपना पक्ष रखना चाहिए था। श्रीलंका में 9 और पाकिस्तान में 4 ही मैच होना बोर्ड के लिए नुकसानदायक होगा। एशिया कप में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत, पाकिस्तान और नेपाल ग्रुप-ए में हैं। वहीं श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ग्रुप-बी में हैं।

फैसला हो चुका है तो अब बदलना नहीं चाहिए

जका फिर बोले कि आईसीसी और एशियन क्रिकेट काउंसिल ने मिलकर हाइब्रिड मॉडल में एशिया कप कराने का फैसला ले लिया है। इस पर पिछले मैनेजमेंट ने सहमति

भी जताई, इसलिए वह फैसले का सम्मान करेंगे और आखिरी समय में वह इसे चैलेंज नहीं करना चाहते। लेकिन आगे जो भी फैसले लिए जाएंगे वो देश और बोर्ड के फायदों को देखते हुए लिए जाएंगे।

पाकिस्तान में होना था पूरा एशिया कप

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने फ्यूचर टूर शेड्यूल में पाकिस्तान को 2023 एशिया कप की मेजबानी दी थी। लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने राजनीतिक और सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया। पूर्व पीसीबी चेयरमैन नजम सेठी ने फिर एसीसी में हाइब्रिड मॉडल का सुझाव दिया, जिसे एसीसी ने अप्रूव कर दिया। नए मॉडल में 4 से 5 मैच पाकिस्तान और बाकी मैच श्रीलंका में होंगे। भारत के सभी मैच और फाइनल (अगर टीम इंडिया पहुंची) मिलाकर 8 से 9 मैच श्रीलंका में होंगे। टूर्नामेंट 31 अगस्त से शुरू हो कर 17 सितंबर तक चलेगा। वनडे वर्ल्ड कप से एक महीने पहले ही होने वाला यह टूर्नामेंट 50 ओवर का होगा। श्रीलंका टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है और भारत ने 7 बार ट्रॉफी उठाई है।

स्केटबोर्डिंग एक ग्रुप के लिए आजादी की भावना का खेल: 6,700 किमी का सफर तय किया; अब उनपर बन रही वुल्फ वीमेन फिल्म

लंदन।

पांच महिलाओं का ग्रुप पहाड़ों से डाउनहिल स्केटबोर्डिंग कर रहा है। देसी भाषा में लकड़ी के फट्टे पर चार पहिए लगाने को स्केटबोर्ड कहते हैं। उसी स्केटबोर्ड से जब पहाड़ों से तेज रफ्तार में नीचे उतरते हैं तो इस खेल को डाउनहिल स्केटबोर्डिंग कहा जाता है। ये बहुत ही खतरनाक खेल है क्योंकि एक छोटा पत्थर भी स्केटबोर्ड को पलटने की क्षमता रखता है और राइडर को पटखनी दे सकता है।

पुरुषों के बीच खड़ी हुई अकेली महिला

पढ़ने और सुनने में खतरनाक सा लगने वाला खेल पांच महिलाओं के ग्रुप के लिए आजादी की भावना है। एन्ना पिक्सनेर 6 साल से डाउनहिल स्केटिंग कर रही हैं। शुरुआती सालों में वे सैकड़ों मर्दों के बीच इकलौती महिला हुआ करती थीं। ये बात उन्हें कभी भूलने नहीं दी जाती। कई पत्रकार उन्हें बातों-बातों में ये जता दिया करते थे कि वो इस पुरुष प्रधान खेल में अकेली महिला हैं। वे कहती हैं, 'इस खेल में महिला और पुरुषों के बीच कोई खास अंतर नहीं है। एक विशेष अंतर यही है कि हमारे पास कोई प्रेरणा नहीं है, क्योंकि इस फील्ड में ज्यादा राइडर पुरुष हैं। अगर हमारे पास कोई महिला प्रेरणा होती तो इस खेल में ज्यादा महिला खिलाड़ी हिस्सा लेतीं। जब मैंने डाउनहिल स्केटिंग शुरू की तो मुझे पता चला कि इस खेल में भी महिला खिलाड़ी हैं। हालांकि, उन्हें वो पहचान नहीं मिल रही, जो मिलनी चाहिए थी।

एन्ना के ग्रुप पर बन रही फिल्म 'वुल्फ वीमेन'

एन्ना समेत इनकी ग्रुप की चार महिलाओं के सफर पर एक फिल्म बनाई गई है। फिल्म का नाम 'वुल्फ वीमेन' है। इस फिल्म में पांच महिलाओं के 2019 के सफर को दिखाया जाएगा। साल 2019 में ये ग्रुप लंदन से सफर की शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रिया के रास्ते तुर्की के पहाड़ों पर गया था। यह सफर 6 हजार 700 किमी का था। राइडर जेनी शॉएर्टे के लिए ये सफर काफी भावुक था। उसी साल उन्होंने पिता को खोया था। एन्ना, जेनी के साथ जस्मिन हनेग्राफ, लिसा पीटर्स और एलेजांद्रा गुतिरेज भी इस सफर में शामिल थीं।

फिल्म के निर्माता बताते हैं कि उन्होंने न सिर्फ इस ग्रुप की बहादुरी को दर्शाने की कोशिश की है, बल्कि इसमें जेनी पिता की मौत के बाद कैसे अपने मानसिक स्वास्थ्य को संभालती हैं, ये भी दर्शाया गया है। पिक्सनेर बताती हैं कि इस खेल की खास बात है कि इसमें आपको लगातार अपने डर पर काबू पाना होता है। साथ ही, अपनी कमजोरियों से भी उबरना होता है।

ओलंपिक समिति का निर्देश, जल्द सीईओ नियुक्त करे भारतीय ओलंपिक संघ, कुश्ती विवाद निपटाने का तरीका बताया

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सीईओ/महासचिव की नियुक्ति में भारतीय ओलंपिक संघ की दुर्भाग्यपूर्ण देरी पर चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही आईओए से कुश्ती संघ का विवाद जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह किया है। आईओसी ने अपनी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के दौरान कड़े शब्दों में बयान जारी किया, जहां उसे भारत के अलावा अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला और सूडान की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) की स्थितियों पर भी अपडेट प्राप्त हुआ। एनओसी ऑफ इंडिया को कई मौकों पर एनओसी संविधान के अनुसार बिना किसी देरी के नए सीईओ/महासचिव की नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया है, ताकि एनओसी के भीतर स्थिति को सामान्य किया जा सके। आईओसी के एक बयान में कहा गया है, दुर्भाग्य से, एनओसी ने अभी तक इस प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है। आईओसी इस मुद्दे की निगरानी जारी रखे हुए है। आईओसी ने आईओए से भारत के खेल महासंघों, यानी भारतीय कुश्ती महासंघ को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ समन्वय करने के लिए भी कहा है। भारतीय कुश्ती पिछले दो महीनों में सुर्खियों में रही है, जिसमें ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक और एशियाई खेलों की चैंपियन विनेश फोगट सहित शीर्ष पहलवानों ने कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया है। आंदोलन कर रहे पहलवानों का आरोप है कि बृजभूषण ने महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया है। भारत के एनओसी से अनुरोध किया गया है कि वह भारतीय खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले कई मौजूदा मुद्दों को समन्वित तरीके से और संबंधित अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों और निर्देशों के अनुसार संबोधित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ मिलकर काम करें। आईओसी ने कहा, इसमें विशेष रूप से भारत में कुश्ती महासंघ की स्थिति शामिल है। इस साल मार्च में आईओसी ने भी बिना किसी देरी के सीईओ नियुक्त करने में आईओए की ओर से देरी की ओर इशारा किया था। इसी दौरान पुष्टि की थी कि 2023 आईओसी सत्र मुंबई में होगा। इस मामले पर भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने एक पैनल का गठन किया था, जिसने नया संविधान बनाया और आईओसी ने इसे मान्यता भी दी।

बृजभूषण केस की सुनवाई अब एम-एमएलए कोर्ट में

6 महिला पहलवानों के यौन शोषण का मामला; राउज एवेन्यू कोर्ट ने ट्रांसफर किया

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर 6 बालिग पहलवानों के यौन शोषण केस की गुरुवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान केस को एम-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया। अब इस कोर्ट में 27 जून को सुनवाई होगी।

सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि क्या पोकसो के लिए कैंसिलेशन एप्लिकेशन अलग से दाखिल की है। इस पर एसएचओ उपेंद्र सिंह ने कोर्ट को बताया कि पटियाला हाउस कोर्ट में कैंसिलेशन एप्लिकेशन दाखिल कर दी है। इसके बाद कोर्ट ने यह केस एम-एमएलए अदालत में ट्रांसफर कर दिया।

1000 पन्नों की चार्जशीट पेश की थी - दिल्ली पुलिस ने कुछ दिन पहले राउज एवेन्यू कोर्ट में 1000 पन्नों की चार्जशीट पेश की थी। आरोपियों में बृजभूषण के अलावा असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम भी है। चार्जशीट में पहलवानों के मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान को अहम आधार माना गया है। बृजभूषण के खिलाफ करीब 7 गवाह मिले हैं। वहीं यौन शोषण की कथित जगह पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। वहीं भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव अब 11 जुलाई को होंगे। पहले ये चुनाव 6 जुलाई को होने थे, लेकिन 5 राज्यों के कुश्ती संघों की आपत्ति के बाद इसमें बदलाव किया गया है।5 आपत्ति जताने वाले राज्य महाराष्ट्र, हिमाचल, हरियाणा, राजस्थान और तेलंगाना हैं। निर्वाचन अधिकारी महेश कुमार मित्तल ने नया शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके साथ मतदाता सूची भी अब 28 जून को जारी होगी। पहले इसकी तिथि 22 जून रखी गई थी।

बालिग पहलवानों के केस में इन धाराओं में चार्जशीट - दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने बताया कि 6 बालिग पहलवानों के केस में हमने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धारा 354, 354-और तहत चार्जशीट दाखिल की है।

विनोद तोमर के खिलाफ धारा 109, 354, 354, 506 के तहत चार्जशीट दायर की गई है। इस केस की अगली सुनवाई 22 जून को होगी।

बालिग पहलवानों के केस की चार्जशीट की अहम बातें

- 1. पुलिस ने पहलवानों के सीआरपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है।
- 2. बालिग पहलवानों ने जिस जगह पर उनके साथ यौन शोषण के आरोप लगाए हैं, वहां आरोपियों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं।
- 3. पहलवानों ने पुलिस को जांच के दौरान सबूत के तौर पर 5 फोटो सौंपी हैं। इसके अलावा और भी डिजिटल सबूत दिए गए, उन्हें पेन ड्राइव में कोर्ट को सौंपा गया है।
- 4. चार्जशीट में करीब 25 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। 7 गवाहों ने पीड़ित बालिग पहलवानों के आरोपों का सपोर्ट किया है। बाकी आरोपियों के पक्ष में बोले हैं। ट्रायल के दौरान इनका क्रॉस एग्जामिनेशन होगा।
- 5. पुलिस ने कजाकिस्तान, मंगोलिया और इंडोनेशिया के कुश्ती संघों से उन जगहों की सीसीटीवी फुटेज और फोटो देने को कहा है, जहां महिला पहलवानों ने बृजभूषण पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। अभी ये नहीं मिले हैं। इनके मिलने पर पुलिस केस में सप्लीमेंट्री चालान पेश करेगी।

रास्ता रोकने या पीछा करने का केस 2012 का - दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक बृजभूषण पर जो रास्ता रोकने या पीछा करने का केस है, वह 2012 का है। इसमें शिकायत करने वाली महिला पहलवान ने बताया था कि बृजभूषण ने एक टूर्नामेंट के दौरान उसकी मां से बात की और उसे अपने कमरे में बुलाकर कस कर गले लगाया। जब महिला पहलवान घर लौटी तो अलग-अलग बहाने से कई बार उसकी मां के नंबर पर फोन करना शुरू कर दिया। उसने यह भी दावा किया कि बृजभषण की कॉल से बचने के लिए उसे अपना फोन नंबर तक बदलना पड़ा। हालांकि इन आरोपों को साबित करने के मामले में कोई टेक्निकल एविडेंस नहीं मिले हैं। बालिग पहलवानों के यौन शोषण की बताई जगहों पर आरोपी मौजूद थे बालिग पहलवानों के केस में पुलिस ने एक हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की

छोटी-छोटी आदतें ले आएंगी लक्ष्मी...

घर और लक्ष्मी जीवन की भौतिक आवश्यकता है। इन्हें पाने के लिए व्यक्ति दिन रात एक करता है लेकिन कई बार जाने-अनजाने में हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे काम कर जाते हैं जिनसे हमें प्राप्त होती है लक्ष्मी। यहां हम ऐसे ही कामों के बारे में जानेंगे। घर में सुंदर मंदिर बनाना और उसे सजा कर रखना लक्ष्मी प्राप्ति का सरलतम माध्यम है। भगवान के दर्शन मात्र से ही कई जन्मों के पापों का प्रभाव नष्ट हो जाता है। इसी वजह से घर में भी देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखने की परंपरा है। इस कारण घर में छोटा मंदिर होता है और उस मंदिर में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखी जाती हैं। यदि आप उन प्रतिमाओं को साफ और व्यस्थित रखते हैं तो इससे शुभ प्रभाव पड़ेगा। इससे देवी-देवताओं का आशीर्वाद तो प्राप्त होगा ही साथ ही नव ग्रह भी आपके अनुकूल होंगे। भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का रूप माना जाता है। तभी तो कहा गया है अतिथि देवो भवः घर आया अतिथि चाहे दुश्मन ही हो उसका मधुर वाणी और भोजन से सत्कार करना चाहिए। अतिथि हमारा भगवान होता है और हमें उनका आदर करना चाहिए। जिस घर में रसोई गंदी रहती है साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता वहां मंगल ग्रह के दोषों में वृद्धि होती है। अव्यवस्थित बिस्तर पर शयन करने वालों का जीवन भी अस्त-व्यस्त रहता है। उन पर कभी भी लक्ष्मी कृपा नहीं होती। जो लोग चेहरे की सुंदरता पर तो पूरा-पूरा ध्यान देते हैं लेकिन पैरों की सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोगों से लक्ष्मी दूर रहती हैं। इधर-उधर थूकने की आदत है तो जल्दी उसे बदल लें अन्यथा लक्ष्मी के कोप का सामना करना पड़ सकता है। जिस घर में वृद्धजनों का अपमान होता है वहां अन्न और धन की सदा कमी रहती है।

खुल जाएगा किस्मत का ताला...

हम अपने बड़े-बुजुर्गों से कई बार उपाय सुनते हैं जिसे करने से लाभ मिलने का अनुभव मिलता है। ईश्वरीय कृपा व पुरुषार्थ के साथ ही कुछ उपाय किए जाएं तो सफलता मिलती है, ऐसा दावा पूर्वजों का रहा है। प्रस्तुत हैं कुछ उपाय। यदि आपको धन की परेशानी है, नौकरी में दिक्कत आ रही है, प्रमोशन नहीं हो रहा है या आप अच्छे करियर की तलाश में हैं तो किसी दुकान में जाकर किसी भी शुक्रवार को कोई भी एक स्टील का ताला खरीद लीजिए लेकिन ताला खरीदने वक्त न तो उस ताले को आप खुद खोलें और न ही दुकानदार को खोलने दें। ताले को जांचने के लिए भी न खोलें। उसी तरह से डिब्बी में बंद का बंद ताला दुकान से खरीद लें। इस ताले को आप शुक्रवार की रात अपने सोने के कमरे में रख दें। शनिवार सुबह उठकर नहा-धोकर ताले को बिना खोले किसी धार्मिक स्थान पर रख दें। ईश्वरीय प्रेरणा से जब कोई उस ताले को खोलेगा, आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा। हालांकि उस व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं होगा। यदि आप अपना मकान, दुकान या कोई अन्य प्रापर्टी बेचना चाहते हैं और वह बिक नहीं रही, तो बाजार से 86 साबुत बादाम ले आएं। सुबह नहा-धोकर, बिना कुछ खाए, दो बादाम लेकर मंदिर जाएं। दोनों बादाम मंदिर में शिवलिंग या शिवजी के आगे रख दीजिए। हाथ जोड़ कर भगवान से प्रापर्टी के बेचने की प्रार्थना कीजिए और उन दो बादामों में से एक बादाम वापस ले आएं। उस बादाम को लाकर घर में कहीं अलग रख दें। ऐसा आपको 43 दिन तक लगातार करना है। 43 दिन के बाद जो बादाम आपने घर में इकट्ठा किए हैं उन्हें बहते जल, नदी आदि में बहा दें। यदि 43 दिन से पहले ही आपका सौदा हो जाए तो भी उपाय को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए।

रोगों से छुटकारा दिलाएंगे मंत्र...

> मंत्र से विविध शारीरिक एवं मानसिक रोगों में लाभ मिलता है। यह बात अब विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि मनुष्य के शरीर के साथ-साथ यह समग्र सृष्टि ही वैदिक स्पंदनों से निर्मित है। शरीर में जब भी वायु-पित्त-कफ नामक त्रिदोषों में विषमता से विकार पैदा होता है तो मंत्र चिकित्सा द्वारा उसका सफलता पूर्वक उपचार किया जाना संभव है।

मंत्र का अर्थ है जिसका मनन करने से, जो हमारे तन-मन के कष्ट और रोग दूर कर दे। मंत्र एक ऐसे शब्दों का समूह है जिसके उच्चारण से हमारे शरीर के विभिन्न कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इससे जिन रोगों का इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं से संबंध होता है, वे ठीक हो जाते हैं। मंत्रों के उच्चारण में शब्दों का ऐसा सम्मिलन होता है कि इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर पड़ने वाला प्रभाव सकारात्मक और प्रभावशाली होता है। इसी प्रभाव से रोग दूर होते हैं और शरीर स्वस्थ होता है। मन की शांति और स्वास्थ्य के लिए मंत्र के सिवाय अन्य कोई औषधि है ही नहीं। मानसिक रोगों का एकमात्र सफल उपाय सिर्फ मंत्र-चिकित्सा है। इसीलिए शास्त्रों में कहा गया है कि मननात त्रायते इति मंत्र अर्थात मनन करने से जो मन का त्राण कर दे, कष्ट निवारण कर दे, उसे मंत्र कहते हैं। मंत्र विज्ञानानुसार मानव शरीर में एक और सुक्ष्म शरीर होता है, जिसे आज कंप्यूटर भाषा में मानव शरीर का सॉफ्टवेयर कहा जाता है। इसी सूक्ष्म शरीर से मानव शरीर का संचालन होता है। मृत्यु के समय यही सूक्ष्म शरीर निकल जाता है तो स्थूल शरीर के सारे क्रियाकलाप समाप्त हो जाते हैं। देह के सभी रोगों का मूल कारण इसी सूक्ष्म शरीर में विद्यमान होता है और यह कारण मंत्र के जाप से दूर किया जा सकता है या मंत्र सिद्ध जल अथवा मंत्र सिद्ध औषधि लेने से भी ठीक होता है। इस सूक्ष्म कारण के नष्ट होते ही वह रोग भी दूर हो जाता है जिसके कारण शरीर अस्वस्थ था। यही मंत्र-चिकित्सा का मूल रहस्य है और कारण सूक्ष्म होने से भौतिक धरातल पर वह प्रक्रिया देख नहीं पाते, इसी मंत्र चिकित्सा से ठीक होने वाले रोगों को लोग चमत्कार मान लेते हैं।

हनुमान चालीसा पाठ

अमेरिका के ओहियो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार कैंसरयुक्त फेफड़ों, आंत, मस्तिष्क, स्तन, त्वचा और फाइब्रो ब्लास्ट की लाइनिंग्स पर जब सामवेद के मंत्रों और हनुमान चालीसा के पाठ का प्रभाव परखा गया तो कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि में भारी गिरावट आई। इसके विपरीत तेज गति वाले पाश्चात्य और तेज ध्वनि वाले रॉक संगीत से कैंसर की कोशिकाओं में तेजी के साथ बढ़ोतरी हुई। मंत्र चिकित्सा के लगभग पचास रोगों के पांच हजार मरीजों पर किए गए क्लीनिकल परीक्षणों के अनुसार दमा, अस्थमा रोग में सत्तर प्रतिशत, स्त्री रोगों में 65 प्रतिशत, त्वचा एवं चिंता संबंधी रोगों में साठ प्रतिशत, उच्च रक्तदाब, हाइपरटेंशन से पीड़ितों में पचपन प्रतिशत, आर्थराइटिस में इक्यावन प्रतिशत, डिस्क संबंधी समस्याओं में इकतालीस प्रतिशत, आंखों के रोगों में इकतालीस प्रतिशत तथा एलर्जी की विविध अवस्थाओं में चालीस प्रतिशत औसत लाभ हुआ। निश्चित ही मंत्र चिकित्सा उन लोगों के लिए तो वरदान ही है जो पुराने और जीर्ण क्रॉनिक रोगों से ग्रस्त हैं।

कहा गया है कि जब भी कोई व्यक्ति गायत्री मंत्र का पाठ करता है तो अनेक प्रकार की संवेदनाएं इस मंत्र से होती हुई व्यक्ति के मस्तिष्क को प्रभावित करती हैं। जर्मन वैज्ञानिक कहते हैं कि जब भी कोई व्यक्ति अपने मुंह से कुछ बोलता है तो उसके बोलने में आवाज का जो स्पंदन और कंपन होता है, वह 175 प्रकार का होता है। जब कोई कोयल पंचम स्वर में गाती है तो उसकी आवाज में 500 प्रकार का प्रकंपन होता है लेकिन जर्मन वैज्ञानिक यह भी कहते हैं कि दक्षिण भारत के विद्वानों से जब विधिपूर्वक गायत्री मंत्र का पाठ कराया गया, तो यंत्रों के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि गायत्री मंत्र का पाठ करने से संपूर्ण स्पंदन के जो अनुभव हुए, वे 700 प्रकार के थे। जर्मन वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति पाठ नहीं भी करे, सिर्फ पाठ सुन भी ले तो भी उसके शरीर पर इसका प्रभाव पड़ता है। उन्होंने मनुष्य की आकृति का छोटा सा यंत्र बनाया और उस आकृति में जगह-जगह कुछ छोटी-छोटी लाइटें लगा दी गईं। लाइट लगाने के बाद यंत्र के आगे लिख दिया कि यहां पर खड़ा होकर कोई आदमी किसी भी तरह की आवाजें निकालें तो उस आवाज के हिसाब से लाइटें मनुष्य की आकृति में जलती नजर आएंगी, लेकिन अगर किसी ने जाकर गायत्री मंत्र बोल दिया तो पांव से लेकर सिर तक सारी की सारी लाइटें एक साथ जलने लग जाती है। दुनियाभर के मंत्र और किसी भी प्रकार की आवाजें निकालने से यह सारी की सारी लाइटें नहीं जलतीं। एक गायत्री मंत्र बोलने से सब जलने लग जाती हैं क्योंकि इसके अंदर जो वाइब्रेशन है, वह अद्‌भुत है।

गायत्री मंत्र जाप

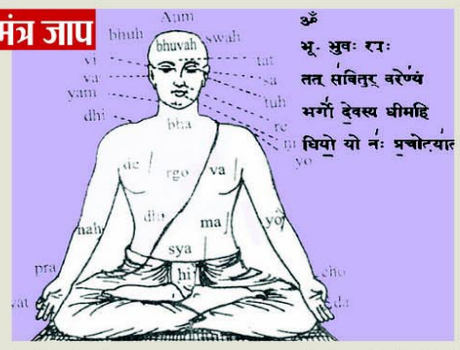

विष्णु सहस्त्र नाम का पाठ

मंत्र चिकित्सा में हम अपने देव को एक विधि से ही पुकारते हैं जिससे हमारे शरीर के चक्र चैतन्य होते हैं चक्रों को चैतन्य करने से हम निरोग होते हैं। इस चिकित्सा में पवित्रता, गुरु आराधना, यज्ञ, उपवास, तीर्थ ये सारी क्रियाएं तन एवं मन को शक्ति प्रदान करती हैं। चरक जैसे महान आयुर्वेद के जनक ने अपने महान ग्रंथ चरक संहिता के चिकित्सा स्थान में बुखार यानी ज्वर की चिकित्सा के बारे में कहा है-''विष्णु रं स्तुवन्नामसहस्त्रेण ज्वरान् सर्वनपोहति।'' विष्णु सहस्त्र नाम के पाठ से ज्वर का नाश होता है रोगी के द्वारा न हो सके तो विद्वान धर्मनिष्ठ से पाठ कराना हितकर है।

शक्तिशाली वैदिक मंत्र

हमारे वैदिक मंत्र इतने शक्तिशाली व प्रभावी हैं कि रोगी को मृत्यु के मुख से निकाल सकते हैं। मंत्र विद्या हिंदू धर्म की महान खोज हैं। मंत्रों का प्रयोग विश्व में सभी सम्प्रदाय के लोग प्रारंभ कर चुके हैं। यह संसार जगत दो भागों में बंटा है एक स्थूल और दूसरा सूक्ष्म है। स्थूल हम उसे कहते हैं जो हम नेत्रों से देखते हैं जो स्थान भी घेरता है और उसका वजन भी होता है। स्थूल की शक्ति सीमित होती है। सूक्ष्म की शक्ति असीम होती है। ध्यान दें कि यह स्थूल शरीर सूक्ष्म के कारण ही चलता है, देखता है, बोलता है, भागता है जैसे ही इस शरीर से सूक्ष्म चला जाता है सारे क्रिया कलाप समाप्त हो जाते हैं। यह हजारों पर रौब गालिब करने वाला शरीर सड़ने लगता है। आदमी तो दूर यह एक चींटी का भी कुछ नहीं बिगाड़ पाता। जैसे पानी से अधिक शक्ति उसके भाप में होती है। उस वाष्प से कितने बड़े-बड़े उद्योग कारखाने चलते हैं। इस पंच तत्व का सबसे सूक्ष्म तत्व आकाश होता है और वह परम शक्तिशाली तत्व है और हमारे मंत्रों का आकाश तत्व से संबंध होता है, मंत्र आकाश तत्व से परम निकट संबंध रखते हैं शब्द या मंत्र का कार्य शरीर स्थित शक्ति केंद्रों को चैतन्य करना है। 'ख' बीज से लीवर के रोगी हैपेटाइटिस (बी) और ब्रोन्काइटिस के रोगी ठीक होते हैं। श्रीं, क्लीं, ह्रीं, हुं, फट् प्रत्येक को एकाक्षरी मंत्र कहा जाता है। एकाक्षरी मंत्र बहुत ही शक्तिशाली होते हैं। इनका प्रयोग कैसे किया जाए यह महत्वपूर्ण है। मंत्र का लघु (छोटा) होना महत्वपूर्ण है जैसे अणु कितना छोटा है और चमत्कार कितना है।

सूर्य मंत्र का जाप

महर्षि वाग्भट्टाचार्य ने कुष्ठ रोग के निदान की औषधि बताने के बाद कहा कि सूर्य की आराधना के साथ सूर्य मंत्र का जाप, व्रत, यज्ञ इसे शीघ्र ठीक कर सकता है। मंत्र का प्रयोग आस्था विश्वास के साथ साधक रोगी के सिर पर अपना दाहिना हाथ रख कर स्वास्थ्य लाभ हेतु कहता है।

''अच्युतानंद गोविंद नामोच्चारणभेषजात।
नश्यन्ति सकलारोगाः सत्यं सत्यं वदाम्यहम्।''

हे! अच्युत, हे! अनन्त, हे! गोविंद नाम के उच्चारण से अनेक रोग नष्ट होते हैं मैं सत्य कहता हूं, मैं सत्य कहता हूं ऐसी क्रिया से रोग नाश करना होता है।

हीलिंग वाइब्रेशन

हमारे वेद मंत्र संस्कृत भाषा में हैं, विश्व की सभी भाषाओं में यह संस्कृत भाषा ही वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत के श्लोक और मंत्रों में अत्यधिक हीलिंग वाइब्रेशन है। इन मंत्रों के उच्चारण से जो कंपन प्रकट होता है वह मानव मस्तिष्क की क्रियाओं को स्लोडाऊन करने की अपार क्षमता रखता है। वैदिक/पौराणिक मंत्र ब्रेन वेव्स और पल्स रेट को कम कर सकते हैं। जब सभी औषधियां विफल हो जाती हैं सारे लौकिक उपाय हाथ खड़ा कर लेते हैं तब यह मंत्र ही है जो मरणासन्न को प्राणशक्ति प्रदान करता है। मंत्र की चिकित्सा असफल नहीं होती। यह तपस्या भक्ति साधना का प्रयोग होता है जो साधक देता है। मंत्र की ध्वनि स्थूल शरीर को प्रभावित करती है। तंत्र में एकाक्षर मंत्रों का निर्धारण किया गया है। देवनागरी लिपि के अनेक प्रभावी अक्षरों के ऊपर अनुस्वार (द) लगाकर एकाक्षरी बनाया है। हमारे ऋषियों ने जैसे 'ऐ' यह महासरस्वती का बीज मंत्र है यह मस्तिष्क को शक्ति देता है मंद बुद्धि और कोमा में गए रोगी भी इससे निरोग होते हैं।

किस बीमारी में कौनसा मंत्र?

कैंसर रोगः ओम नमः शिवाय शंभवे कर्केशाय नमो नमः। यह मंत्र किसी भी तरह के कैंसर रोग में लाभदायक होता है।

मस्तिष्क रोगः ओम उमा देवीभ्यां नमः। यह मंत्र मस्तिष्क संबंधी विभिन्न रोगों जैसे सिरदर्द, हिस्टीरिया, याददाश्त जाने आदि में लाभदायी माना जाता है।

आंखों के रोगः ओम शंखिनीभ्यां नमः। इस मंत्र से जातक को मोतियाबिंद सहित रतौंधी, नेत्र ज्योति कम होने आदि की परेशानी में लाभ मिलता है।

हृदय रोगः ओम नमः शिवाय संभवे व्योमेशाय नमः। हृदय संबंधी रोगों से अधिकांश लोग पीड़ित होते हैं। इसलिए अगर वे इस मंत्र का जप करें, तो उन्हें लाभ मिलता है।

कान संबंधी रोगः ओम ह्यां द्वार वासिनीभ्यां नमः। कर्ण विकारों को दूर करने में यह मंत्र आश्चर्यजनक भूमिका निभाता है।

पक्षाघात (लकवा) रोगः ओम नमः शिवाय शंभवे खगेशाय नमो नमः।

स्नायु रोगः ओम धं धर्नुधारिभ्यां नमः।

कफ संबंधी रोगः ओम पद्मावतीभ्यां नमः।

श्वास (दमा) रोगः ओम नमः शिवाय संभवे श्वासेशाय नमो नमः।

रात को देर से सोना कितना फायदेमंद

देर से सोने वालों के लिए आज तक सिर्फ बुरा ही माना जाता रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। देर से सोने के अपने लाभ भी है। अगर आप जल्दी सोते हैं, तो जरा इन खूबियों पर गौर करिए।

अच्छा होता है आईक्यू लेवल

एक शोध के अनुसार जो लोग देर रात तक जागते हैं उनका आईक्यू लेवल अच्छा होता है। वो खुराफाती होते हैं और उनका दिमाग नए विचारों की प्रयोगशाला जैसा होता है। ये लोग जिज्ञासू और फुर्तीले भी होते हैं। शायद यही एक कारण है कि उल्लू एक बुद्धिमान पक्षी माना जाता है। फंडामेंटल वैज्ञानिक के अनुसार, रात में जागने वाले उल्लू में जल्द उठने वाले उल्लू की तुलना में बुद्धिमान होने की अधिक संभावना होती है।

बेहतर गृहस्थ जीवन

देर रात तक जागने वाले लोगों की सेक्स लाइफ भी बहुत अच्छीं होती है। ये अपने साथी से देर रात तक बातें करते हैं और ऐसे जोड़ों में एक दूसरे को समय न दे पाने की समस्या कभी उत्पन्न नहीं होती है।

कलात्मक होते हैं देर तक जागने वाले

रात में देर से सोने वाले लोग ज्यादा कलात्मक होते हैं। तब तक दिनभर की उधेड़बुन दिमाग से निकल चुकी होती हैं तो आपके दिमाग में अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं। नींद विशेषज्ञ के मुताबिक, देर रात तक जागने वाले ज्यादातर लोग अधिक बहिर्मुखी रचनात्मक प्रकार जैसे कवि, कलाकार, और इन्वेन्टर होते हैं।

बखूबी करते है हर काम

रात को देर से सोने वाले लोगों की पढ़ाई या काम आखिरी रात में होता है फिर भी बखूबी कर लेते हैं। डेडलाइन तो जैसे इनके लिए बच्चों का खेल होती है। एक अध्ययन के अनुसार, रात को देर तक जागने वाले अधिक उत्साहित महसूस करते हैं और शाम को ध्यान केंद्रित करने में ज्यादा सक्षम होते हैं।

अकेले वक्त बिताने का मौका

ऐसे लोगों को खुद के साथ अकेले वक्त बिताने का मौका मिलता है। जब आस-पास सब सो जाएंगे, तो आप अकेले जो चाहें, जैसे चाहें कर सकते हैं।

आज का काम आज करने की आदत

देर से सोने के कारण ये अपने दिन के सारे काम उसी दिन पूरे कर लेते हैं और कल पर कुछ नहीं छोड़ते। इनकी ये आदत ऐसे लोगों को अधिक भरोसेमंद बनाती है। लोग ऐसे लोगों पर भरोसा करते हैं और इन्हें अपने महत्वपूर्ण काम देते हैं।

ज्यादा नींद की जरूरत नहीं

बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के शोधकर्ताओं के अनुसार रात को देर से सोने वाले लोगों को जल्दी उठने वाले लोगों की तरह अच्छी तरह से काम करने के लिए ज्यादा नींद की जरूरत नहीं होती है।

कमर दर्द से राहत पाने के लिए करें पैरों की मसाज

अगर आप भी कमर दर्द से परेशान हैं और इससे आराम का ऐसा उपाय खोज रहे हैं जो प्रभावी भी हो और पेन किलर से छुटकारा भी मिले, तो पैरों की मसाज आपके लिए मददगार हो सकती है। कमर दर्द के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन अधिकांशतः मांसपेशियों में खिंचाव और रीढ़ की हड्डी में दर्द के चलते कमर दर्द होता है। पैरों मे एक स्पाइन लाइन पर मसाज करने से कमर दर्द में राहत मिलती है।

पैरों मे मसाज

शरीर के ज्यादातर अंग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से एक दूसरे से जुड़ें ही होते है। इसलिए कमर दर्द मे आराम के लिए आप अपने पैरों की मसाज करें से आपके स्पाइन प्वाइंट्स को आराम देकर कमरदर्द की समस्या को दूर कर देगा। पहली बार वालों के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है पर वे जरा से प्रयास से अपने पैरों के किनारो में स्पाइन प्वाइंट्स को ढूढे। अपने पैरों को क्रॉस करके बैठें और एक पैर को अपने हाथों मे लें। इनर फुट यानि एड़ी से अपने अंगूठे तक के भाग में स्पाइन प्वाइंट्स को तलाशे। आपको स्पाइन लाइन और शरीर के बाकी भाग आसानी से अलग अलग दिख जाएंगे। स्पाइन लाइन पर अपने हाथों के अंगूठे के मदद से हल्का दबाव बनायें। अगर आपकी कमर में दर्द है तो आपको आसानी से वो प्वाइंट मिल जाएगा। ऐया करते समय आपको दिखेगा कि इन प्वाइंट्स में दर्द और सूजन है। इनको हल्के हल्के से मसाज करने से आपके कमर के दर्द को आराम मिलेगा। साथ ही ये तनाव को भी दूर करता है।

कमरदर्द के दूर करने के अन्य तरीके

पैरों के नीचे तकिया लगाने से नींद तो अच्छी आएगी ही, साथ ही कमर दर्द से भी राहत मिलेगी। पैरों के नीचे तकिया लगाने से कमर पर कम दबाव पड़ेगा। एक्सपर्ट बताते हैं कि पीठ के बल सोते समय करीब 55 पौंड वजन रीढ़ की हड्डी पर रहता है। अगर घुटने के नीचे तकिया लगाया जाए, तो रीढ़ पर पड़ने वाला यह वजन आधा हो जाता है। कमर दर्द से बचने के लिए सही पोजिशन में बैठना भी जरूरी है। काम की दौरान सही मुद्रा में बैठने से रीढ़ की हड्डी को झुकने से बचाया जा सकता है।

खराब पोश्चर में बैठने से रीढ़ में अकड़न और खिंचाव आने का खतरा रहता है।अगर आप लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहते हैं, तो इससे रीढ़ की हड्डी में विकृति भी आ सकती है। इसके अलावा कंधे झुकाकर बैठने, चलने और एक पैर मोड़कर खड़े होने से बचें। मसाज वैसे तो सुरक्षित होती है, लेकिन आप गर्भवती हैं या कैंसर, ब्लड क्लॉट, फ्रैक्चर, खुला घाव या आर्थराइटिस है तो मसाज के बाद आपके लिए खतरा बढ़ सकता है। मसाज कराने से पहले भारी खाना न खाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**